@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 26 मार्च 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 134 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जगदीप धनखड़ ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली, 25 मार्च। दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर से नकदी बरामदगी पर चर्चा के लिए राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक शुरू हो गई है। बैठक में सदन के नेता जेपी नड्डा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे समेत सभी दलों के नेता भाग ले रहे हैं। इससे पहले राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही मंगलवार को सदन के सदस्यों की ओर यह मुद्दा उठाया गया था। दरअसल, दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी की बरामदगी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को जस्टिस वर्मा को अगले आदेश तक के लिए न्यायायिक जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना द्वारा तीन सदस्यीय आंतरिक जांच समिति का गठन भी कर दिया गया। संसद के दोनों सदनों में भी नकदी की बरामदगी का मामला उठा था। धनखड़ ने कहा कि उन्होंने सोमवार को सदन के नेता जेपी नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे से बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुलाकात की थी, जो शासन के विभिन्न विभागों में हलचल मचा रहा है। उन्होंने कहा, निस्संदेह यह मुद्दा काफी गंभीर है। इस बीच कांग्रेस के प्रमोद तिवारी ने कहा कि न्याय केवल किया ही नहीं जाना चाहिए, बल्कि ऐसा होते हुए दिखना भी चाहिए, इसलिए ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। इस पर धनखड़ ने संसद की ओर से पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि यदि न्यायिक नियुक्तियों के लिए तंत्र को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निरस्त नहीं किया गया होता, तो चीजें अलग होतीं। उन्होंने कहा कि इस कानून को राज्यसभा ने लगभग सर्वसम्मति से पारित किया था, जिसमें कोई मतभेद नहीं था। धनखड़ ने कहा कि संविधान के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो किसी को भी संविधान संशोधन के साथ छेड़छाड़ करने की अनुमति देता हो। उन्होंने कहा, संविधान संशोधन की समीक्षा या अपील का कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। यदि संसद या राज्य विधानसभाओं द्वारा कोई कानून (पारित) किया जाता है, तो इस बात की न्यायिक समीक्षा हो सकती है कि यह संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप है या नहीं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट पेश किया

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 25 मार्च। दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भाजपा सरकार का पहला बजट पेश किया है। विधानसभा में वर्ष 2025-2026 के लिए एक लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। बजट के दौरान सीएम ने इस बार बजट में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, साफ पानी, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण जैसे प्रमुख मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया है। बीते कई सालों से दिल्ली में हर साल प्रदूषण को लेकर लोग ज्यादा परेशान और सरकार चिंतित रहती है। सरकार ने बजट में दिल्ली के पर्यावरण और प्रदूषण को लेकर सतर्क दिख रही है। मुख्यमंत्री ने 506 करोड़ रुपए की मदद पर्यावरण को सुधारने के लिए आवंटित किए हैं तो वहीं दूसरी तरफ 300 करोड़ रुपये प्रदूषण से निजात के लिए आवंटित किए। बजट में बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण नियंत्रण पर जोर रहा है। एयर क्वालिटी को सुधारने के लिए प्रदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम और ग्रीन कवर बढ़ाने पर जोर दिया गया है। आगे कहा कि हमारी सरकार दिल्ली में

क्लाइमेट चेंज एयर क्वालिटी पर काम करेगी। सीएम गुप्ता ने बजट के दौरान कहा कि इस बार के बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमारा फोकस रहेगा। ये दिन दिल्ली के लिए ऐतिहासिक है। दिल्ली की नई सरकार ऐतिहासिक जनादेश के साथ आई है और उसी के आधार पर काम करेगी। पीएम मोदी ने दिल्लीवालों से साफ यमुना का वादा किया है। वो हम पूरा करेंगी। सीएम ने कहा कि दिल्ली की भाजपा सरकार ने बजट के लिए जनता से सुझाव मांगे थे, जिसमें ईमेल और व्हाट्सएप के जरिए 10,000 से ज्यादा सुझाव मिले। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि बीते 10 सालों में विकास के हर पैमाने पर दिल्ली पिछड़ी है। चाहे वो यमुना की सफाई हो या स्वास्थ्य सुविधाओं और वायु प्रदूषण का मुद्दा हो, पिछली सरकार ने कोई काम नहीं किया। पिछली सरकार की नीतियों की वजह से जनता त्रस्त रही थी। पिछली सरकार विकास के हर पहलू पर फेल रही थी। दिल्ली में यमुना गंदी थी, सड़कें क्षतिग्रस्त थीं, वायु प्रदूषण बहुत अधिक था। जिससे लोगों को कई परेशानियां हुईं। दिल्ली जल बोर्ड, डीटीसी घाटे में थे। गंदा पानी और ओवरफ्लो सीवर से लोग परेशान थे। यहीं दिल्ली की पहचान बन गए।

एक देश एक चुनाव विधेयक पर बनी संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ा

नई दिल्ली, 25 मार्च। लोकसभा ने मंगलवार को एक देश एक चुनाव को लेकर गठित संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़ाने की मंजूरी दे दी। अब इस समिति का कार्यकाल संसद के मानसून सत्र के अंतिम हफ्ते के पहले दिन तक रहेगा। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने समिति के कार्यकाल में विस्तार का प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया, जिसे ध्वनिमत से मंजूर कर लिया गया। लोकसभा के महासचिव ने सदन को ये भी बताया कि राज्यसभा से एक नए सदस्य को भी संसदीय समिति में जगह दी गई है। 39 सदस्यीय समिति में वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा सांसद वी विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद एक पद खाली था। समिति के सदस्यों का मानना था कि उन्हें प्रस्तावित कानून के लिए बड़ी संख्या में हितधारकों से चर्चा करनी होगी, ऐसे में समिति का काम लंबा चलने की संभावना है। यही वजह है कि समिति का कार्यकाल बढ़ाया गया है। एक देश एक चुनाव के लिए दो विधेयक बीते साल दिसंबर में लोकसभा में पेश किए गए थे। ये विधेयक हैं- संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और संघ राज्य क्षेत्र (कानून) संशोधन विधेयक। इन दोनों विधेयकों का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने के लिए जरूरी बदलाव करना है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान अमीरों का दलाल: कल्याण बनर्जी

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 25 मार्च। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने एक बार फिर से विवादित टिप्पणी करके फंस गए हैं। कल्याण बनर्जी ने मंगलवार को कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर अमीरों के दलाल (बिचौलिया) के रूप में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने पश्चिम बंगाल के लंबित केंद्रीय फंड को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। बीजेपी ने इस टिप्पणी पर तुरंत पलटवार किया और केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने शिवराज चौहान के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल को लेकर कल्याण बनर्जी से माफी की मांग की। संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में बनर्जी ने आरोप लगाया कि मनरेगा और पीएम आवास योजना-ग्रामीण जैसी योजनाओं के लिए पश्चिम बंगाल को केंद्र सरकार ने पिछले तीन वर्षों से फंड जारी नहीं किया गया है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी, राज्य

में सरकार बनाने में विफल रहने के कारण, बंगाल के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा, शिवराज चौहान अमीरों के दलाल हैं... वह गरीबों के लिए काम नहीं करते, इसलिए उन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया। बनर्जी ने अपने बयान में कई बार दलाल शब्द का इस्तेमाल किया। मंगलवार को लोकसभा में द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने मनरेगा योजना के तहत कुछ राज्यों को भुगतान में कथित देरी के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिससे प्रश्नकाल के दौरान सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। बनर्जी ने मीडिया से कहा, पिछले तीन वर्षों से हमें फंड नहीं दिया गया। वे कहते हैं कि इसमें कुछ अनियमितताएं हैं। 25 लाख फर्जी जॉब कार्ड जारी किए गए हैं। हमने उनसे कहा है कि वे इन फर्जी कार्डों पर आपराधिक कार्रवाई करें, लेकिन वे पश्चिम बंगाल के 10 करोड़ लोगों को फंड से वंचित नहीं कर सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी 2021 के विधानसभा चुनाव में हार के कारण, बंगाल के लिए फंड रोक रही है। उन्होंने दावा किया, शिवराज चौहान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल के खिलाफ हैं। वे वहां सरकार बनाना चाहते हैं, लेकिन विफल हो रहे हैं। वे कभी भी वहां सत्ता में नहीं आएंगे। बीजेपी के नेता कहते हैं कि बंगाल को फंड मत दो। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि कल्याण बनर्जी को अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह सही नहीं है। एक वरिष्ठ सांसद को इस तरह की भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर काम कर रहे हैं। किसी भी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया गया है, सभी को उनका हिस्सा मिल रहा है। चौधरी ने कहा, एक मंत्री के खिलाफ इस तरह की भाषा का इस्तेमाल करना सही नहीं है।

मेरठ के बाद औरैया की मुस्कान

औरैया, 25 मार्च। 19 मार्च को खून से लथपथ मिले हाइड्रा चालक को मरवाने की साजिश उसकी पत्नी ने ही रची थी। शादी के 15वें ही दिन प्रेमी से मिलकर भाड़े के शूटरों को सुपारी दे दी। इसके लिए मुंह दिखाई में मिले रुपयों का उपयोग किया गया। सुपारी के बचे रुपयों का लेनदेन करने के दौरान पुलिस ने हत्यारोपी पत्नी, उसके प्रेमी व एक शूटर को धर दबोचा। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचे, बाइक सहित अन्य सामान बरामद किया है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। मैनपुरी के भोगांव थाना के नगला दीपा निवासी हाइड्रा चालक दिलीप कुमार (24) की हत्या के मामले में पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही थी। इसी दौरान सुपारी के रुपयों के लेनदेन की सूचना मिलने पर शनिवार दोपहर पुलिस ने हरपुरा के पास छापा मारा। जहां से सहार थानाध्यक्ष पंकज मिश्रा व स्वाट प्रभारी राजीव कुमार ने दिलीप की पत्नी प्रगति को गिरफ्तार किया। महिला के अलावा मौके से उसके गांव हजियापुर फफूंद निवासी प्रेमी अनुराग उर्फ बबलू उर्फ मनोज यादव, अछल्दा के प्रेम नगर निवासी शूटर रामजी नागर को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में प्रगति ने बताया कि प्रेम प्रसंग की जानकारी होने पर परिजन ने उसकी शादी बड़ी बहन के देवर दिलीप से करा दी थी। इस शादी से वह नाखुश थी। इसलिए उसने प्रेमी के साथ पति को रास्ते से हटाने के ठान ली थी। उसने दो लाख रुपये में भाड़े के शूटर बुक किए थे। बताया कि शादी में मुंह दिखाई व अन्य रस्मों के दौरान उसे मिले एक लाख रुपये उसने शूटरों को एडवांस में दे दिए। 19 मार्च को पति जब कन्नौज के उमर्दा के पास शाह नगर से हाइड्रा लेकर लौट रहे थे, तभी पलिया गांव के समीप शूटरों ने उस पर हमला किया। शूटरों ने पति के साथ मारपीट की। इसके बाद सिर के पिछले हिस्से में गोली मार दी। बाद में उसे गेहूं के खेत में फेंक दिया। पुलिस उसे अस्पताल पहुंचाया था। 21 मार्च को इलाज के दौरान दिलीप की मौत हो गई। एसपी अभिजित आर शंकर ने बताया कि दिलीप को गोली किसने मारी यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

धर्म की राजनीति, भ्रष्टाचार छुपाने का तरीका: मल्लिकार्जुन खरगे

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 25 मार्च। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा में धर्म के आधार पर भाजपा और कांग्रेस के विचारधारा पर जोर दिया। उन्होंने भाजपा के नेताओं पर कर्नाटक में मुसलमानों के लिए सरकारी अनुबंधों में आरक्षण को लेकर झूठ बोलने और सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा धर्म के आधार पर कानून बनाने वाली पार्टी है, जबकि कांग्रेस ने कभी भी धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी सरकार के भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए इस मुद्दे को उठा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में न्यायपालिका से जुड़ा एक मामला सामने आया था, और भाजपा नहीं चाहती कि विपक्ष इन मुद्दों पर चर्चा करे। खरगे ने यह भी कहा कि भाजपा कर्नाटक में धर्म आधारित आरक्षण के मुद्दे को उछाल कर कांग्रेस की बढ़ती लोकप्रियता से परेशान है। बता दें कि कर्नाटक में मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा सांसदों ने राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के

माध्यम से यह मुद्दा उठाया था। वे यह दावा कर रहे थे कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने मुसलमानों के लिए आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन करने की बात कही थी। हालांकि, शिवकुमार ने इस आरोप को सिरे से नकारा और कहा कि उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा। राज्यसभा में खरगे ने कहा कि यह मुद्दा 1994 से चला आ रहा है और कर्नाटक में आरक्षण का यह कोटा कांग्रेस, भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) जैसे तमाम दलों द्वारा स्वीकार किया गया था। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह अब इस मुद्दे को राजनीति के लिए उठा रही है, क्योंकि कांग्रेस की कर्नाटक में सफलता और लोकप्रियता बढ़ रही है। साथ ही खरगे ने यह भी कहा कि भाजपा के नेताओं ने संविधान में बदलाव की बात की है, जबकि कांग्रेस ने कभी भी संविधान को बदलने की बात नहीं की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सभी को पांच श्रेणियों में न्याय देने की कोशिश की है, और भाजपा पुराने कानूनों को चुनौती देकर अपनी हताशा को दिखा रही है। खरगे ने यह स्पष्ट किया कि कर्नाटक में कांग्रेस के किसी भी नेता ने मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए संविधान बदलने की बात नहीं की है। उन्होंने भाजपा को चेतावनी दी कि यदि कोई भी संविधान के खिलाफ कुछ कहेगा, तो कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी और संविधान की रक्षा के लिए वह हमेशा संघर्ष करेगी।

तुम चुप रहो! विधान परिषद में अचानक राबड़ी पर बरस पड़े मुख्यमंत्री नीतीश

तेजिन्दर कौर बब्बर

पटना, 25 मार्च। पटना में बिहार विधान परिषद में मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के बीच एक बार फिर तीखी नोकझोंक देखने को मिली। सदन में आरजेडी विधायकों द्वारा पहने गए बैज को देखकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इतने नाराज हो गए कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी को सीधा निशाने पर लेते हुए कहा कि पार्टी तुम्हारी नहीं, तुम्हारे पति की है, तुम चुप रहो! दरअसल, आरजेडी के विधान पार्षद हरे रंग के बैज लगाकर सदन में पहुंचे थे। इन बैजों पर लिखा था कि तेजस्वी सरकार ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाया था, लेकिन बीजेपी सरकार आते ही उसे छीन लिया गया। यह बात मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रास नहीं आई, क्योंकि जब 2023 में आरक्षण बढ़ाने का फैसला लिया गया था, तब वे खुद सरकार का हिस्सा थे। हालांकि बाद में पटना हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए एक आरजेडी विधायक को खड़ा किया। फिर मीडिया गैलरी की ओर देखते हुए कहा कि देखिए, यह तमाशा सिर्फ इसी पार्टी में हो सकता है! जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरजेडी की आलोचना की, तो नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी खड़ी हो गईं और विरोध जताने लगीं। लेकिन नीतीश कुमार ने

उन्हें झिड़कते हुए कहा कि तुम इस मामले में मत पड़ो। यह पार्टी तुम्हारी नहीं, तुम्हारे पति की है! मुख्यमंत्री के इस तीखे बयान के बाद सदन में हलचल मच गई। बीजेपी के नेता और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी खड़े हो गए और समर्थन में बोले कि आरक्षण बढ़ाने का फैसला नीतीश कुमार के नेतृत्व में लिया गया था। यह पूरी सरकार का सामूहिक निर्णय था, जिसे सभी ने समर्थन दिया था। नीतीश कुमार ने आगे राबड़ी देवी पर हमला बोलते हुए कहा कि यह बेचारी तो अपने पति के सहारे सत्ता में आई थीं। उन्होंने 1997 का जिक्र करते हुए कहा कि जब लालू प्रसाद यादव पर चारा घोटाले में सीबीआई ने आरोप तय किए, तो उन्होंने अपनी गृहिणी पत्नी को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दी और परदे के पीछे से सत्ता चलाते रहे। नीतीश कुमार के इस बयान के बाद आरजेडी के विधायकों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने सदन के बाहर सीढ़ियों पर धरना देना शुरू कर दिया। आरजेडी नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने कहा कि उनकी पार्टी फिर से आरक्षण बढ़ाने के लिए एक नया कानून लाने की मांग करती है। उन्होंने केंद्र की एनडीए सरकार से मांग की कि इस कानून को संविधान की नौवीं अनुसूची में डाला जाए, ताकि इसे न्यायिक समीक्षा से बचाया जा सके। विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह ने इस हंगामे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जब सदन को संबोधित कर रहे हों, तो सभी सदस्यों को अपनी सीट पर रहना चाहिए।

मन में अंधविश्वास, देश का सत्यानाश: कुणाल कामरा

मुंबई, 25 मार्च। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर विवादित टिप्पणी को लेकर घिरे कॉमेडियन कुणाल कामरा ने एक बार फिर शिवसेना पर तंज कसा है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में कुणाल कामरा कह रहे हैं कि विकसित भारत का नया एंथम सुनिए। इसके बाद वे एक गाना गाते हैं। उनके इस वीडियो में शिवसेना कार्यकर्ताओं को हैबिटेट कॉमेडी क्लब में तोड़फोड़ करते हुए दिखाया गया है। कुणाल कामरा वीडियो में गाना गा रहे हैं कि हम होंगे कंगाल एक दिन, मन में है अंधविश्वास, देश का सत्यानाश। होंगे नंगे चारों ओर, करेंगे दंगे चारों ओर पुलिस के पंगे चारों ओर, एक दिन, मन में नाथूराम, हरकत आसाराम, हम होंगे कंगाल एक दिन। कुणाल गाते हैं कि होगा गाय का प्रचार, लेकर हाथों में हथियार, होगा संघ का शिष्टाचार एक दिन। जनता बेरोजगार, गरीबी की कगार, हम होंगे कंगाल एक दिन। 36 साल स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने शो में शिंदे का नाम लिए बिना उनके राजनीतिक करियर पर कटाक्ष किया था। उन्होंने महाराष्ट्र के एक बड़े राजनीतिक भूचाल का भी हवाला दिया था। कामरा ने फिल्म दिल तो पागल है के एक लोकप्रिय हिंदी गाने की पैरोडी की थी।

भाजपा-शिवसेना गठबंधन सीटों पर विवाद के कारण टूटा: फडणवीस

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 25 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 2014 में भाजपा-शिवसेना गठबंधन टूटने की वजह का एक बार फिर खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और तत्कालीन अविभाजित शिवसेना के बीच गठबंधन में पहली दरार 2014 में तब आई थी, जब शिवसेना ने 147 सीटों की पेशकश के खिलाफ राज्य विधानसभा चुनावों में 151 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की थी। फडणवीस मुंबई में सोमवार रात सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। माथुर 2014 में भाजपा के महाराष्ट्र प्रभारी थे। फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने तब 127 सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बनाई थी और वह शिवसेना को (288 सदस्यीय राज्य विधानसभा के चुनाव के लिए) 147 सीटें देने को तैयार थी। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने शिवसेना को 147 सीटों पर चुनाव लड़ने का अल्टीमेटम दिया था। हमने खुद 127 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया, जबकि हमारा मानना था कि हम 200 से अधिक सीटें जीतेंगे। शिवसेना के पास मुख्यमंत्री का पद होगा, जबकि भाजपा के पास उपमुख्यमंत्री होगा। फडणवीस ने किसी का नाम लिए बिना कहा, हमें बताया गया कि युवराज ने 151 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है और वे उस संख्या से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। फडणवीस ने कहा कि ऐसा लगता है कि नियति ने उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाने की योजना बनाई थी। उन्होंने वरिष्ठ भाजपा नेता अमित

शाह के साथ हुई चर्चाओं को भी याद किया। उन्होंने कहा, हमने अमित शाह से बात की और उन्हें बताया कि हमारे साथ ऐसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। शाह, माथुर और मुझे पूरा भरोसा था कि हम 2014 के विधानसभा चुनावों में कड़ी टक्कर दे सकते हैं। फडणवीस की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि बहुत सी बातें हुईं और दावा किया कि वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने पहले ही शिवसेना के साथ संबंध तोड़ने की योजना बना ली थी। राउत ने दावा किया कि हर सीट पर 72 घंटे तक चर्चा चली। उस समय ओम माथुर महाराष्ट्र प्रभारी थे। मैं ईमानदारी से स्वीकार करूंगा कि फडणवीस शिवसेना के साथ गठबंधन बनाए रखने के पक्ष में थे। वह गठबंधन चाहते थे, लेकिन यह टूट गया, क्योंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता ऐसा चाहते थे। भाजपा और शिवसेना दलों ने 2014 के राज्य चुनावों में अलग-अलग चुनाव लड़ा था, लेकिन चुनाव के बाद शिवसेना ने भाजपा से हाथ मिला लिया, जब उसने फडणवीस के नेतृत्व में अपनी सरकार बनाई। 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद साझा करने के मुद्दे पर भाजपा और शिवसेना (तब अविभाजित) फिर से अलग हो गए। इसके बाद 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधायकों के एक गुट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और शिवसेना दोफाड़ हो गई।

आर्थिक सर्वे पेश न करने पर आम आदमी पार्टी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 25 मार्च। भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों के पहले से ही केजरीवाल-आतिशी सरकार के द्वारा कैग रिपोर्ट को विधानसभा में पेश न करने पर सवाल उठाया था। भाजपा ने आरोप लगाया था कि कैग रिपोर्ट छिपाकर केजरीवाल अपने भ्रष्टाचार को छिपाना चाहते हैं। दिल्ली में भाजपा की सरकार आने पर उन कैग रिपोर्ट्स को विधानसभा के पटल पर रखा भी जा रहा है। लेकिन खुद भाजपा सरकार ने परंपरा से उलट चलते हुए बजट पेश करने के पहले आर्थिक सर्वे पेश नहीं किया है। आम आदमी पार्टी नेता आतिशी मारलेना ने आरोप लगाया है कि आर्थिक सर्वे न पेश कर भाजपा सरकार परंपराओं का पालन नहीं कर रही है और वह इसके जरिए कुछ छिपाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, कथित तौर पर मुख्यमंत्री ने कैग रिपोर्ट न होने के कारण आर्थिक सर्वे न पेश किए जाने की बात कही है।

दरअसल, आर्थिक सर्वेक्षण किसी सरकार द्वारा पिछले एक साल के कामकाज का लेखा जोखा होते हैं। इसके जरिए सरकार इस बात का अनुमान भी पेश करती है कि केंद्र या राज्य अगले वर्ष में कितना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है और इसके संभावित तरीके क्या हो सकते हैं। आर्थिक सर्वे के आधार पर ही सरकारें बजट पेश करती हैं। आम आदमी पार्टी का कहना है कि आर्थिक सर्वे में दिल्ली की स्थिति बेहतर होने पर यह बात सामने आ जाती कि आम आदमी पार्टी की सरकार में दिल्ली ने बेहतर प्रगति की है। यही कारण है कि भाजपा इसे छिपाकर उनकी उपलब्धियों को जनता के सामने नहीं आने देना चाहती है। आर्थिक सर्वे पेश किए बिना बजट की विश्वसनीयता पर भी आम आदमी पार्टी ने सवाल उठाए हैं। दिल्ली में नेता प्रतिपक्ष आतिशी मारलेना ने कहा कि केंद्र-राज्य बजट प्रस्तुत करने से एक दिन पहले इकोनामिक सर्वे प्रस्तुत करते हैं। यह सर्वे राज्य की अर्थव्यवस्था के मुख्य आंक? लोगों के सामने रखता है। स्टेट जीडीपी, प्रति व्यक्ति आय, टैक्स कलेक्शन ट्रेंड्स सहित कई अहम आंकड़े इसके माध्यम से सामने आते हैं। लेकिन इतने अहम आंकड़े लोगों से छिपाए जा रहे हैं। इससे यही साबित होता है कि सरकार कुछ छिपाना चाहती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सर्वे होने के बिना बजट बनाना आश्चर्यजनक है।

उत्तर कोरिया ने दी दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान को चेतावनी

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के हाल ही में किए गए संयुक्त नौसैनिक अभ्यास की निंदा की है। उत्तर कोरिया ने कहा कि यह शत्रुतापूर्ण है। वह किसी भी उकसावे का निर्णायक जवाब देने के लिए तैयार है। उत्तर कोरिया की सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने मंगलवार को यह प्रतिक्रिया दी। केसीएनए ने कहा कि पिछले सप्ताह सोमवार से गुरुवार तक दक्षिण कोरिया के दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किए गए त्रिपक्षीय संयुक्त समुद्री अभ्यास से तनाव का खतरा बढ़ गया है। यह अमेरिका में दूसरी बार पद पर डोनाल्ड ट्रंप की जनवरी में दूसरी बार वापसी के बाद इस साल अपनी तरह का पहला सैन्य अभ्यास है। इस अभ्यास में यूएसएस कार्ल विंसन विमानवाहक पोत को शामिल किया गया। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया को आगाह को करना था। अमेरिका एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर हावी होने के लिए यह सब कर रहा है। केसीएनए ने चेतावनी दी है कि शत्रु देशों की ओर से किसी भी उकसावे की कार्रवाई या धमकी का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

बलूचिस्तान में राज्य विरोधी गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारी नपेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने राज्य विरोधी गतिविधियों में शामिल सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने सभी आयुक्तों और जिला अधिकारियों को ऐसे कर्मचारियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के आदेश जारी किए। उन्होंने बलूचिस्तान में समग्र कानून और व्यवस्था की स्थिति पर एक उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों का यह आचरण अस्वीकार्य है। पाकिस्तान के समाचार द न्यूज के अनुसार, बैठक में बलूचिस्तान के मुख्य सचिव शकील कादिर खान, पुलिस महानिरीक्षक मोजाम जाह अंसारी, प्रमुख विभागों के सचिव, सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद, सभी संभागीय आयुक्त, उपायुक्त, डीआईजी और जिला पुलिस अधिकारियों ने एक वीडियो लिंक के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया। बुगती ने कहा कि बलूचिस्तान में कोई भी राजमार्ग बंद नहीं किया जाए। जिलास्तर पर राज्य विरोधी तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा। प्रांत के सभी शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रगान अवश्य बजाया जाना चाहिए और राष्ट्रीय ध्वज अवश्य फहराया जाना चाहिए। इन आदेशों का पालन न करने वाले संस्थानों के प्रमुखों को इस्तीफा देना होगा।

न्यूजीलैंड में 6.8 तीव्रता का भूकंप, नागरिकों को समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के दक्षिण द्वीप के निचले हिस्से में लोगों ने भूकंप के शक्तिशाली झटके महसूस किए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई। न्यूजीलैंड की आपदा एजेंसी यह आकलन कर रही है कि इससे सुनामी का कोई खतरा है या नहीं। न्यूजीलैंड भूकंप के लिहाज से अत्यधिक सक्रिय 'रिंग ऑफ फायर' पर बसा है। रिंग ऑफ फायर लगभग 40,000 किलोमीटर का घेरा है। यह प्रशांत महासागर के अधिकांश हिस्से को घेरने वाले ज्वालामुखियों और समुद्री खाइयों से भरा है। द न्यूजीलैंड हेराल्ड अखबार के अनुसार, 6.8 तीव्रता का भूकंप जटिल भूकंपीय वातावरण में आया है। ऑस्ट्रेलियाई टेक्टोनिक प्लेट सीमा के पास सबसे तेज कंपन हुआ। ऑस्ट्रेलियाई प्लेट प्रशांत प्लेट के नीचे गोता लगाती है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस क्षेत्र में कई मंजिल ऊंची सुनामी लहरें उठने के बारे में चेतावनी दी थी। यह भूकंप 2:43 बजे आया। इसका केंद्र द्वीप के उत्तर-पश्चिम में लगभग 160 किलोमीटर दूर धरती से 33 किलोमीटर की गहराई पर रहा। नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने साउथलैंड और फियोर्डलैंड क्षेत्रों के लोगों को समुद्र तटों से दूर रहने की सलाह दी है। एजेंसी का कहना है कि समुद्र की असामान्य धाराएं खतरा बन सकती हैं। न्यूजीलैंड की सरकारी भूकंप निगरानीकर्ता जियोनेट ने कहा कि 4700 से अधिक लोगों ने भूकंप का झटका महसूस किया। भूकंप विज्ञानी डॉ. फिन इल्स्ले-केम्प के विक्टोरिया विश्वविद्यालय के सहकर्मी इस क्षेत्र में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को भूकंप के लिहाज से कम आंका गया है। यहां अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम शोध किया गया है। जबकि यहां शक्तिशाली भूकंप आए हैं।

फिलिस्तीन समर्थक कोलंबिया विवि की छात्रा ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा किया

वाशिंगटन। फिलिस्तीन समर्थक एक छात्रा ने ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा किया है। आरोप लगाया गया है कि अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग ने उसे फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों में हिस्सा लेने के बाद निकासित करने के लिए हिरासत में लेने का प्रयास किया। यह सब राजनीतिक प्रतिशोध की वजह से हुआ। मांग की गई है कि फिलिस्तीनी अधिकारों के लिए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े व्यक्तियों को आव्रजन प्रवर्तन के लिए लक्षित करने के पैटर्न और अभ्यास पर रोक लगाई जाए। न्यूज चैनल सीएनएन की खबर में मुकदमे में दर्ज विवरण के आधार पर यह जानकारी दी गई है। इसमें कहा गया है कि 21 वर्षीय युनसेओ चुंग अमेरिका की स्थायी निवासी है। वह अमेरिका में लंबे समय से रह रही है। वह सात साल की थी जब उसका परिवार दक्षिण कोरिया से अमेरिका आया था। वह न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय की जूनियर छात्रा है। वह कोलंबिया अंडर ग्रेजुएट लॉ रिव्यू में भी शामिल रही है। कानूनी क्षेत्र में इंटर्नशिप की है।

बांग्लादेश में एक और तख्तापलट की अटकलें, सेना प्रमुख को जारी करना पड़ा बयान

एजेंसी
ढाका। बांग्लादेश में सैन्य शासन लागू होने या आपातकाल लगने की अटकलें तेज हो गई हैं। सेना, प्रशासन और छात्र संगठनों के बीच बढ़ते तनाव ने इन चिंताओं को जन्म दिया है कि आर्मी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के खिलाफ कदम उठा सकती है। ढाका में बांग्लादेशी सेना की तैनाती ने तख्तापलट की अफवाहों को और हवा दी है। रिपोर्टों से पता चलता है कि बांग्लादेशी सेना की सावर स्थित 9वीं डिवीजन की टुकड़ियां इकट्ठी हो रही हैं और उन्होंने चरणबद्ध तरीके से राजधानी में प्रवेश करना शुरू कर दिया है। देश के प्रमुख मीडिया आउटलेट, नॉर्थईस्ट न्यूज के अनुसार, सुरक्षा प्रतिष्ठान के सूत्रों का कहना है कि सेना खासतौर से ढाका में नियंत्रण मजबूत करने की कोशिश कर रही है। हालांकि, बढ़ती अटकलों को शांत करने की कोशिश में सेना प्रमुख जनरल वाकर-उज-

जमान ने अफवाहों को खारिज करते हुए धैर्य रखने की अपील की। ढाका छावनी में 'अधिकारी अभिभाषण' में देश भर से आए वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए जनरल वाकर ने सेना के समर्पण, पेशेवर रवैय की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि गलत सूचनाओं की वजह से ध्यान नहीं भटकना चाहिए। जनरल वाकर ने बिगड़ती कानून व्यवस्था, गलत सूचना के खतरे और भड़काऊ बयानबाजी सहित प्रमुख चिंताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा 'देश और उसके लोग सेना की सर्वोच्च प्राथमिकता बने हुए हैं'। सेना प्रमुख ने सैनिकों से सतर्क रहने और उकसावे के आगे न झुकने की अपील की। बता दें सेना छह महीने से अधिक समय से मजिस्ट्रेसी शक्तियों का इस्तेमाल कर रही है और नागरिक प्रशासन की मदद कर रही है। सुरक्षा बलों ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाने और यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हाल के महीनों में राजनीतिक दलों और छात्र संगठनों के बढ़ते विरोध के कारण तनाव बढ़ गया है, जिससे सैन्य हलकों में बेचैनी पैदा हो गई है। इन हालात ने कथित तौर पर सेना के भीतर कुछ गुटों को असहमति की आवाजों को नियंत्रित करने के उपायों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, जनरल वाकर ने किसी भी आवेगपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह के कदम देश को अस्थिर करने की कोशिश करने वालों के हितों की पूर्ति कर सकते हैं।

पाक-अफगान सीमा से घुसपैठ की कोशिश कर रहे 16 आतंकवादी ढेर

एजेंसी
इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने दावा किया कि उसने पाक-अफगान बॉर्डर से घुसपैठ की कोशिश कर रहे कई आतंकवादियों को मार गिराया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्लामाबाद-काबुल रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिशें दोनों तरफ से की जा रही हैं। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, खुफिया जानकारी से पाकिस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के गुलाम खान कल्ले इलाके के पास आतंकवादियों की गतिविधि का पता चला। यहां अफगानिस्तान के आतंकवादी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की कोशिश नाकाम कर दी और कई घुसपैठियों को मार गिराया। आईएसपीआर के बयान में कहा गया, तीव्र गोलीबारी के बाद, सभी 16 ख्वारिज (आतंकवादियों) को नरक भेज दिया गया। यह मुठभेड़ कूटनीतिक संबंधों और अन्य मोर्चों के जरिए दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों के लिए एक झटका है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने कुछ दिन पहले ही युद्धविराम के साथ 26 दिनों के बंद के बाद पाक-अफगान तोरखम सीमा को फिर से खोल दिया। दोनों देशों ने लगातार उच्च-स्तरीय बातचीत के माध्यम से संबंधों को फिर से बेहतर करने के लिए राजनयिक चैनलों को भी सक्रिय किया। हाल ही में, अफगानिस्तान के लिए विशेष प्रतिनिधि राजदूत सादिक खान के नेतृत्व में एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने काबुल का दौरा किया और अफगान तालिबान नेतृत्व के साथ संक्षिप्त चर्चा की।

डीआरसी संघर्ष मध्यस्थ के रूप में अंगोला पीछे हट रहा - राष्ट्रपति कार्यालय

एजेंसी
लुआंडा। अंगोला ने कहा कि उसने पूर्वी कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) संघर्ष में मध्यस्थ के रूप में ÷खुद को मुक्त÷ करने का निर्णय लिया है, ताकि वर्तमान अध्यक्ष के रूप में वह अफ्रीकी संघ की व्यापक प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सके। अंगोला के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि आने वाले दिनों में एक नए मध्यस्थ की पहचान की जाएगी।बयान में कहा गया है कि अफ्रीकी संघ (एयू) आयोग के सहयोग से, आने वाले दिनों में उस देश की पहचान करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिसके राष्ट्राध्यक्ष, एसएडीसी (दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय), पूर्वी अफ्रीकी समुदाय और मध्यस्थों द्वारा समर्थित, डीआरसी और रवांडा के बीच संघर्ष की मध्यस्थता करेंगे। बयान में कहा गया है कि डीआरसी सरकार और मार्च 23 मूवमेंट (एम23) विद्रोही समूह के बीच सीधी बातचीत मूल रूप से 18 मार्च

के लिए निर्धारित थी, लेकिन कुछ कारणों से यह नहीं हो पाई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 15 दिसंबर, 2024 को अंगोला की राजधानी लुआंडा में होने वाला डीआरसी-रवांडा शांति शिखर सम्मेलन भी रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागामे के भाग न लेने के निर्णय के कारण विफल हो गया। बयान में कहा गया, अंगोला ने पूर्वी डीआरसी में दीर्घकालिक शांति प्राप्त करने और दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए अत्यंत गंभीरता, ऊर्जा और संसाधनों के साथ खुद को समर्पित किया है। कांगो और विद्रोहियों को बातचीत की मेज पर लाने के प्रयास बार-बार विफल रहे हैं। किंशासा के विद्रोहियों से बात करने से लंबे समय से इनकार करने के बाद पिछले सप्ताह दोनों पक्षों के बीच पहली बार अंगोला में सीधी बातचीत होनी थी।

मॉस्को और वाशिंगटन यूक्रेन संकट को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध : क्रेमलिन

एजेंसी
मॉस्को। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि मॉस्को और वाशिंगटन यूक्रेन संकट को हल करने के प्रयासों के साथ आगे बढ़ने की पारस्परिक इच्छा रखते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया जब रियाद में रूस और अमेरिकी अधिकारियों ने शांति वार्ता की। पेस्कोव ने कहा कि दोनों देश शांतिपूर्ण समाधान के मार्ग पर चलने की इच्छा और तत्परता रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों के बीच एक आपसी समझ है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि सऊदी अरब की राजधानी रियाद में वर्तमान में अमेरिकी और रूसी प्रतिनिधिमंडलों के बीच चल रही वार्ता के दौरान कई तकनीकी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, सामान्य तौर पर, समझौते से संबंधित कई विभिन्न पहलुओं पर अभी भी काम किया जाना बाकी है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि वार्ता में ब्लैक सी इनिशिएटिव की संभावित बहाली के बारे में भी विवरण शामिल होंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य काले सागर में युद्धविराम लागू कर समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पेस्कोव ने

दोहराया कि देश की सेनाएं यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले रोकने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश का पालन कर रही हैं। बता दें अमेरिका और रूसी प्रतिनिधिमंडलों ने सऊदी अरब में वार्ता के एक नए दौर की शुरुआत की। वार्ता का उद्देश्य यूक्रेन में व्यापक युद्ध विराम की दिशा में आगे बढ़ना है। वाशिंगटन व्यापक समझौते तक पहुंचने से पहले एक अलग काला सागर समुद्री युद्ध विराम समझौते पर विचार कर रहा है। यह वार्ता, रविवार को सऊदी अरब में यूक्रेन के साथ अमेरिका की वार्ता के बाद हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन दोनों से बात करने के बाद तीन साल पुराने संघर्ष को समाप्त करने के अपने प्रयास को तेज कर दिया है। व्हाइट हाउस का कहना है कि वार्ता का उद्देश्य काला सागर में समुद्री युद्ध विराम पर पहुंचना है, ताकि जहाजों का मुक्त आवागमन हो सके, हालांकि हाल के महीनों में यह क्षेत्र गहन सैन्य अभियानों का स्थान नहीं रहा है।

महरंग बलूच की रिहाई की मांग ने पकड़ा जोर, कराची और क्वेटा में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी
कराची। बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) की प्रमुख महरंग बलूच और अन्य नेताओं की रिहाई की मांग जोर पकड़ती जा रही है। कराची में बीवाईसी ने राज्य की क्रूरता और लोगों को जबरन गायब किए जाने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। महरंग बलूच ने जबरन गायब किए गए लोगों के रिश्तेदारों की अवैध गिरफ्तारी और अवैध पुलिस रिमांड के खिलाफ धरना प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। महरंग बलूच और कई अन्य कार्यकर्ताओं पर आतंकवाद का आरोप लगाया गया है। इस बीच, पुलिस की कार्रवाई में, बीवाईसी नेता सम्मी दीन बलूच सहित कई लोगों को धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। पाकिस्तान के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) सैयद असद रजा ने कहा, पुलिस ने सभा

को नाकाम कर दिया और सम्मी दीन बलूच सहित लगभग छह प्रदर्शनकारियों को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार कर लिया और महिला पुलिस थाने में बंद कर दिया गया। देश के प्रमुख समाचार पत्र 'डॉन' से बात करते हुए, पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) के वरिष्ठ अधिकारी काजी खिजर, ने कहा कि बीवाईसी और नागरिक समाज संगठनों ने महरंग और अन्य की हिरासत और बलूचिस्तान में कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध का आह्वान किया था। एचआरसीपी नेता के मुताबिक, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए क्रूर तरीका अपनाया। उन्होंने कहा कि 13 महिलाओं को ले जाया गया, लेकिन पुरुषों की संख्या ज्ञात नहीं है। खिजर खुद भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए थे। खिजर ने दावा किया कि पाकिस्तान उलेमा काउंसिल और अन्य समूहों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करने वाले कई लोगों ने पुलिस सुरक्षा के तहत बलूच कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने बैनर ले रखे थे और बीवाईसी के खिलाफ नारे लगाए, लेकिन पुलिस उन्हें धारा 144 का उल्लंघन करने से नहीं रोक रही थी।

बांग्लादेश में बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर यूनिसेफ ने जताई गंभीर चिंता, सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील

एजेंसी
ढाका। बांग्लादेश में बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी यूनिसेफ ने गहरी चिंता व्यक्त की है। खासकर बच्चों, विशेष रूप से लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा की घटनाओं में खतरनाक वृद्धि देखने को मिली है।यूनिसेफ की प्रतिनिधि राना फ्लावर्स ने कहा कि वे बच्चों के बलात्कार और यौन हिंसा के भयानक मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि से बेहद भयभीत हैं, जिसमें शैक्षिक संस्थानों जैसे बच्चों के सुरक्षा और पालन-पोषण के स्थानों भी शामिल हैं। यूनिसेफ ने अपने एक बयान में कहा कि हाल के महीनों में कथित तौर पर बड़ी संख्या में बच्चे बलात्कार और हत्या का शिकार हुए हैं। जनवरी 2025 से 16 मार्च 2025 तक, मीडिया और स्थानीय मानवाधिकार संगठनों ने बाल बलात्कार के लगभग 50 मामले दर्ज किए हैं। यह प्रवृत्ति और भी चिंताजनक हो रही है, क्योंकि केवल 10 मार्च को सात बच्चों की हत्या कर दी गई और छह हिंसा के मामलों की पुष्टि हुई। ये आंकड़े केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि ये बिखरी हुई जिंदगियां, बचे हुए लोगों के लिए गहरे आघात और परिवारों और समुदायों के लिए अकल्पनीय दुःख को दर्शाते हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि राणा फ्लावर्स ने कहा, कुछ दिन पहले मगुरा की आठ वर्षीय बच्ची की दुखद मृत्यु से हमारा दिल विशेष रूप से दुखी है। उसकी मृत्यु इस बात की विनाशकारी याद दिलाती है कि बच्चों, विशेषकर लड़कियों, को उनके मौलिक अधिकारों और सुरक्षा के गंभीर उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है। दुख की बात है कि इस छोटी बच्ची की मृत्यु बच्चों के विरुद्ध कई भयावह कृत्यों में से एक मात्र है।

अमेरिकी प्रशासन की बड़ी चूक! शीर्ष अधिकारियों की हूती विद्रोहियों पर हमले को लेकर चैट हुई लीक

एजेंसी
वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने यमन के हूती समूह के खिलाफ सैन्य हमलों की योजना पर एक व्यावसायिक मैसेजिंग सेवा पर विस्तृत चर्चा की। कई समाचार रिपोर्टों के अनुसार, अधिकारियों ने भी इस चर्चा की पुष्टि की है। ये चर्चा कई दिनों तक चली और इसमें हमले की पूरी जानकारी, हथियारों का इस्तेमाल और समय की बात हुई। गलती से इस ग्रुप में द अटलांटिक मैगजीन के संपादक जेफरी गोल्डबर्ग को भी जोड़ दिया गया। इन चर्चाओं को करने वाले अधिकारियों ने सिग्नल नाम की एक सुरक्षित मैसेजिंग सेवा का इस्तेमाल किया। इसमें उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज, सीआईए निदेशक जॉन रेडक्लिफ और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड

शामिल थीं। एक व्यक्ति जिसे एमएआर कहा गया, माना जाता है कि वह विदेश सचिव मार्को रुबियो थे। चर्चा के बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता। मैं अटलांटिक का बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं।' राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने द अटलांटिक द्वारा प्रकाशित चर्चाओं की प्रामाणिकता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, अभी तक, जो मैसेज थ्रेड की खबर आई है, वह सच लगती है। हम यह देख रहे हैं कि गलती से कोई नंबर उसमें कैसे जुड़ गया। उन्होंने आगे कहा, ये थ्रेड दिखाता है कि बड़े अधिकारियों के बीच नीति पर गहरी और सोची-समझी समन्वय था। ऑपरेशन की लगातार सफलता बताती है कि हमारे सैनिकों या राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। ट्रंप प्रशासन द्वारा हूतियों के खिलाफ पहला अमेरिकी हमला 15 मार्च को शुरू हुआ, जब हूती विद्रोहियों ने गाजा की नाकाबंदी को लेकर इजरायल के खिलाफ हमले फिर से शुरू करने की धमकी दी थी। ये हमले सप्ताहांत में और अधिक होने के साथ जारी रहे और सोमवार तक चले। हूती समूह ने नवंबर 2023 से पश्चिम एशिया के जलक्षेत्र लाल सागर, अदन की खाड़ी, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य और अरब सागर में करीब 100 व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया है। यह हमले तब शुरू हुए, जब इजरायल ने हमास के 7 अक्टूबर के आतंकी हमलों का जवाब दिया था।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति की कोशिशें, रियाद में मॉस्को-वाशिंगटन वार्ता शुरू

एजेंसी
मॉस्को। रूस और अमेरिका ने यूक्रेन के साथ चल रहे संघर्ष के समाधान के लिए रियाद में विचार-विमर्श शुरू किया। इस वार्ता का उद्देश्य संघर्ष को समाप्त करने के लिए आंशिक युद्धविराम और दुश्मनी खत्म करने के बारे में विस्तृत चर्चा करना है। इससे पहले अमेरिका और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों ने संभावित युद्धविराम समझौते पर रविवार को सऊदी अरब की राजधानी में इसी मुद्दे पर चर्चा की। बातचीत में रूसी प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व अंतर्राष्ट्रीय मामलों पर फेडरेशन काउंसिल समिति के अध्यक्ष ग्रिगोरी कारासिन और संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) के निदेशक के सलाहकार सर्गेई बेसेडा ने किया। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी विदेश विभाग में नीति नियोजन के निदेशक माइकल एंटोन, कीथ केलॉग के सलाहकार और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज कर रहे हैं। केलॉग वर्तमान में यूक्रेन के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के विशेष दूत हैं।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट सीबीएस न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में, वाल्ट्ज ने कहा कि अमेरिका और रूस, सऊदी अरब में अपनी बैठक में काला सागर में युद्ध की समाप्ति और इसके माध्यम से व्यापार यातायात को फिर से शुरू करने पर चर्चा करेंगे। माइक वाल्ट्ज ने कहा, हम काला सागर समुद्री युद्ध विराम के बारे में बात करने जा रहे हैं ताकि दोनों पक्ष अनाज, ईंधन ले जा सकें और काला सागर में फिर से व्यापारिक गतिविधियां शुरू हो सकें। इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने घोषणा की कि रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका विशेष रूप से काला सागर अनाज पहल को पुनर्जीवित करने पर ध्यान देंगे।इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि सऊदी अरब में यूक्रेनी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों के बीच बैठक रचनात्मक और लाभकारी रही, जिसमें प्रमुख मुद्दों पर प्रगति हुई। कीव इंडिपेंडेंट ने जेलेंस्की के हवाले से बताया, हमारी टीम काफी रचनात्मक तरीके से काम कर रही है, और चर्चा बहुत फायदेमंद रही है। प्रतिनिधिमंडल का काम जारी है। यूक्रेनी रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि चर्चा में सैन्य, राजनयिक और ऊर्जा प्रतिनिधि शामिल थे।

इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में ऑस्कर विजेता फिलिस्तीनी निर्देशक पर हमला

यरुशलम। इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में ऑस्कर विजेता फिल्म 'नो अदर लैंड' के फिलिस्तीनी सह-निर्देशक हमदान बल्लाल पर हमला हुआ है। आरोप है कि यहां बसे इजराइली समूह ने इनको पीटा और इसके बाद इजराइली सैनिक उन्हें अपने साथ ले गए। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन को उनके सहयोगियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। इस फिल्म के निर्देशन में सहयोगी बेसल अद्रा के अनुसार, वह सोमवार को हमदान को देखने उनके घर गए

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रियल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नम्बर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

इस्तांबुल मेयर की गिरफ्तारी से तुर्की में उबाल, कई शहरों में प्रदर्शन, हिरासत में 1,000 से अधिक लोग

एजेंसी
अंकारा। इस्तांबुल के मेयर एक्रेम इमामोग्लू की गिरफ्तारी के विरोध में देश भर में बड़े विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। सरकार के मुताबिक 1,000 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि इमामोग्लू की हिरासत के खिलाफ पांच दिन पहले शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद से पूरे तुर्की में 1,133 लोगों को हिरासत में लिया गया है। राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के मुख्य राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी इमामोग्लू को पिछले बुधवार को हिरासत में लिए जाने के बाद तुर्की में एक दशक से भी ज्यादा समय का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। रविवार को एक अदालत ने उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल भेज दिया। हालांकि इमामोग्लू ने आरोपों से इनकार किया। कई शहरों में सभाओं पर प्रतिबंध के बावजूद, सरकार विरोधी प्रदर्शन रविवार तक लगातार पांचवीं रात भी जारी रहे, जिसमें हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। विरोध प्रदर्शन ज्यादातर शांतिपूर्ण रहे। हालांकि येरलिकाया ने दावा किया कि अब तक विरोध प्रदर्शनों के दौरान 123 पुलिस अधिकारी घायल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि सरकार सड़कों पर आतंक फैलाने की अनुमति नहीं देगी।तुर्की के पत्रकार

संघ ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों में नौ पत्रकार शामिल हैं, जिन्होंने कई शहरों में रात भर हुए विरोध प्रदर्शनों को कवर किया था। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पत्रकारों को क्यों हिरासत में लिया गया। इमामोग्लू की मुख्य विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी (सीएचपी) ने मेयर की गिरफ्तारी करने के अदालती फैसले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की अपील की। इमामोग्लू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को अकल्पनीय बताते हुए खारिज कर दिया और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। एर्दोगन ने पिछले सप्ताह कहा था कि सरकार सार्वजनिक व्यवस्था में व्यवधान को स्वीकार नहीं करेगी। उनकी सरकार ने इस बात से इनकार किया कि जांच राजनीति से प्रेरित है और कहा कि अदालतें स्वतंत्र हैं।

एर्दोगन की सत्तारूढ़ एके पार्टी के प्रवक्ता ओमर सेलिक ने कहा कि सीएचपी ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान विपक्ष की कमियों को छिपाने के लिए किया। सेलिक ने कहा, लोकतांत्रिक विरोध एक (मौलिक) अधिकार है, लेकिन सीएचपी की भाषा लोकतांत्रिक विरोध की भाषा नहीं है। 54 वर्षीय इमामोग्लू को सीएचपी ने राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के लिए प्राथमिक चुनाव आयोजित किया था। मेयर के समर्थन में लगभग 15 मिलियन वोट डाले गए। मेयर के समर्थकों ने कहा कि इमामोग्लू को जेल में डालना तुर्की में इंसाफ की कमी को दर्शाता है।

दस लाख के आर्टिफिशियल आभूषण चोरी करने वाले दो चोर समेत तीन गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सदर बाजार थाना इलाके में बैलगाड़ी पर लादे गए आर्टिफिशियल आभूषण के 19 पार्सल चोरी हो गए। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने इस मामले में दो चोर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।पकड़े गए आरोपितों की पहचान मो. फरमान (36), ओमकार (35) और रिसीवर मो. हसमुद्दीन (51) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपित मो. फरमान पर पांच और ओमकार पर छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से आर्टिफिशियल आभूषण के 19 पार्सल बरामद किए हैं। बरामद पार्सल की कीमत करीब 10 लाख रुपये है। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि 16 मार्च को सदर बाजार थाना पुलिस ने आर्टिफिशियल आभूषण के 19 पार्सल चोरी होने के संबंध में ऑनलाइन ई-एफआईआर दर्ज की। पुलिस टीम ने घटनास्थलों के आसपास लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर तीनों आरोपितों को दबोचा।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले बाड़ा हिंदू राव थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश में कहासुनी के बाद रात तीन बदमाशों ने एक व्यक्ति पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को बाड़ा हिंदू राव अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सदर बाजार के पहाड़ी धीरज निवासी आशु के रूप में हुई। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान तेलीवाड़ा निवासी शिवम उर्फ बल्लू, गौतम उर्फ गोमसी उर्फ शहबाज और हर्षु के रूप में हुई है। वारदात में चाकू मारते समय हर्षु भी घायल हो गया, जिसे उपचार के दौरान पुलिस ने एलएन अस्पताल में गिरफ्तार किया है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, रविवार देर रात पुलिस को सूचना मिली थी तीन युवकों ने एक युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर घायल कर दिया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल आशु को बाड़ा हिंदू राव अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस टीम ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और लगभग 140 सीसीटीवी फुटेज खंगाल आरोपितों की पहचान की। पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों में दो आरोपितों शिवम और गौतम को गिरफ्तार कर लिया गया और अपराध के दौरान इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया। उनसे पूछताछ में पता चला कि वारदात के दौरान हर्षु के हाथ पर भी चाकू लग गया, जिसका एलएन अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस तुरंत एलएन अस्पताल में पहुंची, जहां से उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

नई दिल्ली। दक्षिण जिले के हौजखास इलाके में रात को ओला-उबर कैब ने स्विगी डिलीवरी बॉय को टक्कर मार दिया। हादसे में बाइक सवार डिलीवरी बॉय चंद्रहास यादव की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर टक्कर मारने वाली कैब जब्त कर उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी की मदद से मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चंद्रहास परिवार के साथ तिगरी दिल्ली में रहता था। वह मूलतः गांव शमशुद्दीनपुर, जहानागंज, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। परिवार में बुजुर्ग मां सुमित्रा, पत्नी रीमा के अलावा दो बेटी और एक बेटा है। पुलिस के मुताबिक रविवार रात के समय वह काम के लिए अपनी बाइक से डिलीवरी के लिए हौजखास गए थे। जहां वह देर रात करीब 1.30 बजे फुटपाथ के पास खड़े होकर ग्राहक का इंतजार कर रहे थे। तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी।

चोरी के दो वाहनों के साथ एक बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के हरि नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में सिमरजीत सिंह उर्फ शम्मी नामक एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो दुपहिया वाहन बरामद किए गए हैं। जांच में पता चला है कि सिमरजीत सिंह उर्फ शम्मी पर 24 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने सोमवार को बताया कि हरिनगर चौकी इंचार्ज एसआई ठाकुर सिंह, हेडकांस्टेबल मोनू, श्रीकृष्ण के साथ गश्त पर थे। गश्त के दौरान जब टीम डीडीयू अस्पताल के पीछे पहुंची तो उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति मोटर साइकिल पर उनकी तरफ आ रहा है। पुलिस को देखकर आरोपित ने मोटर साइकिल मोड़ी और भागने की कोशिश की। पुलिस ने उसका पीछा कर उसे धर दबोचा। आरोपित के पास मिली बाइक चोरी की थी। पूछताछ के बाद उसकी निशानदेही पर चोरी की एक स्कूटी भी बरामद की गई।

आज के युद्ध में जीत उन्हीं की होगी, जो खुद को बदल सकें, सीडीएस चौहान

नई दिल्ली, 25 मार्च। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि आज के युद्धक्षेत्र में वहीं जीत पाएंगे जो खुद को बदलने, हालात के अनुसार ढलने और नए अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम होंगे। यह बात उन्होंने सिकंदराबाद स्थित रक्षा प्रबंधन कॉलेज (सीडीएम) में उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी-20) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कही। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, जनरल चौहान ने 21वीं सदी में सुरक्षा से जुड़े जटिल मुद्दों पर बात की। उन्होंने तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों, गैर-पारंपरिक खतरों और तकनीकी प्रगति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और अन्य सुरक्षा चुनौतियों के बीच दूरदर्शी नेतृत्व के महत्व पर प्रकाश डाला। जनरल चौहान ने कहा, आज के युद्धक्षेत्र में जीत सबसे फिट रहने वालों के लिए ही नहीं है, बल्कि उन लोगों के लिए है जो समय के अनुसार खुद को ढालते हैं और नए अवसरों का लाभ उठाते हैं। उन्होंने बताया कि अब युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं लड़े जाते, बल्कि इसमें नवाचार, तकनीकी ज्ञान और दूरदर्शी सोच भी जरूरी है। सीडीएस ने इस बात पर जोर दिया कि देश की सुरक्षा के लिए पूरे देश के योगदान के दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने भारत के सशस्त्र बलों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे वे भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति को मजबूत बनाने में योगदान दे रहे हैं। रक्षा सुधार वर्ष में राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचा और परिवर्तन प्रबंधन पर अपने व्याख्यान में जनरल चौहान ने बताया कि रक्षा मंत्रालय का सैन्य मामलों का विभाग (डीएमए) सशस्त्र बलों के एकीकरण और तालमेल को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने विजन-2047 केबारे में भी जानकारी दी, जो भविष्य की रक्षा और सैन्य नीतियों, सैन्य सिद्धांतों और समग्र रणनीति को तय करेगा। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रक्षा उत्पादन और सैन्य क्षमता बढ़ाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में नवाचार, प्रयोग और सहयोग को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि भारत बदलते रणनीतिक माहौल में हमेशा आगे बना रहे।

NAME CHANGE
I Neetu Kanojia S/OShri Chirangi Lal R/O 32/1021 DDA flat madangir Dr Ambedkar Nagar South Delhi - 110062 , u have change my name to Neetu for all future purpose

NAME CHANGE
I, VIPIN KUMAR S/O SATPAL SINGH residing at H NO-500, GALI NO-22, VIKAS COLONY, KARNAL, HARYANA-132001 Declare that VIPIN is my given name and my surname is KUMAR

NAME CHANGE
I hitherto known as Gaurav kumar Sharma S/o: Babu Singh, R/O House No-14-c, Gali No-2, Bhola Nath Nagar, Shahdara, Shahdara, North East Delhi, Delhi, 110032, have changed my name and shall hereafter be known as GAURAV.

NAME CHANGE
I hitherto known as HIMANSHU KHATANA S/O NAWAB SINGH R/O JEHRA, JEHRA PO KHADLANA, DIST: SAHARANPUR, UTTAR PRADESH - 247341 have changed my name and shall hereafter be known as ROHIT KUMAR.

लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास के लिए सहमति वाला दृष्टिकोण मौलिक है : धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संसद भवन में राज्य सभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रतिभागियों के छठे बैच को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विकास के लिए सहमति वाला दृष्टिकोण मौलिक है। सभापति ने कहा कि दुनिया की कोई भी सभ्यता भारत जितनी समावेशी नहीं है। हमने कभी टकराव में विश्वास नहीं किया, कभी भी प्रतिकूल रुख में नहीं, लेकिन हम पाते हैं कि देश में राजनीतिक तापमान भी बहुत अधिक है। हम मुद्दों पर तुरंत अपूरणीय, टकरावपूर्ण स्थिति ले लेते हैं। हम संवाद के माध्यम से ही एकमात्र रास्ता निकालते हैं। कर्नाटक में सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण की ओर संकेत करते हुए सभापति

ने कहा कि हाल ही में एक राज्य में एक खास समुदाय, एक धार्मिक संप्रदाय को अनुबंधों में आरक्षण दिए जाने का संकेत मिला है। संवैधानिक प्रावधानों पर गौर करें। क्या हमारा संविधान धार्मिक विचारों पर किसी आरक्षण की अनुमति देता है? जानिए डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने क्या कहा था, और आपको पता चल जाएगा कि धार्मिक विचारों पर कोई आरक्षण नहीं हो सकता।उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की युवा आबादी की बदौलत भारत को दुनिया में एक महान राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने युवाओं से नस्लवाद और नकारात्मकता को बेअसर करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के अंदर और बाहर हमें नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन आपको हमेशा यह एहसास होना चाहिए कि भारत का उदय वैश्विक स्थिरता के लिए है। भारत का उदय वैश्विक शांति के लिए है और अकेले युवा ही बड़ा बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश सबसे पहले संवैधानिक प्रावधानों द्वारा शासित होता है। संविधान में बदलाव करना संसद का एकमात्र विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि संविधान में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए सहायता और सकारात्मक तंत्र का प्रावधान है।

विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानों को बंद करने की मांग की

एजेंसी

नई दिल्ली । विहिप प्रवक्ता विनोद बंसल ने नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानों को बंद करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा है कि दिल्ली नगर निगम के नियमानुसार स्कूल और मंदिर के पास कोई मीट की दुकान नहीं हो सकती। विनोद बंसल ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷दिल्ली नगर निगम के नियमानुसार कोई भी मीट की दुकान किसी मंदिर या विद्यालय की एक निश्चित परिधि के अंदर नहीं होनी चाहिए। जानवरों का वध भी नियत सरकारी वधशालाओं में ही होना चाहिए। साथ ही, प्रत्येक मीट की दुकान को यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि वह हलाल मीट बेच रहा है या झटका। दुर्भाग्य से इन तीनों ही नियमों की एक लंबे समय से अनदेखी की जाती रही है और सात्विक जीवन जीने वाले अहिंसक व आस्थावान लोगों की भावनाओं के साथ निरंतर खिलवाड़ किया जाता रहा है। नन्हें मुन्ने बच्चों व विद्यार्थियों के मन-मस्तिष्क पर भी इसका बेहद विपरीत प्रभाव देखने को मिलता है। उन्होंने आगे कहा, आगामी विक्रमी संवत् 2082 की वर्ष प्रतिपदा का विश्वव्यापी महोत्सव है और उसी दिन से चैत्र मास की नवरात्रों का पवन प्रारंभ भी है। इसके दृष्टिगत, हिंदू जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए नवरात्रि के दौरान मीट की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित हो सके, इसके लिए शासन-प्रशासन और नगर निगम को पहल करनी चाहिए, जिससे अनावश्यक विद्वेष, कलह और झगड़ों को आमंत्रण न मिल सके। हालांकि, विनोद बंसल ने एक वीडियो बयान भी जारी किया है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली नगर निगम के नियमानुसार कोई भी किसी मंदिर या विद्यालय की एक निश्चित परिधि के अंदर मीट की दुकान नहीं होनी चाहिए। त्योहारों में हिंदू मंदिरों के आसपास मीट की बिक्री चिंतनीय है।

मुख्यमंत्री स्टालिन निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन के संबंध में प्रधानमंत्री से करेंगे मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि वह निर्वाचन क्षेत्र के परिसीमन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री ने आज घोषणा की कि वे तमिलनाडु से संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले दलों के सांसदों के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात करने के बारे में निर्णय कर चुके हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने आज विधानसभा में इस बारे में बताया कि सदन में एक प्रस्ताव पारित किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों में लोक कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए किसी को भी दंडित न किया जाए। भारत में पहली बार तमिलनाडु विधानसभा में निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया है। उन्होंने कहा कि जिस तर्ज पर उत्तरी राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किया जा रहा है, उसी तर्ज पर तमिलनाडु में भी इसे लागू किया जाना चाहिए। तमिलनाडु में किए जा रहे निर्वाचन क्षेत्र परिसमीन के लिए वे लोगों को जागरूक करेंगे क्योंकि इसका राष्ट्रीय स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण को सफलतापूर्वक लागू किया है, उन्हें दंडित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की जनता की ओर से मैं तमिलनाडु की उन पार्टियों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने इसका समर्थन किया और उन पार्टियों को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक में भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद में वादा करना चाहिए कि वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र परिसीमन को 2026 से अगले 30 वर्षों के लिए बढ़ाया जाना चाहिए। संविधान में एक सुसंगत संशोधन संसद में पारित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि संसदीय क्षेत्रों का परिसीमन राज्यों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए। 1971 की जनगणना के अनुसार किए गए निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को अगले 25 वर्षों के लिए बढ़ाया जाना चाहिए। कल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने वाले राज्यों को दंडित नहीं किया जाना चाहिए बल्कि उसमें उचित कानूनी संशोधन किए जाने चाहिए।

विपक्षी दलों के छात्र संगठनों का शिक्षा नीति और यूजीसी ड्राफ्ट के खिलाफ प्रदर्शन, राहुल भी हुए शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली।आईएनडीआई गठबंधन के घटक दलों के छात्र संगठनों ने जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति और यूजीसी ड्राफ्ट सहित देश की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विरोध-प्रदर्शन किया। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रदर्शन में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि शैक्षणिक संस्थानों पर आज सत्ता पक्ष के लोग कब्जा कर रहे हैं। छात्रों के साथ भेदभाव किया जा रहा है और पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही हैं। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस के छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई), वाम दलों के छात्र संगठन अखिल भारतीय स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आईसा), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), मुस्लिम स्टूडेंट्स फेडरेशन (एमएसएफ), समाजवादी छात्र

सभा और छात्र राष्ट्रीय जनता दाल (सीआरजेडी) और अन्य संगठनों भाग किया।राहुल ने जंतर-मंतर पर छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के चलते किसी को रोजगार नहीं मिलेगा। देश बर्बाद हो जाएगा। आज विपक्ष की मांग को अनसुना किया जा रहा है। ऐसे में छात्रों की जिम्मेदारी है कि वह हर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं और पूरी ताकत से लड़ें। राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री के कुंभ मेले पर दिए भाषण का उल्लेख कर कहा कि इस पर बात करना ठीक है लेकिन उन्हें भविष्य के बारे में भी बात करनी चाहिए। प्रधानमंत्री बेरोजगारी और महंगाई पर एक शब्द नहीं कहते हैं। हमें इन सबके खिलाफ एकजुट होकर लड़ना होगा। एनएसयूआई के अध्यक्ष वरुण चौधरी ने इस दौरान कहा कि हमने राहुल गांधी को ज्ञापन सौंपा हैं। इसमें हमने मांग की है कि नई शिक्षा नीति और यूजीसी ड्राफ्ट वापस लिया जाए। इसमें हमने पेपर लीक और छात्रों के साथ भेदभाव का मुद्दा भी उठाया।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सूरज भान पुत्र स्व0छीत्रमल निवासी-डी-8, अर्जुन पार्क, नजफगढ़, नंगली सकरावती, डी0सी0 नगली सकरावती, दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली, दिल्ली-110043 ने अपने छोटे बेटे अनिल को उनके नियन्त्रण में ना होने, व उनके साथ अभद्र व्यवहार करने और लड़ाई-झगडा करने मारने पीटने के कारण उन्हें अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूँ, और उससे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहा हूँ। भविष्य में कोई व्यक्ति उपरोक्त अनिल के साथ किसी प्रकार का लेन-देन व व्यवहार रखता हैं तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

NAME CHANGE
I,Poonam Sriwastav W/O Vinay Srivastav R/O -2087/7 E, Gali No -20 , Near Yadav Sweets, Prem Nagar, Patel Nagar, PO: Patel Nagar, Dist, Central Delhi, Delhi-110008, have changed the name of my minor daughter namely Ridhi aged 07 years and she shall hereafter be known as Ridhi Srivastav

NAME CHANGE
It is for general information that I, Deepti Kamal D/O Amar Singh Rakra W/O Gaurav Sheoran R/O 4-A-217, 3rd floor Signature Global Park 4, Sector 36 Sohna Gurgaon Haryana 122103, declare that the name of my father has been wrongly written as Amar Singh in my Passport (M5332587). The actual name of my father is Amar Singh Rakra. which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as RAJNESH KUMAR NAUDIYAL alias RAJNESH NAUDIYAL S/O P. N. NAUDIYAL R/O 17B/401, VASUNDHARA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201012 have changed my name and shall hereafter be known as RAJNESH NAUDIYAL

NAME CHANGE
I, hitherto known as RAVJIT KAUR alias ENA SINGH D/o HARMINDER SINGH W/o JUJHAR SINGH residing at G-8, South Extn. II, Andrewsganj, S.O South Delhi, Delhi -110049 have changed my name and shall hereafter be known as ENA SINGH.

PUBLIC NOTICE
I PRINCE S/O KISHAN SINGH,R/O,C-326 Top Floor,Gali No.13 and 14,Bhajanpura,VTC:Garhi Mendu,PO:Bhajanpura ,District:North East Delhi,State:Delhi, PIN:110053, have changed the name of my minor daughter SEERAT KAUR, aged 04 years and she shall hereafter be known as AVLEEN KAUR.

NAME CHANGE
I, NARMADA Mother of No-15236792M Rank-NK Name-CHAPLE SATISH MAROTI Presently residing at VPO-BHISHNOOR, TEH-NARKHED, DIST-NAGPUR, MAHARASHTRA-441305, have changed my name from NARMADA to NARMADA CHAPALE for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as ANVITA RAJ D/O RAJESH SRIVASTAVA W/O DHRUV SAKSENA R/O 701, HIGHLAND APARTMENTS VASUNDHARA ENCLAVE DELHI-110096 have changed my name and shall hereafter be known as ANVITA SAKSENA.

NAME CHANGE
I, SANJAY GUPTA S/O RAMESH CHAND GUPTA R/O H -3/86, 3rd FLOOR, SECTOR-18, ROHINI, Rohini Sec – 11, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 have changed the name of my minor son ANSH GUPTA aged 11 year and he shall hereafter be known as RIHAAN GUPTA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as DANTANI RATILAL SURESHBHAI S/O DHARAM SINGH R/O H.No- B-1/85 Block, JJ Colony, Raghubir Nagar, Tagore Garden, Dist- West Delhi, Delhi- 110087, have changed my name and shall hereafter be known as SURESH.

NAME CHANGE
I, POOJA alias POOJA RANI D/O TILAK RAJ W/O SUMIT KUMAR BAJAJ R/O Flat No-F-1-1903, Gurgaon-21, Sector-83, Vatika India Next, Sikanderpur, Gurgaon, Haryana -122004, have changed my name and shall hereafter be known as POOJA.

PUBLIC NOTICE
My Client Smt. Reshma Devi W/o late Badan Singh R/o H.No. 31/32, Gali No.1, L-Block, Sani Bazar Road, Sangam Vihar, New Delhi-110062, have disowned and debarred his/her son Devender & her wife Babita in above said property due to their activities i.e. out of control from his/her all movable, immovable properties. I have no relation with them in future.
R.K. Sharma Advocate
Ch.No.244, Saket Court NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, JC-385780K Rank-SUB MAJ Name-RATHOD BALASAHEB MANOHAR residing at VILL-RAJE SHIVAJI NAGAR LATUR, PO-LATUR, TEHSIL & DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413512, have change my son's name from DEEPAK to RATHOD DEEPAK for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-385780K Rank-SUB MAJ Name-RATHOD BALASAHEB MANOHAR residing at VILL-RAJE SHIVAJI NAGAR LATUR, PO-LATUR, TEHSIL & DIST-LATUR, MAHARASHTRA-413512, have changed my father's name from MANOHAR to MANOHAR DEVIDAS RATHOD for all future purposes and in my service records my father's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1954 instead of his correct date of birth as 01/01/1948 vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, M SWETHA Wife of No. 16114378P Rank-HAV Name-B NARENDER REDDY Presently residing at 10-85, ANANTHAPUR, PO-YEDULA, DIST-MAHABUBNAGAR, TELANGANA-509206, have changed my name from M SWETHA to B SWETHA for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC AT LARGE IS INFORMED THAT MY CLIENT SHRI KANHAIYA LAL, AGED 82 YEARS S/O LATE MOOL CHAND, R/0 H.NO.E-107, NANHEY PARK, E-BLOCK, MATIALA, UTTAM NAGAR, D.K. MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059, HAS DISOWNED AND DEBARRED THEIR SONS NAMELY (1) LEKH RAJ AND HIS WIFE SMT. ARTI AND THEIR SONS NAMELY LALIT AND TARUN, (2) JAGDISH AND HIS WIFE BEENA AND THEIR SON NAMELY ROHIT AND THEIR DAUGHTER NAMELY SUMAN, (3) DALIP AND HIS WIFE SMT. SONA AND THEIR DAUGHTER NAMELY NANDINI, FROM ALL HIS MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES AND ALSO SEVERED ALL RELATIONS FROM THEM AS THEY ARE NOT UNDER THE CONTROL OF MY CLIENT. MY CLIENT IS NOT RESPONSIBLE FOR ANY ACT COMMITTED BY THEM. ANYONE DEALING WITH THEM MAY DO SO AT HIS/HER OWN RISK, COSTS AND CONSEQUENCES AND MY CLIENT SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THE SAME IN ANY MANNER.
Surendra Kr. Chaudhary Advocate
Ch. No.323, Lawyer's Chamber Black Dwarka Court, Sec-10, New Delhi-75

NAME CHANGE
I, SHANKAR Father of No-2626487A Rank-SEP Name-AKSHAY SHANKAR JAMADADE Presently residing at VPO-AINAPUR, TEH-ATHANI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591303, have changed my name from SHANKAR to SHANKAR LAXMAN JAMADADE for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I MD NASIR S/O MOHD IDRISH R/O 4056 GALI NO 16 AJIT NAGAR GANDHI NAGAR EAST DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO MOHD NASIR

NAME CHANGE
I, JC NYA 15219556P Rank-NB SUB Name-BASAVARAJ GURAVVAGOL Father of ADITYA BASAVARAJ GURAVVAGOL Presently residing at VILL-URABINAHATTI, PO-PACHHAPUR, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591122, have changed my minor son's name from ADITYA BASAVARAJ GURAVVAGOL to ADITYA GURAVVAGOL for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANANT Father of No-2608848L Rank-HAV Name-GAVADU PATIL residing at JIJAMATA GALLI, PRAMESHWAR NAGAR, YELLUR, BELGAUM, KARNATAKA-590009, have changed my name from ANANT to ANANT GOURAV PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, REKHA Mother of No-2608848L Rank-HAV Name-GAVADU PATIL residing at JIJAMATA GALLI, PRAMESHWAR NAGAR, YELLUR, BELGAUM, KARNATAKA-590009, have changed my name from REKHA to REKHA PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15179292N Rank-NK Name-RUDRAPPA MALLAPPA PANCHAINAVAR S/o MALLAPPA R/o VILL-DODWAD, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591104, have changed my minor son's name from LAXMI RUDRAPPA PANCHAINNAVAR to LAXMI RUDRAPPA PANCHAINAVAR for all future purposes vide Affidavit dated 17/03/2025 before Notary Public, Gurugram, Haryana.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Rajni Vashist & Ms. Mihika Bhatt are the owner of Freehold Residential Built-up Third Floor with roof rights area measuring 58.34 Sq. Yds. i.e. 48.78 Sq. Mtrs. Bearing Property No. I/5244 out of Khasra No.210 Situated at Village Sikdarpur in the Abadi of Gali No.8 Balbir Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi-110032. by virtue of Sale Deed dated 14.02.2025., vide Doc no. 2025/23/I/1114, Vol no. 5922 Page no. 73-88 SR-IV-A Delhi. In the chain documents below mentioned document not available i.e. SMC of Late Mr. Jagdish Rai Kaushik Alias Jagdish Rai Sharma had expired on 17.06.2003 & SMC of Late Mrs. Sudesh Kaushik W/o Late Mr. Jagdish Rai Sharma had expired on 22.11.2023 Our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mansi Saxena which is to be financed by Piramal Capital & Housing Finance Ltd. Branch- NSP, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I hitherto known as Chander Bhukhan S/O Gajraj Chaudhary, R/O A 119, Gautampuri, Phase 2, Badarpur, PO: Jaitpur, DIST: South Delhi, Delhi-110044, have changed my name and shall hereafter be known as Chandra Bhukhan.

NAME CHANGE
I, No 2608848L Rank- HAV Name-GAVADU PATIL residing at JIJAMATA GALLI, PRAMESHWAR NAGAR, YELLUR, BELGAUM, KARNATAKA-590009, have change my minor son's name from SHRIDHAR to SHRIDHAR GAVADU PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi

NAME CHANGE
I, No-2608848L Rank- HAV Name-GAVADU PATIL residing at JIJAMATA GALLI, PRAMESHWAR NAGAR, YELLUR, BELGAUM, KARNATAKA-590009, have change my minor daughter's name from SREEYA to SHREYA GAVADU PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, KAUSHLYA DEVI Mother of No. 14443035N, Rank-HAV, Name-CHARANJEET SINGH residing at VILL-SAIKALAN (FAGLA), PO-SAIKALAN (MOIL), TEHSIL-R S PURA, DIST-JAMMU, J&K-181131, have changed my name from KAUSHLYA DEVI to KOUSHLYA DEVI for all future purposes and in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1957 instead of my correct date of birth as 13/02/1960 vide Affidavit dated 25/02/2025 before Notary Public Delhi.

नाम परिवर्तन
मैं अभिषेक कुँवर, पुत्र JC-561309P सुबेदार मेजर कमलेश कुँवर, ग्राम- मधुबनी टोल, पोस्ट- परिहार पुर, जिला- मधुबनी राज्य-बिहार, पिन कोड - 847235, शपथ पत्र संख्या - 220/25 दिनांक-21-01-2025 से घोषणा करता हूँ कि मेरे पिता के सर्विस बुक में मेरा नाम गलती से अभिषेक कुमार दर्ज है जो गलत है । सही नाम अभिषेक कुँवर है, जो मान्य है।

NAME CHANGE
I VINEET SINGH CHOUDHARY S/O DHARAMVEER SINGH R/O 62, BLOCK-B, 3rd NEHRU NAGAR VTC: GHAZIABAD, P O: GHAZIABAD DISTRICT GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201001, have changed the name of my minor daughter TASHU CHOUDHARY aged 14 years and she shall hereafter be known as TASHVI CHOUDHARY.

NAME CHANGE
I, JAYASHREE Mother of No-2626487A Rank-SEP Name-AKSHAY SHANKAR JAMADADE Presently residing at VPO-AINAPUR, TEH-ATHANI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591303, have changed my name from JAYASHREE to JAYASHRI JAMADADE for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Ram Avtar Singh S/O Mavasi Permanent resident of. Kishanpura , VTC: Gormi , PO: Gormi , District: Bhind, Madhya Pradesh-477660, Presently resident at RZE-10 , Ground floor Old No.97-C KH.No. 83/20 Nihal Vihar,New Delhi Satsang Road Delhi -110041, have changed my name and shall hereafter be known as Ramotar Singh.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED DT. 04.06.2008 EXECUTED BY MR. MAHI PAL AND MR. CHARAN SINGH IN FAVOUR OF MRS. NISHA DEVI IN RESPECT OF RESIDENTIAL HOUSE BUILT PLOT OF LAND AREA MEASURING 100 SQ. YARDS (TOTAL BUILT-UP AREA MEASURING 234.1 SQ. METERS) OUT OF KHET NO. 445-MIN, SITUATED AT VILLAGE KULESRA, PARGANA-DADRI, TEHSIL & DISTRICT GAUTAM BUDH NAGAR, U.P., (DOC. NO. 6820, IN BOOK NO. 1, VOL. NO. 3401, ON PAGES 227-250, ON DT. 04.06.2008, SRO-GR. NOIDA), HAS BEEN LOST BY THE OWNER MR. YASHPAL AWANA AND THIS REGARD MR. YASHPAL AWANA HAD LODGED LOST REPORT VIDE LR NO. 20250000205140 DT. 24/03/2025 IN POLICE UNIT: POLICE COMPUTER CENTER, TECHNICAL SERVICES HQ, LUCKNOW. AND MR. PAPPU KUMAR GUPTA, S/O SATYANARAYAN PRASAD, R/O Z-82 NEAR KRISHNA MANDIR, KULESRA, GAUTAM BUDH NAGAR, U.P., IS GOING TO PURCHASE THE "RESIDENTIAL HOUSE BUILT PLOT OF LAND AREA MEASURING 100 SQ. YARDS (TOTAL BUILT-UP AREA MEASURING 234.1 SQ. METERS) OUT OF KHET NO. 445-MIN, SITUATED AT VILLAGE KULESRA, PARGANA-DADRI, TEHSIL & DISTRICT GAUTAM BUDH NAGAR, U.P.", FROM OWNER / SELLER MR. YASHPAL AWANA, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032. MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

PUBLIC NOTICE
This Notice is in respect to mistake made in property address while giving notice in newspaper publication done by Mr. Waseem Malik in newspaper "THE Sikh Times & The Qaumi Patrika" on 09.03.2025 in respect of the Flat No. B1, B2 (RHS & Middle Side) on Second Floor with roof rights area measuring 180 sq. yds. built on Property No. C-43 out of Khasra No. 1 Etc/39/1 situtaed at village Ghonda Chauhan Banger in the abadi of Gali No. 7 Main Road Brahampuri Illaqa Shahdara Delhi 110053. The correct property address is Flat No. B1, B2 (RHS & Middle Side) on Second Floor without roof rights.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048, Contact no.- 49774545

NAME CHANGE
I hitherto known as BHAGWATI DEVI alias BHAWNA D/o SHIROMANI PATHAK, and W/o HARISH CHANDRA JOSHI, R/o G-51-A, Nangloi Najafgarh Road, G-Block, Jai Vihar, Baprola, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043, have changed my name and shall hereafter be known as BHAWNA, for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MIYANSHU KUMAR S/O VIRENDER KUMAR R/O H.NO-A-305, PRADHAN ENCLAVE, BURARI, NORTH DELHI, DELHI-110084 declare that name of father has been wrongly written as VIRENDRA KUMAR in 10th class educational documents. The actual name of father is VIRENDER KUMAR which may be amended accordingly.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल पुत्र श्री रवि निवासी ए-ब्लॉक, उत्तरांचल विहार सोसायटी, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 128/21, U/S 356/379/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना शाहदरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल,** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 128/21, U/S 356/379/411/34 IPC, अन्तर्गत थाना शाहदरा, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री स्वाति शर्मा
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कमरा नंबर 59, तीसरी मंजिल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3407/SHD/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जावेद उर्फ चुनिया, पुत्रः चाहो, पताः सद्दान का मकान, मक्का मस्जिद के पास, कासिम विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **E-FIR No. 22013/22, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **जावेद उर्फ चुनिया** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **जावेद उर्फ चुनिया** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 22013/22, U/s 379/411 IPC, पुलिस थाना भजनपुरा, दिल्ली** के अभियुक्त **जावेद उर्फ चुनिया** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.04.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01
उत्तर-पूर्वी जिला, कमरा नं. 73
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3581/NE/2025

तावडू में कबाडे के गोदाम में लगी आग, 3 फायर बिग्रेड की गाड़ियों से पाया आग पर काबू

तावडू। उपमंडल के गांव खोरी कलां में मुख्य मार्ग पर एक कबाडा गोदाम में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए फायर बिग्रेड की 2 गाड़ियां तावडू से व एक गाडी भिवाडी से आई। फायर कर्मियों की भारी मशक्कत पर आग पर काबू पाया गया। फायर कर्मी सुखबीर, मंजीत, शमशुदीन ने संयुक्त रूप में बताया कि सोमवार प्रातः सूचना मिली कि गांव खोरी कलां में जुनेद कबाडी के कबाडा गोदाम में आग लग गई। जिस पर फायर बिग्रेड की गाडी वहां पहुंची, आग अधिक होने पर दूसरी गाड़ी मंगवाई गई। लेकिन दोनों गाडियों से भी आग पर काबू न पाकर देख फायर बिग्रेड की तीसरी गाडी आई। तब जाकर आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक गोदाम के काफी नुकसान हो चुका था।

मनुष्य की पहचान उसके कर्मों से होती है: पंडित नंद किशोर

तावडू। मनुष्य की पहचान उसके कर्मों से होती है। इसलिए मनुष्य को अच्छे और समाजिक कार्य करने चाहिए। गरीब बेसहाए लोगों की मदद करने से बडा कोई धार्मिक कार्य नहीं है। यह शब्द शहर के वार्ड नंबर 14 में स्थित श्रीसाई धाम मंदिर के पुजारी पंडित नंद किशोर ने रखे। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो हर कोई जीता है, लेकिन दूसरे के दुख को अपना समझकर कार्य करने वाला ही इंसान कहलाने योग्य है। भगवान ने एक मनुष्य जीव को ही ऐसा बनाया है जो दूसरों की मदद कर सकता है। गरीब बहाए लोगों की मदद करने पर मनुष्य को आत्म शांति की प्राप्ती होती है। आज के आधुनिक युग में समाज सेवा के कार्य में महिलाए काफी बढ चढकर भाग ले रही है। जो बधाई की पात्र है। हर एक मनुष्य को अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय सामाजिक कार्यो के लिए निकालना चाहिए। समाज से बुराईयों को दूर करने के लिए हर एक व्यक्ति को आगे आना चाहिए। एक जुट होकर ही हम समाज से बुराईयां मिटाने का काम कर सकते है। सभी को चाहिए की वह अपने आपसी मत भेदों को भुलकार मिल जुलकर रहे।

विधायक मामन खान ने फिरोजपुर झिरका अनाज मंडी का दौरा कर लिया जायजा, किसानों से की बातचीत

नूंह। फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस के विधायक मामन खान इंजीनियर ने सोमवार को फिरोजपुर झिरका अनाज मंडी का दौरा कर अनाज मंडी की सुविधाओं का जायजा लिया। इतना ही नहीं आढ़तियों द्वारा किसानों की खरीदी जा रही सरकारी रेट पर सरसों की फसल का भी निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक मामन खान इंजीनियर ने किसानों व आढ़तियों से मुलाकात कर खरीद एजेंसी को निर्देश दिए कि वह सरसों की खरीद में तेजी लाएं और खरीदी गई सरसों की फसल को जल्द से जल्द उठाने की व्यवस्था करें। उन्होंने किसानों की आ रही समस्याओं पर आढ़तियों और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों की फसल में नमी का बहाना बनाकर किसानों की फसल में कट न लगाया जाए। जिससे किसानों को काफी नुकसान होता है। इतना ही नहीं विधायक मामन खान इंजीनियर ने अनाज मंडी का चारों ओर दौरा किया ,जहां पर उन्होंने मंडी में साफ सफाई पीने के पानी की व्यवस्था, बिजली व आने वाले किसानों को बैठने की व्यवस्था का भी जायज लिया। उन्होंने मार्केट कमेटी के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचते समय किसी तरह की परेशानी ना हो। इसके लिए सुनिश्चित इंतजाम किए जाएं।?ताकि किसानों को अपनी फसल बेचते हुए कोई समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि फिरोजपुर झिरका में सरकारी रेट पर सरसों की फसल की खरीद शुरू है। इस दौरान विधायक मामन खान इंजीनियर ने अनाज मंडी पहुंच, अपनी सरसों की फसल बेचने आए किसानों से भी उनका हाल-चाल जाना और उनसे बातचीत की।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ हिंदू महासभा ने खोला मोर्चा

गुरुग्राम। अखिल भारत हिंदू महासभा हरियाणा प्रदेश की ओर से गुरुग्राम समेत पूरे हरियाणा में अवैध तरीके से घुसपैठ कर रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ गुरुग्राम डीसी के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में गुरुग्राम से इन अवैध घुसपैठियों को हरियाणा प्रदेश से अविलंब बाहर निकालने की मांग की गई। अखिल भारत हिंदू महासभा हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष सतीश रावत ने बताया है कि इन घुसपैठियों ने फर्जी आधार कार्ड भी बनवा रखे हैं। उन्होंने दिल्ली की तर्ज पर पूरे हरियाणा में इन रोहिंग्या मुसलमानों और बांग्लादेशियों को चिन्हित कर बाहर निकालने की मांग की है। यह ज्ञापन अखिल भारत हिंदू महासभा हरियाणा प्रदेश के अध्यक्ष सतीश रावत के नेतृत्व में सौंपी गई। इस मौके पर अखिल भारत हिंदू महासभा हरियाणा प्रदेश के उपाध्यक्ष राज कुमार, राकेश रावत, प्रदेश महासचिव जितेंद्र मित्तल, योगाचार्य योगेन्द्र ब्रह्मचारी, फरीदाबाद जिला अध्यक्ष कृष भड़ाना, रेवाड़ी जिला अध्यक्ष दिलबाग यादव आदि मौजूद थे।

एजेंसियों ने गेहूं खरीद का 75 लाख मीट्रिक टन रखा लक्ष्य: सीएम सैनी

- मंडियों में खाली स्थानों में बड़े शैडों का होगा निर्माण
- तुलाई के बाद गेहूं को इन शैडों में रखा जाएगा
- मंडियों में बारदाने की न रहने दी जाए कमी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए गेंहू, सरसों, जौ, चना, मसूर व सूरजमुखी की खरीद करने वाली सभी चारों खरीद एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय रहते सभी आवश्यक प्रबंध पूरे कर लें, ताकि किसानों को मंडियों में फसले बेचने में दिक्कत न आए। इस बार गेहूं की बंपर पैदावार होने का अनुमान है। इसलिए मंडियों में गेहूं खरीद के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री ने मार्केटिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर मंडियो में खाली पड़े स्थानों पर बड़े शैडों का निर्माण किया जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रबी खरीद विपणन सीजन 2025-26 की तैयारियों को लेकर चंडीगढ़ सेक्टर-3 स्थित हरियाणा निवास में बुलाई गई समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री को इस बात से अवगत करवाया कि रबी की फसलों की खाद्य, आपूर्ति नागरिक उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा 30 प्रतिशत, हैफेड द्वारा 40 प्रतिशत, हरियाणा राज्य भंडारण निगम द्वारा 20 प्रतिशत तथा भारतीय खाद्य निगम द्वारा 10 प्रतिशत की खरीद की जानी है। इस बार एजेंसियों ने गेहूं खरीद का लक्ष्य 75 लाख मीट्रिक टन रखा है। सरसों की खरीद 15 मार्च से और मसूर की खरीद 20 मार्च से आरंभ हो चुकी है। यह खरीद एक मई तक चलेगी। इसी प्रकार से गेहूं, जौ और चने की खरीद भी एक अप्रैल से आरंभ की जाएगी जबकि सूरजमुखी की खरीद 1 जून से आरंभ होगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पायलट प्रोजेक्ट के आधार पर रबी फसलों की खरीद अवधि को 15 से 20 दिन जारी रखने का कार्यक्रम बनाया जाए, ताकि किसानों को फसल बेचने में असुविधा न हो। बैठक में जानकारी दी गई कि वित्त विभाग/भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रबी खरीद विपणन सीजन 2025-26 के लिए 6653.44 करोड़ रुपये की कैश क्रैडिट लिमिट पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है।

इसके अलावा बैंकर्स को भी ध्यान रखना होगा कि मंडियों से निकासी गेट पास जारी होने के 48 से 72 घटों में किसानों के खाते में सीधा भुगतान करने की सरकार की प्रतिबद्धता को कायम रखा जाए। बैठक में बताया कि हरियाणा देश में गेहूं उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और लगभग 25 प्रतिशत गेहूं केंद्रीय पुल में हरियाणा देता है।

हर घर-हर गृहिणी योजना के लिए पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य : उत्तम सिंह

पात्र परिवार की महिला को 500 रुपये में मिलेगा गैस सिलेंडर

एजेंसी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत हर घर-हर गृहिणी योजना को लागू किया गया है। इस योजना के तहत अंत्योदय परिवारों को गैस सिलेंडर पर सब्सिडी देने का प्रावधान है। योजना का उद्देश्य प्रत्येक गृहणी को लकड़ी व कोयले आदि के चूल्हे से छुटकारा दिलाना तथा वातावरण को प्रदूषण से मुक्त बनाना भी है। योजना का प्रचार-प्रसार के क्रियान्वयन बारे खाद्य आपूर्ति विभाग को जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा अंत्योदय परिवारों को गैस सिलेंडर पर सब्सिडी दी जाएगी। सब्सिडी के लिए जिला के प्रत्येक गांव में डिपो होल्डर व गैस एजेंसियों आदि के माध्यम से जागरूक अभियान चलाया जा रहा है। विभाग द्वारा सीएससी सेंटर के माध्यम से गृहणियों के आवेदन करवाए जा रहे हैं ताकि इस योजना का लाभ ले सकें। उन्होंने बताया कि सब्सिडी 320 रुपए सभी पात्र परिवार की सबसे बड़ी महिला के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी और पात्र महिला को 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा, महिला का बैंक खाता होना चाहिए। पात्र महिला को एक साल में 12 गैस सिलेंडर सब्सिडी पर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए फैमिली आईडी यानी हरियाणा परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय 1.80 लाख से कम होनी चाहिए। बीपीएल राशन कार्ड, गुलाबी राशन, एएनाई कार्ड के सभी अंत्योदय परिवारों को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए पात्र परिवार इपीडीएस डॉटहरियाणाफुडडॉटजीओवीडॉटइन पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने पंजीकरण की प्रगति रिपोर्ट रोजाना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं और कहा कि पंजीकरण के कार्य में अगर कोई कोताही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा हर घर-हर गृहणी राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत बीपीएल व एएवाई परिवारों को गैस सिलेंडर सब्सिडी हेतु पंजीकरण करवाया जा रहा है।

एक-एक पात्र परिवार का किया जाएगा पंजीकरण

उपायुक्त ने बताया कि हर घर-हर गृहणी योजना को लेकर राज्य सरकार द्वारा इपीडीएस डॉटहरियाणाफुडडॉटजीओवीडॉटइन पोर्टल लॉन्च किया गया है ताकि एक-एक पात्र परिवार को इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि गांव व वार्ड स्तर पर रोजाना कैंप लगाकर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। इस कार्य में ग्राम पंचायत आगे आकर अधिक से अधिक बीपीएल तथा एएवाई परिवारों का पंजीकरण करवाएं।

ग्राम पंचायत गुवानी ने गांव में अवैध नशे पर पाबंदी लगाई

नारनौल। सिहमा खंड के गांव गुवानी की पंचायत ने नशा मुक्ति की ओर कदम बढ़ाते हुए बैठक कर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जिसमें गांव में अवैध प्रकार के नशे पर पाबंदी लगाई गई है। इस बैठक में मुख्य रूप से नारनौल सदर इंचार्ज धर्मवीर सिंह पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को बताया कि यदि गांव का कोई भी व्यक्ति नशा बेचता या नशा करता हुआ पकड़ा गया। पुलिस उस पर कार्रवाई करेगी। जीवन में किसी लक्ष्य को प्राप्त करना है तो हमें नशे से दूर रहना होगा। नशे से दूर रहेंगे तो जीवन में हर वह लक्ष्य पा सकते हैं जिसकी हम कल्पना करते हैं। नशा एक ऐसी चीज है जो हमारे सपनों को तो खत्म करता ही है साथ ही साथ हमें अंदर से खोखला भी बनाता है।

आज का युवा अपने मकसद और अपने सपनों से सिर्फ इसलिए भटक रहा है क्योंकि वह नशे की गिरफ्त में जा रहा है।

विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता का ध्यान रखें सभी अधिकारी: एसडीएम

● एसडीएम डॉ. नैन ने बीडीपीओ कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

एजेंसी

तोशाम। एसडीएम डॉ अशवीर नैन ने आज सोमवार को बीडीपीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम डॉ. नैन ने महिला एवं बाल विकास और सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी द्वारा विकास कार्यों के लिए जारी सवा दो करोड़ की राशि से जुड़े विकास कार्यों को शुरू कर त्वरित पूरा किए जाने के अधिकारीयों को निर्देश दिए। एसडीएम डॉ. अशवीर नैन ने कहा कि विकास कार्यों के लिए दी गई धनराशि का सदुपयोग हो और अधिकारी विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता का ध्यान रखें। एसडीएम डॉ.अशवीर नैन ने बीडीपीओ कार्यालय पहुंच कर सर्वप्रथम हाजिरी रजिस्टर चेक करते हुए उपस्थित कर्मचारियों व अवकाश पर रहे कर्मचारियों की स्थिति जानी। ततपश्चात उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से गांवों में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी ली। एसडीएम डॉ. नैन ने बताया कि महिला एवं बाल विकास और सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी द्वारा हाल ही में खंड तोशाम व कैरू के लिए करीबन सवा दो करोड़ की राशि जारी की गई है। एसडीएम ने उक्त राशि से जुड़े विकास कार्यों को अतिशीघ्र शुरू करवाकर पूरा किए जाने के निर्देश दिए। एसडीएम डॉ. नैन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता का ध्यान रखें। गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए निर्माण सामग्री का उपयोग करने पर ही विकास कार्य का जनता को लाभ मिल पाएगा। उन्होंने कहा कि विकास के कार्य जनता की दहलीज और दरवाजे तक पहुंचने चाहिएं। ऐसा करने से संबंधित को तो फायदा होगा ही साथ ही सरकार की कल्याणकारी योजनाएं, परियोजनाएं और नीतियां भी सही मायने में फलीभूत हो सकेंगी। एसडीएम ने इस दौरान कर्मचारियों को कार्यालय में सफाई रखने और समय पर लोगों के काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों से विभागीय कार्य के बारे में जाना और समय पर अपना कार्य और रिकॉर्ड पूरा करने के लिए कहा। एसडीएम ने कर्मचारियों से कहा कि कार्यालय में लोगों को कोई समस्या का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर बीडीपीओ कार्यालय के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध रूप से पनप रही कॉलोनी पर चला डीटीपी का पीला पंजा

एजेंसी

करनाल। जिला नगर योजनाकार सतीश कुमार ने बताया कि करनाल शहरी क्षेत्र में गिरड़े पीर के पीछे लगभग 3 एकड़ में शर्मा राइस मिल में काटी जा रही एक अवैध कॉलोनी के विरुद्ध तोड़फोड़ की कार्यवाही की गई, जिसमें आठ मकान, दो निर्माणाधीन मकान, सभी पक्की सड़कों, चार डीपीसी, सीवर नेटवर्क व बिजली के खंभों को ध्वस्त किया गया है। इसके अतिरिक्त चार मकानों को सील भी किया गया है। कार्यवाही के दौरान जिला नगर योजनाकार व कार्यालय की टीम मौके पर उपस्थित रही। इसके अतिरिक्त जिला नगर योजनाकार ने लोगो से अपील की कि कोई व्यक्ति अवैध कॉलोनी में कोई निर्माण नहीं करें अन्यथा कार्यालय द्वारा तोड़फोड़ की कार्यवाही मध्यनजर रखते हुए अवैध निर्माणो के विरूद्ध कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। इसके अतिरिक्त थाना सदर करनाल की पुलिस फोर्स व ड्यूटी मजिस्ट्रेट, करनाल के नायब तहसीलदार मौके पर उपस्थित रहे। जिला नगर योजनाकार ने कहा कि करनाल जिले में अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माणों के विरुद्ध किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी व तोड़फोड़ की कार्यवाही जारी रहेगी तथा दोषियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करवाये जायेंगे।

पानीपत से जींद तक सड़क के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 184 करोड़ रुपये की दी प्रशासनिक स्वीकृति: कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार के अथक प्रयासों से जिला पानीपत में अनेकों विकास के कार्य प्रगति पर है। इसी कड़ी में उन्होंने पानीपत से जींद तक सड़क बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग से स्वीकृति दिलवाने में विशेष प्रयास किए। इन सड़कों के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने 184 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की है। इन कार्यों के निर्माण के लिए शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया पूरी हो जाएगी

विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि पानीपत से जींद तक सडक का निर्माण किया जाएगा। जिसमें पानीपत से दरियापुर मोड तक फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। यह फोरलेन सड़क जिला पानीपत का हिस्सा रहेगी और इस फोरलेन को बनाने में 92 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है इसी प्रकार, श्री पंवार ने बताया कि दरियापुर मोड से लेकर जींद तक 10 मीटर की सड़क बनाई जाएगी और यह रोड जिला जींद का हिस्सा रहेगी।

इस रोड को बनाने में 92 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बिजली के खंभे शिफ्ट करने और फॉरेस्ट विभाग को 25.26 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। पंचायत मंत्री ने बताया कि यह सड़क जिस- जिस गांव को कवर करेगी उन सभी गांवों में आवश्यकतानुसार पानी की निकासी के लिए ड्रेन बनाने का भी प्रावधान किया जाएगा।

किसान, मजदूर और छोटे व्यापारियों को बार बार नजरअंदाज कर रही है भाजपा सरकार : अभय सिंह चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव चौ. अभय सिंह चौटाला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए टैक्स पर ओटीएस (एकमुश्त निपटान)की घोषणा की है जिसके अर्तगत बकाया टैक्स पर ब्याज और पेनल्टी माफ की जाएगी। इसी साल जनवरी में भी मुख्यमंत्री ने बड़े व्यापारियों के ढाई हजार करोड़ रूपए माफ किए थे। बीजेपी सरकार बड़े उद्योगपतियों के टैक्स और कर्ज माफी के लिए तो हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन किसान, मजदूर और छोटे व्यापारियों को बार बार नजरअंदाज कर रही है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी जब बात किसान, मजदूर और छोटे व्यापारियों के हितों की आती है तो सरकार वित्तीय स्थिति खराब होने के बहाने बनाती है। लेकिन जब बड़े उद्योगपतियों के कर्जे माफ करने होते हैं तो खजाने खोल देती है। हर साल ओलावृष्टि और बाढ़ के कारण किसानों की फसल बर्बाद होती है। ओलावृष्टि से खराब हुई किसानों की फसलों का सरकार ने आज तक मुआवजा नहीं दिया है। मंडियों में किसान आज भी अपनी फसल को एमएसपी से कम पर

बेचने को मजबूर है। इसके अलावा सरकारी संरक्षण में किसानों को महंगी खाद, नकली बीज और दवाइयां धड़ल्ले से बेची जा रही हैं। जिसके कारण किसान आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हो गया है और कर्ज चुकाने के हालात में नहीं है। आज प्रदेश में लाखों लघु उद्योग ऐसे हैं जो सरकार की गलत नीतियों के कारण बंद पड़े हैं और भारी कर्जे के नीचे दबे हुए हैं इनकी भी पूरी तरह से अनदेखी की जा रही है।

पंचायती राज उप-चुनाव 2025: मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया शुरू : डीडीपीओ

एजेंसी

जींद। जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी संदीप भारद्वाज ने बताया कि जिले में पंचायती राज संस्थाओं के उप-चुनाव 2025 के लिए मतदाता सूची को संशोधित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत इस प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ पूरा किया जाएगा, ताकि हर एक योग्य नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। डीडीपीओ भारद्वाज ने बताया कि जिले की ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों में जो पद खाली हैं, उन्हें भरने के लिए उप-चुनाव करवाए जाएंगे। इसके लिए मतदाता सूची को सही और अपडेट करना बहुत जरूरी है, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न छूटे और गलत नाम हटाए जा सकें। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया के तहत हर पंचायत की मतदाता सूची को वार्ड के अनुसार संशोधित किया जाएगा। नागरिक अपने नाम की पुष्टि कर सकते हैं, अगर कोई गलती है तो उसे सही करवा सकते हैं। नए नाम जोड़े जा सकते हैं और गलत या मृत व्यक्तियों के नाम हटवाए जा सकते हैं। डीडीपीओ ने बताया कि यह प्रक्रिया 25 मार्च से शुरू होकर 5 अप्रैल तक चलेगी। इस दौरान वार्डवार प्रारंभिक सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद 11 अप्रैल को संशोधित सूची जारी की जाएगी, ताकि नागरिक अपने नाम और जानकारी की जांच कर सकें। अगर किसी का नाम सूची से छूट गया है, नाम गलत है, पता गलत है या किसी अन्य तरह की गलती है, तो वे 18 अप्रैल तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करवा सकते हैं। डीडीपीओ ने आगे बताया कि 22 अप्रैल तक जिला निर्वाचन अधिकारी सभी दावों और आपत्तियों का निपटारा करेंगे। अगर किसी नागरिक को उनके फैसले से असहमति होती है, तो वह 25 अप्रैल तक उपायुक्त के पास अपील कर सकता है। उपायुक्त 6 मई तक सभी अपीलों का निपटारा कर देंगे। आखिर में 13 मई को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी, जो उप-चुनावों के लिए मान्य मानी जाएगी। प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस प्रक्रिया में भाग लें। अगर किसी का नाम सूची में नहीं है, या जानकारी गलत है, तो वे समय पर आवेदन जरूर करें।

कई गांवों में पंच पदों और पंचायत समिति के सदस्यों के पदो पर होगें चुनाव

डीडीपीओ ने बताया कि इस बार जिले के कई गांवों में पंच पदों और पंचायत समिति के सदस्य पदों के लिए चुनाव होंगे। ग्राम पंचायतों के पंच पदों में गांव अहिरका, भाबलपुर, भैरो कलां, बोहतवाला, दरियावाला, ढांडा खेरी, घिमाना, जजवान, शिंदवी खेड़ा और सांगतपुरा शामिल हैं। इन पदों के लिए विभिन्न श्रेणियों जैसे महिला, महिला के अलावा, बैकवर्ड क्लास ए और अनुसूचित जाति के तहत आरक्षण निर्धारित किया गया है। पंचायत समिति सदस्य के लिए वार्ड 17 को महिला श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है।

सेढ माता के मेले मे कुश्ती दंगल देखने उमड़ा जनसैला

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र से सटे गांव शिवदानसिंहपुरा बंथला निर्झर स्थित सेढ माता मंदिर परिसर मे विशाल मेले, भंडारे और कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में मत्था टेक कर कामना की और मेले मे लगी दुकानों पर खरीदारी की। मुख्य निर्णय रणवीर सिंह यादव और संचालनकर्ता कृष्ण कुमार अध्यापक ने बताया कि कुश्ती दंगल में हिंद केसरी, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली केसरी पहलवानों ने दमखम दिखाया। कामडे की कुश्ती के 71 हजार रुपये मेले मे 51 हजार रुपये, मेले में 1 लाख 21 हजार रुपये दिए गए। खेल-कूद प्रतियोगिता की विजेता टीमों की ईनाम राशि युवा भामाशाह ओमपाल दिल्ली पुलिस ने पुरस्कृत किया।

NAME CHANGE
It is for general information that I, LOKESH KADYAN S/O RAMESH KUMAR R/O 466/6, GALI NO.-2, ASHOK VIHAR, SONIPAT, SONIPAT, HARYANA-131001 declare that name of mine has been wrongly written as LOKESH in my all Educational Documents. The actual name of mine is LOKESH KADYAN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHIT KUMAR S/o NARESH Residing at Kaluana, PO: Kaluana, Dist: Sirsa, Haryana - 125103 declare that the name of mine, my Father and my Mother have been wrongly written as MOHIT, NARESH KUMAR and VINOD RANI in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my Father and my Mother are MOHIT KUMAR, NARESH and VINOD respectively, which may be amended accordingly.

बिहार का इतिहास, संस्कृति और परंपराएँ गौरवशाली हैं : डा. सुनील कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। बिहार दिवस के उपलक्ष्य में सायं भाजपा कार्यालय गुरु कमल में स्नेह मिलन समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में बिहार की संस्कृति, संस्कार और समृद्ध धरोहर की झलक देखने को मिली। इस मौके पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री बिहार सरकार डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि बिहार का इतिहास, संस्कृति और परंपराएँ गौरवशाली हैं। बिहार की विविधता में समाहित एकता इसकी आत्मीयता और मेहनतकश लोगों का योगदान पूरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने बिहार के सभी नागरिकों को बिहार दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। इस मौके पर बिहार भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक, गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक कमल यादव, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियादर्शी, गुरुग्राम महानगर जिला अध्यक्ष अजीत यादव, जिला महामंत्री रामबीर भाटी, हरविन्द कोहली, राघवेंद्र सिंह, पवन यादव मानेसर, जिला मीडिया प्रभारी पवन यादव समेत अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कैबिनेट मंत्री बिहार सरकार डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की पहल का हिस्सा है कि आज देश भर में बिहार दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों में रहने वाले विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच सक्रिय रूप से संपर्क बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि कहा कि बिहार की गौरवशाली इतिहास और उसके उपलब्धियों को अगर आगे बढ़ाने का किसी ने काम किया है तो वो प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक गौरवशाली बिहार के साथ वैभवशाली बिहार बनाने की ओर

एपीडा ने सिक्किम से सोलोमन द्वीप तक जीआई-टैग वाली डैले मिर्च के निर्यात को सुगम बनाया

इंदौर।

नई दिल्ली। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने सिक्किम से सोलोमन द्वीप तक जीआई-टैग वाली डैले मिर्च की पहली खेप का सफलतापूर्वक निर्यात किया है। जीआई-टैग वाली 15,000 किलोग्राम डैले मिर्च के निर्यात से सिक्किम में किसानों की आय में वृद्धि हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सिक्किम से सोलोमन द्वीप तक जीआई-टैग वाली डैले मिर्च की पहली खेप का एपीडा ने सफलतापूर्वक निर्यात किया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि वैश्विक जैविक कृषि बाजार में भारत की बढ़ती प्रमुखता को चिह्नित करती है और पूर्वोत्तर क्षेत्र से प्रीमियम उत्पादों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को उजागर करती है। खरीद के संदर्भ में अपने व्यापक नेटवर्क के जरिए दक्षिण सिक्किम के किसानों और किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) से लगभग 15,000 किलोग्राम ताजा डैले मिर्च प्राप्त की, जिसमें टिंकिटम और तारकू क्षेत्र शामिल हैं। इस खेप ने सुनिश्चित किया कि किसानों को सामान्य 180-200 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 250-300 रुपये प्रति किलोग्राम का प्रीमियम मूल्य मिले, जिससे जीआई टैगिंग और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के आर्थिक लाभों की पुष्टि हुई।

शेयर बाजार में तेजी का दौर, लगातार छठे दिन मजबूती के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार लगातार छठे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज की तेजी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक पिछले 7 सप्ताह के ऊपरी स्तर पर पहुंच कर बंद हुए। एनएसई का निफ्टी 6 फरवरी के बाद पहली बार 23,600 अंक के स्तर के ऊपर बंद हुआ। इसी तरह सेंसेक्स आज दिन के कारोबार के दौरान 78,000 अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.40 प्रतिशत और निफ्टी 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दिन के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, आईटी, ऑयल एंड गैस, ऑटोमोबाइल, टेक, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.17 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

चार वर्षों में 90 लाख से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए, सरकार को मिले 9,118 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वालों ने पिछले चार वर्षों में 90 लाख से अधिक अपडेटेड आईटीआर-यू दाखिल किए गए। इससे सरकार को 9,118 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 28 फरवरी तक 4.64 लाख अपडेटेड आईटीआर दाखिल किए गए और 431.20 करोड़ रुपये के टैक्स का भुगतान किया गया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 2022 में करदाताओं के लिए संबंधित मूल्यांकन वर्ष से दो साल तक अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल करने का विकल्प पेश किया था, जिसके तहत अतिरिक्त आयकर का भुगतान करना होता है। पंकज चौधरी ने सदन को बताया कि पिछले चार वर्षों में 90 लाख से अधिक अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं, जिससे सरकार के खजाने में 9,118 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

अमेरिका के वरिष्ठ व्यापार अधिकारी 25 मार्च से भारत दौरे पर, अहम मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर महत्त्वपूर्ण बातचीत के लिए अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में अधिकारियों का एक दल मंगलवार को पांच दिवसीय दौरे पर भारत आयेगा। यात्रा के दौरान वह भारतीय वार्ताकारों के साथ दोनों देशों के बीच व्यापार और सीमा शुल्क से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे। अमेरिकी दूतावास की ओर से एक वक्तव्य जारी कर इसकी जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच अमेरिकी सरकार के अधिकारियों की एक टीम के साथ द्विपक्षीय व्यापार चर्चाओं के हिस्से के रूप में भारतीय वार्ताकारों के साथ बैठकों के लिए 25-29 मार्च को भारत में होंगे। वक्तव्य के अनुसार यह यात्रा भारत के साथ एक उत्पादक और संतुलित व्यापार संबंध को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम व्यापार और निवेश के मामलों पर भारत सरकार के साथ अपनी वार्ता को महत्व देते हैं। अमेरिका इन चर्चाओं को रचनात्मक, न्यायसंगत और आगे बढ़ने का माध्यम मानता है। ब्रेंडन लिंच की यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर जवाबी सीमा शुल्क लगाने की घोषणा के बीच हो रही है।

भारत और सिंगापुर ने 'ग्रीन एंड डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर' के लिए हाथ मिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सिंगापुर ने मंगलवार को ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए हाथ मिलाया है। इसके लिए दोंनों देश ने एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए, जिसमें डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सिंगापुर और भारत ने समुद्री डिजिटलीकरण और डीकार्बोनाइजेशन पर सहयोग करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस एलओआई पर सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी तेओ इंग दीह और भारत के बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्लू) के संयुक्त सचिव आर. लक्ष्मणन ने हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर सिंगापुर के

परिवहन मंत्रालय और पर्यावरण मंत्रालय के वरिष्ठ राज्यमंत्री डॉ. एमी खोर और भारत के बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद रहे।सिंगापुर के समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण और बंदरगाह, पोत परिवहन मंत्रालय के संयुक्त बयान के अनुसार सिंगापुर-भारत जीडीएससी से दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ेगा तथा शून्य या लगभग शून्य जीएचजी उत्सर्जन प्रौद्योगिकियों के विकास, इस्तेमाल तथा डिजिटल समाधानों को अपनाने में तेजी लाने में मदद मिलेगी। आशय पत्र के तहत दोनों पक्ष समुद्री डिजिटलीकरण और कार्बन मुक्त परियोजनाओं पर सहयोग करेंगे। इसमें उन प्रासंगिक हितधारकों की पहचान करना शामिल है, जो इस प्रयास में योगदान दे सकते हैं। इसके साथ ही सिंगापुर-भारत जीडीएससी पर समझौता ज्ञापन के जरिए साझेदारी को औपचारिक रूप देने की दिशा में काम करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि समुद्री क्षेत्र के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ उनकी सिंगापुर यात्रा से दीर्घकालिक संबंध मजबूत होंगे। व्यापक रणनीतिक साझेदारी दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा और व्यापक बनाएगी। सोनेवाल सिंगापुर में 24 से 28 मार्च, 2025 तक आयोजित समुद्री सप्ताह हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें दुनियाभर से 20 हजार प्रतिनिधियों और प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि सर्बानंद सोनोवाल सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

जनवरी महीने में ईएसआईसी से जुड़े 18.19 लाख नए सदस्य

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने जनवरी महीने में कुल 18.19 लाख नए कर्मचारियों को ईएसआई योजना के तहत जोड़ा है। जो सालाना आधार पर 2.34 फीसदी की वृद्धि है। वहीं, दिसंबर 2024 में 17.01 लाख नए सदस्य जोड़े गए थे। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि जनवरी महीने में जुड़े नए सदस्यों में 8.67 लाख यानी 47.66 फीसदी 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के कर्मचारी हैं, जो दिखाता है कि देश में नौकरियों के अवसर बढ़ रहे हैं और अर्थव्यवस्था की स्थिति अच्छी बनी हुई है। पेरोल आंकड़ों का लिंगवार विश्लेषण से पता चलता है कि जनवरी महीने में 3.65 लाख महिला सदस्यों का पंजीकरण हुआ है, जबकि इस दौरान 85 ट्रांसजेंडर सदस्यों ने ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया है। यह समाज के हर वर्ग को अपने लाभ पहुंचाने के लिए ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है। मंत्रालय के मुताबिक जनवरी, 2025 के दौरान 27,805 नए संस्थाओं को ईएसआईसी की योजना के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। आज की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 89,610 रुपये से लेकर 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 82,140 रुपये से लेकर 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ। ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम

दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 89,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 89,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 82,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सेबी निदेशक मंडल के सदस्यों के हितों के टकराव पर उच्चस्तरीय समिति करेगा गठित

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निदेशक मंडल के सदस्यों और अधिकारियों के हितों के टकराव, संपत्ति, निवेश और देनदारियों से संबंधित खुलासे की व्यापक समीक्षा करने के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का फैसला किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के नवनियुक्त चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने निदेशक मंडल की यहां हुई बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी मीडिया को दी। पांडेय ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सेबी मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित कर्मचारियों के हितों के टकराव की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करेगा। तुहिन कांत पांडेय ने कहा, ''उच्चस्तरीय समिति का उद्देश्य हितों के टकराव, खुलासे और संबंधित मामलों के प्रबंधन के लिए मौजूदा ढांचे को बेहतर बनाने के लिए व्यापक समीक्षा करना और सिफारिशें करना भी है, ताकि निदेशक मंडल के सदस्यों और अधिकारियों के पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण के उच्च मानक सुनिश्चित

किए जा सकें।'' उन्होंने बताया कि उच्चस्तरीय समिति को गठन की तारीख से तीन माह के भीतर अपनी सिफारिशें पेश करनी होंगी। इस रिपोर्ट को विचार के लिए सेबी के निदेशक मंडल के समक्ष रखा जाएगा। इस समिति में संवैधानिक या वैधानिक या नियामकीय निकायों, सरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और शिक्षा जगत में प्रासंगिक पृष्ठभूमि और अनुभव रखने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों और विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पूंजी बाजार नियामक सेबी की ओर से यह कदम अडाणी मामले में हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाए गए हितों के टकराव के आरोपों की पृष्ठभूमि में उठाया गया है।

जेएसपीएल, जिंदल पावर और अन्य को वाणिज्यिक नीलामी के 11वें दौर में मिलीं कोयला खदानें

एजेंसी

नई दिल्ली।जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल), जिंदल पावर और कोल इंडिया की इकाई वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड वाणिज्यिक खदानों की नीलामी के 11वें दौर में कोयला ब्लॉक हासिल करने वाली 10 कंपनियों में शामिल हैं। कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने 05 दिसंबर, 2024 को वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलामी का 11वें दौर की शुरुआत की, जिसके तहत अग्रिम नीलामी में कुल 12 कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई। इनमें आठ पूरी तरह से खोजी गई खदानें और चार आंशिक रूप से खोजी गई कोयला खदानें हैं।'' मंत्रालय के मुताबिक वाणिज्यिक नीलामी में झारखंड एक्सप्लोरेशन एंड माइनिंग

कॉरपोरेशन, इनोवेटिव माइंस एंड मिनरल्स, सिंघल बिजनेस, प्रा नूरवी कोल माइनिंग, माइनवेयर एडवाइजर्स, रूंगटा संस और न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन ने भी नीलामी में कोयला खदानें हासिल की हैं। सरकार ने पिछले साल दिसंबर में वाणिज्यिक खनन के लिए कोयला खदानों की नीलामी का 11वां दौर शुरू किया था। इसके तहत कुल 27 ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा गया था। बयान के मुताबिक इन 12 कोयला खदानों में संयुक्त रूप से करीब 575.92 करोड़ टन का भंडार है। इनमें से आंशिक रूप से खोजी गई खदानों को छोड़कर अन्य की अधिकतम निर्धारित क्षमता (पीआरसी) 1.54 करोड़ टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। कोयल मंत्रालय के मुताबिक इस ''नीलामी में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई, जिसमें 36.27 फीसदी का प्रभावशाली औसत राजस्व हिस्सा हासिल हुआ, जो भारत के कोयला क्षेत्र में उद्योगों की निरंतर रुचि और एक स्थिर व पारदर्शी नीतिगत ढांचा प्रदान करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' कोयला मंत्रालय ने कहा कि इन खदानों से 3,330 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व (आंशिक रूप से खोजी गई खदानों को छोड़कर) उत्पन्न होने तथा करीब 2,319 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश आकर्षित होने का अनुमान है। इसके अनावा इन कोयला खदानों से रोजगार के 20,902 अवसर उत्पन्न की उम्मीद है।

विदेशी निवेशकों की वापसी, रुपये की मजबूती और पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के कारण बाजार ने लगाया सिक्सर

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने आज लगातार छठे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होकर तेजी का सिक्सर लगा दिया। आज शुरुआती आधे घंटे के कारोबार के अलावा लगभग पूरे दिन बाजार में खरीदारी का माहौल बना रहा। इसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक इंट्रा-डे में करीब डेढ़ प्रतिशत तक उछल गए। जानकारों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की खरीदारी, डॉलर के मुकाबले रुपये की मजबूती और मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज जोरदार मजबूती का माहौल बना। कोटक सिक्योरिटीज के इक्विटी रिसर्च हेड श्रीकांत चौहान तक कहना है कि घरेलू शेयर बाजार में आज विदेशी निवेशक जबरदस्त वापसी करते हुए नजर आए। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में 7,470.36 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की थी। आज भी विदेशी निवेशकों की खरीदारी का आंकड़ा 8,300 करोड़ रुपये (अस्थाई) के स्तर को पार करता हुआ नजर आया। इसके कारण पिछले साल अक्टूबर के महीने से घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों द्वारा की जा रही बिकवाली के दौर पर अब ब्रेक लगने की उम्मीद बनने लगी है, जिसकी वजह से शेयर बाजार के सेंटीमेंट में सुधार होता हुआ नजर आ रहा है।

नेशनल इलेक्ट्रिसिटी प्लान के संबंध में सरकार की महत्वपूर्ण पहल

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल इलेक्ट्रिसिटी प्लान-पारेषण में वर्ष 2023 से 2032 की अवधि के दौरान देश में आवश्यक पारेषण प्रणाली की रूपरेखा पेश की गई है, जो देश में उत्पादन क्षमता वृद्धि और बिजली की मांग में वृद्धि के अनुरूप है। पारेषण योजना में 2032 तक 388 गीगा वाट (जीडब्ल्यू) की अनुमानित पीक बिजली मांग को पूरा करने के लिए केंद्रीय और राज्य पारेषण प्रणालियों (220 केवी स्तर और उससे ऊपर) को जोड़ना शामिल है। यह जानकारी राज्यसभा में ऊर्जा मंत्रालय के राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने एक सवाल के जवाब में दी। इसमें बताया गया कि उच्च वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) लाइनें लंबी दूरी पर बिजली के थोक हस्तांतरण को सुगम बनाती हैं। नवीकरणीय ऊर्जा

(आरई) समृद्ध क्षेत्रों से प्रमुख भार केंद्रों तक थोक बिजली के हस्तांतरण के लिए मुख्य रूप से नई एचवीडीसी लाइनों की योजना बनाई गई है। बिजली उत्पादन के संसाधन पूरे देश में असमान रूप से वितरित हैं। कुछ राज्यों में विशाल परिवर्तनशील नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता है, जबकि कुछ राज्य जल विद्युत क्षमता में समृद्ध हैं। 2032 तक अंतर-क्षेत्रीय हस्तांतरण क्षमता में 119 गीगावाट से 168 गीगावाट की वृद्धि बिजली अधिशेष क्षेत्रों अथवा राज्यों से बिजली की कमी वाले क्षेत्रों अथवा राज्यों में बिजली के निर्बाध हस्तांतरण को सुगम बनाएगी, जिससे राज्यों को अपनी बिजली की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। नेशनल इलेक्ट्रिसिटी प्लान-पारेषण अन्य बातों के अलावा प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाले क्षेत्रों अथवा स्थानों से बिजली निकालने के लिए पारेषण प्रणाली की रूपरेखा प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त देश में ग्रीन हाइड्रोजन/ग्रीन अमोनिया निर्माण संभावित केंद्रों तक बिजली पहुंचाने के लिए भी पारेषण प्रणाली की योजना बनाई गई है। नवीकरणीय ऊर्जा के एकीकरण और ग्रीन हाइड्रोजन निर्माण केंद्रों तक बिजली पहुंचाने से संबंधित पारेषण परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

पीएमजी ने बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में मेगा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) ने बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की है। इसके तहत 63,858 करोड़ रुपये की 19 प्रमुख परियोजनाओं के 23 मुद्दों की समीक्षा की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक 19 प्रमुख परियोजनाओं में 23 मुद्दों की जांच की गई, जिनमें कुल निवेश 63,858 करोड़ रुपये से अधिक है। इसमें श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाली पांच परियोजनाएं शामिल हैं, जो विशेष रूप से इन तीनों राज्यों में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पतालों पर केंद्रित हैं। इन अस्पतालों का उद्देश्य बीमा कराए हुए नागरिकों और उनके परिवारों के लिए विशेष उपचार, दवाइयां और अस्पताल में भर्ती सहित आवश्यक स्वास्थ्य सेवा लाभ प्रदान करना है। इसके अलावा इस्पात, कोयला, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, रेलवे और बिजली मंत्रालयों से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की गई, ताकि बाधाओं की पहचान की जा सके और उन्हें दूर किया जा सके और साथ ही उनका सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। उल्लेखनीय रूप से बिहार में बक्सर थर्मल पावर प्लांट (1320 मेगावाट) परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 10,439.09 करोड़ रुपये है, इस बैठक में चर्चा का मुख्य केंद्र रही। मंत्रालय के मुताबिक प्रधान आर्थिक सलाहकार प्रवीण महतो की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना से संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, ताकि परियोजना निष्पादन को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों की पहचान और उस पर चर्चा की जा सके। बैठक के दौरान प्रवीण महतो ने परियोजना निगरानी के लिए संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और अधिकारियों से लंबित मुद्दों को हल करने में तत्परता दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने परियोजना कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) तंत्र (https://pmg.dpiit.gov.in) का लाभ उठाने में निजी हितधारकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

स्टॉक मार्केट में डिवाइन हीरा ज्वेलर्स की फ्लैट एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली। गोल्ड ज्वेलरी की डिजाइनिंग और मार्केटिंग का काम करने वाली कंपनी डिवाइन हीरा ज्वेलर्स ने आज स्टॉक मार्केट में बिना किसी उतार-चढ़ाव के सपाट स्तर पर एंट्री की। लिस्टिंग के तुरंत बाद बिकवाली के दबाव में कंपनी के शेयर टूट कर लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे।

आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इन शेयरों की लिस्टिंग 90 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में यह शेयर गिर कर 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। डिवाइन हीरा ज्वेलर्स का 31.84 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 19 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 35,37,600 नए शेयर जारी किए गए हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में सुधार, 35 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। ।शेयर बाजार में जारी मजबूती का असर मुद्रा बाजार पर भी स्पष्ट रूप से नजर आ रहा है। आज लगातार नौवें कारोबारी दिन भारतीय मुद्रा रुपया डॉलर की तुलना में तेजी के साथ बंद हुआ। आज दिन के कारोबार में भारतीय मुद्रा 35 पैसे की मजबूती के साथ 85.64 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को भारतीय मुद्रा 85.99 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की मजबूती के साथ 85.94 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान डॉलर की मांग बढ़ने पर रुपया कमजोर होकर 86.01 के स्तर तक पहुंचा। लेकिन बाद में इसने जोरदार रिकवरी करके 85.48 रुपये प्रति डॉलर तक के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। हालांकि कारोबार के आखिरी वक्त रुपया

सर्वोच्च स्तर से 16 पैसे गिरकर 35 पैसे की मजबूती के साथ 85.64 के स्तर पर बंद हुआ। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक आज शेयर बाजार की तेजी में विदेशी निवेशकों का काफी योगदान रहा। विदेशी निवेशकों ने आज बड़े पैमाने पर स्टॉक मार्केट में खरीदारी की, जिससे मुद्रा बाजार में भी डॉलर की आवक बढ़ गई। इसके साथ ही बॉन्ड मार्केट में भी आज 3 बिलियन डॉलर के निवेश की पुष्टि हुई, जिससे रुपये का सपोर्ट और भी ज्यादा बढ़ गया। खुराना सर्विसेज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार आज के शुरुआती कारोबार में कच्चे तेल की कीमत में भी गिरावट का रुख बना था, जिससे शुरू से ही रुपये ने बढ़त बनाना शुरू कर दिया था। ऑयल मार्केट की ओर से आगे के लिए भी पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं, जिसकी वजह से मुद्रा बाजार के सेंटीमेंट्स हाई हो गए हैं। खासकर, पेट्रोलियम के उत्पादक और निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस अप्रैल से कच्चे तेल के उत्पादन में बढ़ोतरी करने की बात दोहरायी है। ऐसा होने पर प्रति दन 1.38 लाख बैरल कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ जाएगा, जिससे कच्चे तेल की कीमत में और भी गिरावट आ सकती है। रवि चंदर खुराना का कहना है कि अगर भारत के ऑयल इंपोर्ट बिल में कमी आती है, तो इससे भारतीय मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग में भी कमी आएगी, जिसका प्रत्यक्ष असर रुपये की मजबूती के रूप में दिखेगा।

गर्मी में बनाएं ये 5 तरह के रायता, शरीर रहेगा अंदर से ठंडा और हाइड्रेट

गर्मी के दिनों में ठंडी चीजें खाने का मन करता है और बात अगर रायते की हो तो ये न सिर्फ स्वाद का खजाना होता है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है. जान लेते हैं ऐसी ही पांच रायते जो गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ ही अंदर से ठंडक पहुंचाएंगे.

मौसम में बदलाव के साथ ही जिस तरह रहन-सहन में बदलाव आता है, उसी तरह से खानपान में भी चेंजेस करने की जरूरत होती है ताकि शरीर का तापमान बैलेंस किया जा सके और हेल्दी रहा जा सके. गर्मी के दिनों में रायता एक हेल्दी और टेस्टी ऑप्शन है. दही या छाछ से बनने वाला रायता कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य विटामिन-मिनरल्स से भरपूर होता है. इसमें डाली जाने वाली चीजें पौष्टिकता को और बढ़ा देती हैं. रायता में दही और छाछ इस्तेमाल होते हैं जो प्रोबायोटिक हैं और गर्मी में डाइजेशन को सही रखते हैं. बूंदी का रायता तो अमूमन हर घर में बनता है. गर्मी के दिनों में आप कुछ चीजों का रायता बना सकते हैं जो न सिर्फ शरीर को ठंडक देगा, बल्कि हाइड्रेट भी रखेगा और एनर्जी बूस्ट करेगा.

सर्दी के दिनों में लोग अपनी डाइट में चुकंदर, बथुआ, आलू आदि चीजों का रायता बनाते हैं. इसी तरह से गर्मी में भी आप अलग-अलग चीजों का रायता बना सकते हैं. चलिए जान लेते हैं कि गर्मी के मौसम में किन चीजों से रायता बन सकते हैं.

अनार का रायता बनाएं

गर्मी के दिनों में आप अनार का रायता बना सकते हैं. अगर दोपहर में आपको कभी खाने का मन न हो तो आप इस रायते को ले सकते हैं जो काफी पौष्टिक होता है. इसके लिए सबसे पहले दही को बढ़िया तरीके से फेंट लें ताकि वो स्मूथ हो जाए. इसके बाद इसमें एक छोटा चम्मच चीनी डालकर घुलने तक मिलाएं. अब अनार के दाने डालकर मिलाएं. इसके बाद स्वादानुसार नमक, हरा धनिया, थोड़ा सा भुना जीरा डालें और इसे ठंडा करके सर्व करें.

ककड़ी या खीरा का रायता

गर्मी के दिनों में खीरा या फिर ककड़ी का रायता बेहतरीन रहता है. ये दोनों ही चीजें ठंडी तासीर की होती हैं और पानी से भी भरपूर रहती हैं. इसके लिए ककड़ी या फिर खीरा का कद्दूकस कर लें. इसे दही में मिलाएं और भुना जीरा पाउडर, पीसी काली मिर्च साथ में थोड़ा काला और थोड़ा सा सफेद नमक मिलाएं. आप चाहें तो एक छोटा टीस्पून ऑयल लेकर इसमें करी पत्ता, राइ आदि का तड़का भी लगा सकते हैं.

पुदीना का रायता बनाएं

गर्मी के दिनों में पुदीना चटनी आपने कई बार खाई होगी. इसके अलावा आप पुदीना का रायता भी बना सकते हैं. पुदीना की पत्तियों को डंडियों से अलग करके धो लें और फिर इसे दही के साथ ब्लेंड कर लें, अब एक बाउल में निकाल लें. इसका स्वाद बैलेंस करने के लिए थोड़ा सा खीरा कद्दूकस करके मिलाएं. कटा हुआ प्याज डालें और काला नमक, काली मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर डालें. कुछ मिंट की पत्तियों से गार्निश कर सर्व करें.

फरूट्स का रायता बनाएं

गर्मी में हेल्दी और टेस्टी ऑप्शन की बात आए तो आप फरूट्स का रायता बना सकते हैं. इसके लिए अंगूर, अनार, केला, सेब, जैसे फलों को छोटे टुकड़ों में काट लें और फिर ताजे दही को ब्लेंड कर लें. इन फ्रूट्स को दही में मिलाएं और क्रंच के लिए काजू, बादाम, अखरोट आदि नट्स को डालें. इसमें थोड़ी सी चीनी मिला सकते हैं. साथ ही काला नमक, काली मिर्च पाउडर और भुना जीरा पाउडर भी डालें. अब ठंडा करने के बाद खाएं.

लौकी का रायता बनाएं

गर्मियों के लिए लौकी का रायता भी फायदेमंद रहता है. इसके लिए लौकी को धोने के बाद छीलकर कद्दूकस कर लें और इसे भाप में पांच मिनट के लिए पकने दें. इसे निकालकर ब्लेंड किए गए दही में मिलाएं और फिर इसमें वही बेसिक मसाले जैसे काली मिर्च पाउडर, जीरा पाउडर, काला नमक आदि डालें और ठंडा सर्व करें.

जलते हुए नोट सिर्फ न्यायपालिका नहीं मोदी की छवि भी धुआं-धुआं कर सकते हैं!

विपक्ष के 197 नेताओं के मामले ईडी ने कोर्ट में पेश किए। यह कोर्ट में जाने वाले मामले हैं। छापे कितने विपक्ष के नेताओं के मारे, परेशान कितने लोगों को किया, यह तो बहुत बड़ी संख्या है। मगर जो कोर्ट में गए मामले उनमें से केवल तीन में सज़ा हुई। डेढ़ परसेंट! और यह माना है खुद मोदी सरकार ने संसद में। तो अपनी छवि बनाने, बचाने का एक तरीका यह है एक कि दूसरे पर आरोप पर आरोप लगाओ।

देश की न्यायपालिका को अब अपनी इज्जत बचाना मुश्किल पड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने उसी कोशिश में खुद दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर के जलते हुए नोटों का वीडियो जारी किया। कोशिश है कि सब नहीं पूरा ज्यूडीशरी सिस्टम नहीं इक्का-दुक्का हैं और हम खुद उन्हें छोड़ेंगे नहीं।

अच्छा वैरी गुड! तो सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जज यशवंत वर्मा को बुला लीजिए! सारे दाग धुल जाएंगे। बर्खास्तगी की प्रक्रिया लंबी है। जटिल है। वह संसद के द्वारा होने दीजिए। हालांकि वहां भी मुश्किल है। सत्ता पक्ष क्यों साथ देगा। मोदी सरकार ने बचाने की पूरी कोशिश की। फायर ब्रिगेड जो हमेशा विवादों से दूर रही। केवल सराहना की ही पात्र रही। आग से लड़कर लोगों को बचाने वाली बहादुरी और साहस का प्रतीक। उससे झूठ कहलवा दिया कि

हमने कोई नोट नहीं देखे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी वीडियो में फायर ब्रिगेड के कर्मी हतप्रभ, नोटों को बचाते हटाते दिख रहे हैं।अपनी छवि बचाने के लिए सबकी छवि दांव पर लगा दी। देश की भी। पहले यह बोलकर कि न कोई आया है न कोई है कहकर। चीन के बचाव में। हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत को झुठलाकर।फिर अभी अमेरिका द्वारा भारतीयों को एक के बाद एक तीन जहाज में वह भी सैनिक जहाज में हथकड़ी-बेड़ियों के साथ वापस भेजने के शर्मनाक मामले में चुप रहकर। फिर एक के बाद वीडियो जारी करके भारत को खरी-खोटी सुनाने। ट्रंप के सामने मोदी के मौन बैठे रहने के वीडियो ने। यह कहना कि भारत को एक्सपोज कर दिया (डरा दिया) तो उसने टेरिफ (सीधा मतलब कि भारत से जो भी सामान अमेरिका जाएगा वह वहां सस्ते रेटों पर देना होगा) कम कर दिया।भारत की एक डरी हुई छवि! चीन के सामने अमेरिका के सामने। मगर उसकी कोई चिन्ता नहीं। अपनी व्यक्तिगत छवि चमकाने के लिए। शेरों से मिलने पहुंच गए। बीच में शीशा। इस पार मोदी जी उस पार शेर। मीडिया और भक्त लहालोट हो गए। हमारा शेर शेरों के बीच। फिर शावक को बोतल से दूध पिलाते हुए।फिर भक्तों को पता नहीं क्या याद

आया पन्ना धाय कि उस जैसा मातृत्व या फिर कोई बहादुरी का प्रतीक! लोगों को मजबूरी में नेहरू और इन्दिरा के वह फोटो डालना पड़े जिसमें वे शेरों के साथ खेल रहे हैं। हमने लिखा मजबूरी में। क्योंकि यह कोई स्वाभाविक बहादुरी का प्रतीक नहीं है। वीरता होती है अमेरिका को सामने-सामने सुनाने की। उसका हाथ पाकिस्तान की पीठ पर और इन्दिरा पाकिस्तान के दो टुकड़े करते हुए। उससे पहले जब विकासशील देश सब अमेरिका की कृपा पाने के लिए उसके साथ खड़े होने की घोषणा करते थे। नेहरू कहते थे नहीं हम किसी के खेमे में नहीं जाएंगे। हम तीसरी दुनिया बनाएंगे।गुट निरपेक्ष। और उन्होंने एक गुट निरपेक्ष आन्दोलन खड़ा कर दिया। मिस्र के नासिर, युगोस्लाविया के टीटो, इंडोनेशिया के सुकर्णो के साथ मिलकर। यूएन के दो तिहाई राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व किया। 120 देश साथ थे। वह बहादुरी, साहस, अन्तरराष्ट्रीय ताकत। शेरों के साथ फोटो खिंचाने में क्या है? अभी गुगल पर डालिए हजारों लोगों के फोटो आ जाएंगे। शेरों के साथ। जंगल में। अपने लोगों को इसी तरह बेवकूफ बनाया जा रहा है। और सब तो नहीं

मगर भक्त और मीडिया तो बन रहा है। बीजेपी के लोग भी सब नहीं बन रहे। हंसते हैं। मगर डर है तो थोड़ा छुपकर।तो यह जज साहब का मामला भी छवि बचाने का है। भ्रष्टाचार तो खतम हो गया। जो है वह विपक्ष के नेताओं के यहां है। काला धन भी खतम हो गया। जिसका हम प्रचार करते हैं वह भी विपक्ष के नेताओं के यहां मिला कहकर बताते हैं

मगर वह मिलता और दिखता नहीं। मीडिया में कह देते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के यहां नोट गिनने की मशीनें पहुंचाई गई हैं। अच्छा कितना करोड़ मिला। नहीं वह केवल कुछ लाख है। खेती किसानी वाले हैं, विधायकी की तनखा है। और कुछ लाख! केवल 35 लाख। मगर प्रचार तंत्र है।

विपक्ष के 197 नेताओं के मामले ईडी ने कोर्ट में पेश किए। यह कोर्ट में जाने वाले मामले हैं। छापे कितने विपक्ष के नेताओं के मारे, परेशान कितने लोगों को किया, यह तो बहुत बड़ी संख्या है। मगर जो कोर्ट में गए मामले उनमें से केवल तीन में सज़ा हुई। डेढ़ परसेंट! और यह माना है खुद मोदी सरकार ने संसद में।तो अपनी छवि बनाने, बचाने का एक तरीका यह है एक कि दूसरे पर आरोप पर आरोप लगाओ। नेहरू-गांधी पर आरोप लगाने से काम नहीं चल रहा तो मुगलों तक पहुंच जाओ। बस अपनी कमीज दूसरों की कमीज से ज्यादा साफ दिखना चाहिए। भक्तों और मीडिया की नजर में। हो या न हो!

इसलिए यह जज साहब का लगाया दाग थोड़ा मुश्किल हो गया। पुरानी घटना है। होली की। दबा दी थी। मगर अख़बार में खबर छप गई। अख़बार को मालूम नहीं था कि इतना बवाल हो जाएगा। जनता जाग जाएगी। नहीं तो नहीं छापता। जाने कितनी खबरें दबा दी गईं। मगर गलती हो गई। और फिर यह हुआ कि इसी दिन राज्यसभा में मामला उठ गया। उससे भी कुछ नहीं होता बहुत हल्के से उठा था। सुबह अखबार में नोटों का पहाड़ मिला खबर छपने के बाद लग रहा था कि विपक्ष संसद में हंगामा कर देगा। मगर तत्काल और तेज प्रतिक्रिया देना इसे आता नहीं है। जब सरकार में थे तब भी 2011 -12 से अन्ना हजारे और उनके साथ जुड़े भाजपा संघ, केजरीवाल और सिविल सोसायटी का एक फाड टर्म बनाकर जुड़े लोग यूपीए सरकार पर झूठे आरोप लगाते रहे और यह उसका जवाब नहीं दे पाए। सरकार गंवा दी। आज तक वापस इसीलिए नहीं ले पाए कि सही मौके पर अपनी बात कहना अभी भी नहीं सीख पाए।लेकिन उस दिन राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ जो मोदी सरकार को बचाने में सबसे आगे आगे रहते हैं वह भी नहीं समझ पाए कि मामला तूल पकड़ने वाला है। उन्होंने भी कांग्रेस के जयराम रमेश के मामला उठाए जाने पर लंबी टिप्पणी कर दी। कहा चर्चा करवाएंगे।

बस यहीं से धुआं निकलना शुरू हो गया। वह आग जो एक हफ्ते पहले फायर ब्रिगेड बुझा आया था मगर सारी जानकारी पुलिस और सरकार को दे दी थी। जलते हुए नोटों के वीडियो भी। जिसे सरकार ने दबा दिया था। धुआं उठता देखकर सब फिर ताजा हो गया। सबसे बड़ी टिप्पणी इलाहाबाद से आई जहां आनन-फानन में जज वर्मा को वापस भेजा जा रहा था। हाई कोर्ट बार ऐसोसिएशन ने कहा कि कूड़ादान समझ रखा है हमें? इतने बड़े आरोप के बाद हमारे यहां पहुंचा रहे हो।सब खेल बिगड़ गया। जनता में जो नफरत के नशे में औंधी पड़ी है कुछ सुगबुगाहट हुई। सुप्रीम कोर्ट को अपनी छवि बचाने की चिंता हुई। न्यायपालिका एक ऐसी चीज है जिसकी अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा समीक्षा होती है। अकादमिक बहसें होती हैं। हमारे यहां की टीवी डिबेटों की तरह नहीं कि मोदी ही सत्य है बाकी सब पाप अनाचार। तो उसे तीन जजों की एक कमेटी बनाना पड़ी। जज वर्मा को कामकाज से अलग करना पड़ा। लाइन हाजिर। बहुत सारे शब्द हैं आम कर्मचारी के लिए तो लूप लाइन में डालना। और भी बहुत कुछ। मगर जज साहब शायद अभी भी आनरेबल (माननीय) हैं।अब देखना है क्या होता है? सारे संविधानिक इन्स्टिट्यूशन (संस्थाएं) ढह गए हैं। क्या फिर से खुद को बचाने की कवायद शुरू करते हैं? हिम्मत लाते हैं? न्यायपालिका ने तो कुछ शुरूआत की है। हिचकते हुए। यू टर्न लेते हुए। मगर की है। बाकी संस्थाएं देखते हैं कितनी उनकी आत्माएं बची हुई हैं!

संपादकीय

रिया से माफी मांगें मीडिया ट्रायल वाले

फिल्म अभिनेता सुशान्त सिंह राजपूत की मौत के साढ़े चार वर्षों के बाद अंततः केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने अदालत को क्लोज़र रिपोर्ट थमा ही दी जिसके कारण उनकी मित्र रही रिया चक्रवर्ती को, जो स्वयं भी एक अदाकारा रही हैं, लगभग एक माह तक जेल की सलाखों के पीछे तो रहना ही पड़ा था, देश भर के नफ़रतियों तथा सुशान्त की मौत का राजनीतिक लाभ लेने वालों की ओर से जिल्लतों का सामना करना पड़ा था।

देश की मुख्यधारा का मीडिया कितने पूर्वाग्रहों और गैरजिम्मेदाराना ढंग से काम करता है- यह भी साबित हुआ है। दर्शक संख्या बढ़ाने के लिये, जिसे टीआरपी कहा जाता है, न्यूज़ चैनलों ने सारी हदें पार कर मामले को सनसनीखेज तो बनाया ही था, एक मासूम की इज्ज़त को तार-तार भी किया था। इस मामले को बाकायदा बिहार बनाम पश्चिम बंगाल तक का रूप दे दिया गया था। सोशल मीडिया पर भी भरपूर ज़हर परोसा गया था। सीबीआई ही नहीं, वरन पांच अलग-अलग स्तरों पर मामले की जांच हुई थी। देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी को किसी भी तरह की साजिश के कोई साक्ष्य नहीं मिले। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार उसने

सुशान्त के पिता की शिकायत वाले मामले में पटना की विशेष अदालत के सामने और दूसरे मामले में मुंबई की विशेष अदालत में क्लोज़र रिपोर्ट दाख़िल की है।अब सवाल यह है कि क्या मीडिया ट्रायल चलाने वाले अपनी गलती स्वीकारेंगे और खासकर रिया से क्षमा मांगेंगे जिस पर झूठे आरोप लगाये गये तथा जिसकी प्रतिष्ठा को धूल-धूसरित किया गया? हिन्दी सिनेमा के कामयाब व लोकप्रिय कलाकार सुशान्त 14 जून, 2020 को मुम्बई के बान्द्रा स्थित अपने फ्लैट में मृत पाये गये थे। बताया जाता था कि वे अवसादग्रस्त तो रहते ही थे, उन्हें ड्रग्स की भी लत थी। पहले से आशंका थी कि उन्होंने नशीली दवाओं का ओवरडोज़ लिया था और खुदकुशी की थी, लेकिन मीडिया के साथ सुशान्त के परिजनों ने रिया पर हत्या का आरोप लगाया। इसका मकसद सुशान्त के पैसे तथा जायदाद हड़पना बताया था। पहले तो मुंबई पुलिस ने जांच की तथा इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या बतलाया लेकिन परिजनों के शोर-शराबे के बाद बिहार पुलिस और अंततः सीबीआई ने इसकी जांच की। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी अपने-अपने एंगल से जांच की थी परन्तु हत्या के सबूत नहीं मिल सके। इसलिये जांच के बाद अब सीबीआई ने क्लोज़र रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी है। हालांकि अब न्यायालय तय करेंगी कि इसे स्वीकारना है या आगे जांच के आदेश देने हैं।

अभिनेता का सीधा-सीधा आत्महत्या का लगता मामला मीडिया ट्रायल के चलते व राजनीतिक दबावों के कारण पेचीदा कर दिया गया था। पुलिस एवं सुशान्त की बहनों द्वारा लगाये गये आरोपों के साथ सीबीआई ने उस मामले पर भी गौर किया जो रिया चक्रवर्ती ने सुशान्त की बहनों के ख़िलाफ़ बांद्रा कोर्ट में दायर किया था। उसने सुशान्त की बहनों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने दिल्ली के किसी डॉक्टर की फ़ज़ी पर्ची के आधार पर अपने भाई को दवाइयां दी थीं। इन दवाओं के सेवन से ही कलाकार की मौत हुई। सुशान्त का पोस्टमार्ट कूपर हॉस्पिटल में किया गया था जिसमें मौत की वज दम घुटने से बताई गई। एम्स के डॉक्टरों का बोर्ड भ बनाया गया था जिसने अपनी रिपोर्ट सीबीआई को सौंप थी।रिया का मामला मुफ्त में लड़ने वाले प्रसिद्ध वकील सतीश माने शिन्दे ने सीबीआई की तारीफ करते हुए ज कहा है वह ध्यान देने योग्य है। उन्होंने बयान दिया है कि %सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में झूठ ख़बरें फैलाई गईं। निर्दोषों को मीडिया और जांच अधिकारियों के सामने परेशान किया गया। उम्मीद है कि यह किसी अन्य मामले में दोहराया नहीं जाएगा। रिया को अनगिनत दुखों से गुज़रना पड़ा और बिना गलती के 27 दिनों तक सलाखों के पीछे रहना पड़ा, जब तक कि मुंबई हाईकोर्ट ने उन्हें ज़मानत पर रिहा नहीं किया।% उन्होंने रिया तथा उनकी टीम को मिलने वाली धमकियों का ज़िक्र भी किया तथा रिया के परिवार की तारीफ की कि उन्होंने चुप रहकर भी अपने साथ हुए अमानवीय व्यवहार को सहन किया।

30 दिन के युद्ध विराम की योजना को बचाने के लिए ट्रम्प का पुतिन पर दबाव

यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त राष्ट में उत्तर कोरिया, ईरान और रूस के साथ अमेरिका के वोट सहित रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन को उनके सर्वोत्तम प्रयासों और मिली रियायतों के बावजूद, पुतिन ने अमेरिकी राष्टपति को एक बड़ा धोखा दिया हैड्ड

रूसी अड़ियल रवैये के साथ अमेरिकियों ने खुफिया जानकारी की आपूर्ति बढ़ा दी है। इस बहाली का एक परिणाम रूसी क्षेत्र में 500 किलोमीटर अंदर एक एयरबेस पर यूक्रेन के साहसी हमले में देखा जा सकता है। रूस ने एंगेल्स शहर के इस हवाई अड्डे पर अपने परमाणु सक्षम हमलावर बमवर्षक विमानों को रखा है। एंगेल्स एयरबेस पर रूसी टुपोलेव परमाणु हथियार सक्षम विमान हैं।यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त राष्ट में उत्तर कोरिया, ईरान और रूस के साथ अमेरिका के वोट सहित रूसी राष्टपति व्लादिमीर पुतिन को उनके सर्वोत्तम प्रयासों और मिली रियायतों के बावजूद, पुतिन ने अमेरिकी राष्टपति को एक बड़ा धोखा दिया है।

सी राष्टपति ने डोनाल्ड ट्रम्प के 30 दिनों के लिए तत्काल युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्पष्ट रूप से ठुकरा दिया है, जिसे यूक्रेन ने पहले ही डोनाल्ड ट्रम्प के समक्ष स्वीकार कर लिया था। अब यह स्पष्ट हो गया है कि पुतिन युद्ध को रोकने के ट्रम्प के प्रयासों के हिस्से के रूप में प्रस्तावों का पालन करने के मूड में नहीं हैं।हालांकि अमेरिका ट्रम्प के अहंकारी दावे से प्रभावित है कि सत्ता में आने के बाद वे 24 घंटे के भीतर युद्ध को समाप्त कर देंगे, लेकिन अब अमेरिकियों को एहसास हो गया है कि रूसी राष्टपति ने उन्हें क्या धोखा दिया है। अब उन्हें बस इतना करना है कि वे कुछ अतिरिक्त दबाव के साथ आगे बढ़ें और उन्हें बातचीत की मेज पर लाएं।डोनाल्ड ट्रम्प ने वायदा किया था कि अगर रूस और पुतिन युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत करने से इनकार करते हैं तो वे उन पर कड़े प्रतिबंध लगा देंगे। इनमें दो अलग-अलग तरह की कार्रवाइयां शामिल हैं।

पहली कार्रवाई के रूप में रूसी अर्थव्यवस्था को आत्मसमर्पण करने

के लिए मजबूर करने हेतु आर्थिक प्रतिबंध लगाना होगा। रूस पहले से ही अब तक लगाये गये प्रतिबंधों से गंभीर तनाव में है, जैसे बैंकिंग लेनदेन पर प्रतिबंध और रूस के प्रमुख निर्यात में मुक्त व्यापार पर प्रतिबंध लगाना।इन प्रतिबंधों ने रूस के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात, ऊर्जा उत्पादों की बिक्री को कम कर दिया है। प्रतिबंधों ने रूसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों को कम कर दिया है। इनका उठाव भी प्रभावित हुआ है क्योंकि कुछ प्रमुख खरीदार अ रूसी तेल और गैस से दूर हो गये हैं।

दूसरे, अमेरिकियों ने यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के लिए सबसे महत्वपूर्ण इनपुट को रोकने की कोशिश की थी, अर्थात, खुफिया फीडबैक जो अमेरिकी खुफिया इनपुट के उपयोग से रूसी सैन्य प्रतिष्ठानों पर यूक्रेन के हमलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण थे। अमेरिकियों ने डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनके ओवल ऑफिस में ज़ेलेंस्की की विनाशकारी बैठक के बाद यूक्रेन को खुफिया इनपुट से काट दिया था।

लेकिन रूसी अड़ियल रवैये के साथ अमेरिकियों ने खुफिया जानकारी की आपूर्ति बढ़ा दी है। इस बहाली का एक परिणाम रूसी क्षेत्र में 500 किलोमीटर अंदर एक एयरबेस पर यूक्रेन के साहसी हमले में देखा जा सकता है। रूस ने एंगेल्स शहर के इस हवाई अड्डे पर अपने परमाणु सक्षम हमलावर बमवर्षक विमानों को रखा है। एंगेल्स एयरबेस पर रूसी टुपोलेव परमाणु हथियार सक्षम विमान हैं। इस एयरबेस का मुख्य रनवे अनुपयोगी हो गया है क्योंकि पूरे क्षेत्र में भीषण आग लग गई थी

अब इन घटनाक्रमों के साथ अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए यह स्पष्ट है कि रूसियों ने डोनाल्ड ट्रम्प के त्वरित युद्धविराम और फिर शांति समझौते के प्रयास को छोड़ दिया है। लेकिन यह विफलता राष्टपति को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित करती है और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाती है।

सार्वजनिक रूप से स्पष्ट अपमान को देखते हुए, पूरा प्रशासन शांति समझौते की दिशा में प्रगति का दिखावा करने के लिए कमर कस रहा है। पुतिन को बातचीत की मेज पर लाने में अपनी विफलता को स्वीकार करने के बजाय, ट्रम्प एक बेहतरीन वार्ताकार और सौदा करने वाले के रूप में अपनी छवि को पेश करने और बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं।

एक प्रसिद्ध रणनीतिक विशेषज्ञ ने बताया है कि पुतिन दक्षिणी यूरोपीय रंगमंच में सोवियत संघ के रणनीतिक नियंत्रण को फिर से हासिल करने के लिए बहुत लंबी अवधि का खेल खेल रहे हैं। सोवियत संघ के दिनों में, रूस अपने बंदी %तालाब% के रूप में काला सागर को नियंत्रित करता था।

अब सोवियत संघ के टूटने के बाद, उसने काला सागर और उसके आस-पास के क्षेत्रों को खो दिया है। रोमानिया और बुल्गेरिया पश्चिमी क्षेत्र में चले गये हैं और तुर्की पहले से ही नाटो का प्रमुख सदस्य बना हुआ है। इसलिए, रूस काला सागर तट पर अपने नये पैर जमाने की कोशिश कर रहा है।

पुतिन अपने दीर्घकालिक सुरक्षा दृष्टिकोण पर खेल रहे हैं जिसमें काला सागर एक महत्वपूर्ण खेल का मैदान है। पुतिन यूक्रेन के प्रमुख व्यापारिक केंद्र ओडेसा बंदरगाह सहित ब्लैक सी पर नियंत्रण करना चाहते हैं।

इसलिए, पुतिन यूक्रेन के साथ अपने युद्ध को आगे बढ़ाने और ब्लैक सी तट के साथ क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए तैयार हैं। ऐसा लगता है कि जब तक इनमें से कुछ दीर्घकालिक इच्छाएं पूरी नहीं हो जातीं, तब तक पुतिन यूक्रेन युद्ध को नहीं रोकेंगे। अमेरिकी कूटनीतिक और रणनीतिक समुदाय अब इन दीर्घकालिक कारकों को देख रहे हैं और इसलिए वे युद्ध को रोकने के लिए रूस पर अधिकतम दबाव की वकालत कर रहे हैं।

पहली मुलाकात में ठीक से जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहांवहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या?

आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

उपहार का ऐसा लेनदेन ना ही करो तो बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी मे अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं।

लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी। उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गई भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।' बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें । सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.यही है.रंग रूप, थोड़े गम हैं थोड़ी खुशियां यही हैं.यही हैयही है छांव धूप.

ड्राइंग रूम की सजावट में रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में कोई भी भवन खरीदते या उसकी सजावट करते समय कई बातों का ध्यान देना आवश्यक बताया गया है, क्योंकि घर का मुख्य कक्ष, बैठक कहें या ड्राइंग रूम वह जगह है, जहां हम अपने परिवारजनों और कुछ खास मित्रों के साथ कुछ क्षण आनंद से गुजारना चाहते हैं। अक्सर देखने में आता है कि किसी अन्य मित्र के घर के ड्राइंग रूम में जाने पर हमें अजीब-सा भारीपन महसूस होता है, जबकि दूसरे मित्र के ड्राइंग रूम में हल्कापन लगता है। आइए जानें कैसी हो ड्राइंग रूम की सजावट-

- ड्राइंग रूम में प्रकाश, घड़ी, कैलेंडर और तस्वीरों के चयन में भी सावधानी रखी जानी चाहिए।
- विशेष रूप से यह ध्यान रखना चाहिए कि वे तनाव बढ़ाने वाले न हों। जहां तक हो सके प्रयास किया जाए कि अध्ययन कक्ष, बेडरूम तथा अन्य कक्षों के भीतरी भाग बैठक से नजर न आएं।
- बैठक से अध्ययन कक्ष की मेज तथा काम के अन्य उपकरण दिखाई देने से भी बैठक में तनाव बढ़ता है।
- वास्तु और फेंगशुई के प्रचार के बाद से वास्तव में लोग अपने मकान के निर्माण या बना-बनाया फ्लेट खरीदते समय वास्तु आदि पर ध्यान तो देने लगे हैं, किंतु मकान में प्रवेश करने के बाद उसकी सजावट करते हुए वास्तु और फेंगशुई को प्राय: भूल जाते हैं।
- जबकि सोफा, टेबल आदि फर्नीचर का आकार, दीवारों की सजावट, चित्रों की विषय वस्तु, प्रकाश व्यवस्था आदि सब मिलकर वास्तु का प्रभाव तय करते हैं।
- दरवाजे के ठीक ऊपर लगा कैलेंडर या बंद पड़ी घड़ी से भी बैठक की अच्छी ऊर्जा प्रभावित हो जाती है।
- फर्नीचर खरीदी करने का तरीका अक्सर यह रहता है कि दुकान पर गए, जो पसंद आया, उठा लाए। फिर चाहे वह बैठक के अनुपात में हो, रंगों आदि से मेल खाता हो या न हो।
- ड्राइंग रूम के आकार के अनुपात से बड़ा सोफा अच्छी ऊर्जा अर्थात ची को प्रभावित करता है और भारी सोफा गृहस्वामी के अलावा आगंतुकों के लिए भी भारीपन की रचना करता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि ड्राइंग रूम के लिए फर्नीचर का चुनाव करते हुए उनके आकार का ध्यान जरूर रखें।

ब्राइट स्किन के लिए इस तरह चेहरे पर लगाएं शहद और केसर

हर महिला की इच्छा होती है कि उसकी स्किन लाइटन, ब्राइटन और ग्लोइंग नजर आए। आमतौर पर महिलाएं अपनी नेचुरल ब्यूटी को बढ़ाने के लिए बाजार में मिलने वाली तरह-तरह की क्रीम का सहारा लेती हैं। जहां एक ओर मार्केट में मिलने वाले यह ब्यूटी प्रॉडक्ट आपकी जेब धीरे-धीरे खाली कर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कभी-कभी इनके विपरीत परिणाम भी देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही ब्राइट स्किन पाने के लिए शहद और केसर से बनने वाले फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं इस बेहतरीन होममेड फेस पैक के बारे में-

ऐसे बनाएं फेस मास्क

स्किन केयर एक्सपर्ट के अनुसार, इस मास्क को बनाने के लिए आप आधा छोटा चम्मच केसर लें और एक बाउल में केसर के साथ एक चम्मच शहद मिक्स करें। जब यह अच्छी तरह मिक्स हो जाए तो पहले अपने फेस को अच्छी तरह साफ करें। इसके बाद आप फेस मास्क ब्रश की मदद से इस पैक को अपने चेहरे पर अप्लाई करें और करीबन दस मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। आखिरी में हल्के गुनगुने पानी से चेहरे को वॉश करें।

रखें इसका ध्यान

अगर आप इस फेस मास्क को अपने चेहरे पर अप्लाई कर रही हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले तो आप आर्गेनिक शहद ही खरीदें ताकि स्किन पर किसी भी तरह की इरिटेशन या अन्य समस्या होने का खतरा ना रहे। वहीं
अगर आप

केसर को पाउडर नहीं कर सकतीं तो ऐसे में आप केसर के धागों को ही शहद में मिक्स करें। आप इस मास्क को अपनी किचन सिंक या बाथरूम में अप्लाई करें ताकि वह टपककर जमीन पर ना गिरे और फिर आपको इसे क्लीन करने की मेहनत अलग से ना करनी पड़े।

मिलते हैं यह लाभ

स्किन केयर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस मास्क से आपकी स्किन को कई बेहतरीन लाभ मिलते हैं। सबसे पहले तो शहद आपकी त्वचा को साफ और मॉइस्चराइज करेगा। इसमें जीवाणुरोधी गुण भी होते हैं जो आपकी त्वचा को बैक्टीरिया और मुँहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं से मुक्त रखेंगे। वहीं शहद और केसर का कॉम्बिनेशन आपकी स्किन को ब्राइटन व लाइटन करके स्किन कॉम्पलेक्शन को बेहतर बनाता है।

उपाय जिनसे बालों में लाये जान

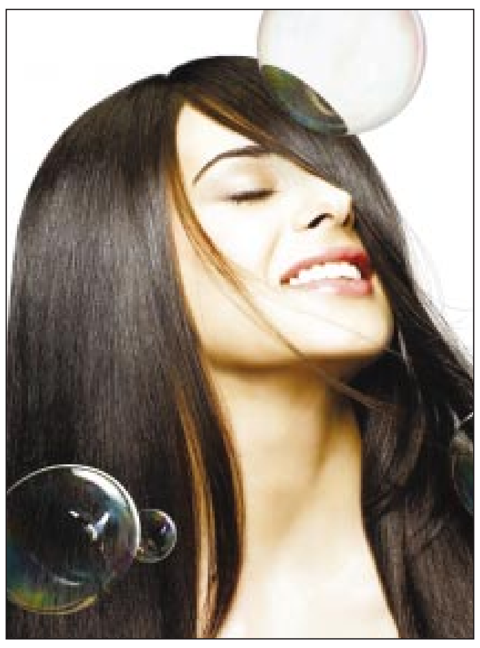

हेयर थैरेपी – आज आधुनिकता के नाम पर अनेक विकृतियां उत्पन्न हो गई हैं। जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। बाल भी इससे अछूते नहीं है। विभिन्न शोधों से यह साबित हो चुका है कि बालों का असमय सफेद होना, झड़ना आदि समस्याओं की उत्पत्ति हमारे दोषपूर्ण आहार–विहार के फलस्वरूप स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव के कारण होती है। बालों की इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए निम्न प्राकृतिक थैरेपी आजमाकर देखिए।

रिफ्लेक्सोलॉजी – मानसिक तनाव, प्रदूषण, असंतुलित हार्मोन्स, विटामिन 'बी' और 'सी' की कमी, प्रोटीन की न्यूनता, पित्त प्रकृति, अनिद्रा आदि कारणों से बाल असमय सफेद होने लगते हैं। लगातार बालों के झड़ने से अंत में सिर गंजा हो जाता है। आहार में दूध, फल, शाक, सब्जियां आदि उचित आहार लेने से बालों की इन समस्याओं से बचा जा सकता है। आवश्यक हो, तो योग्य चिकित्सक की सलाह से औषधियों द्वारा उपचार करें। दोनों हाथ के नाखूनों को आपस में पांच मिनट तक रगड़ें। प्रतिदिन रात को सोने से पहले नाक के दोनों छिद्रों में दो–दो बूंद गाय का घी डालने से बालों की जड़ें मजबूत होंगी तथा बालों का झड़ना बंद हो जाएगा।

ध्यान – ध्यान मानसिक तनाव दूर करने में मदद करता है। ध्यान साधना करने वाले कभी भी विचलित नहीं होते। इसके लिए प्रात: का समय सबसे उपयुक्त रहता है। सुखासन में शांत चित्त से बैठकर दोनों हथेली खुली आकाश की ओर करके घुटनों पर रखें। आंखें बंदकर मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें फिर आई ब्रो को पूरी ताकत से ऊपर उठायें 20 सेकण्ड बाद पूरी ताकत से नीचे लाये। प्रतिदिन 40 बार करें धीरे–धीरे अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जायें।

मालिश – बालों के लिए जितने जरूरी पोषक तत्व है उतना ही आवश्यक है तेल द्वारा मालिश। सप्ताह में कम से कम दो बार नारियल तेल, जवाकुसुम तेल या किसी आयुर्वेदिक तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मालिश करें। इससे रक्त संचार सुचारू होगा। बालों को काला, घना मजबूत और चमकीला बनाए रखने के लिए यह उपयोगी उपचार है। हमेशा स्वयं की कंघी इस्तेमाल करें। सीधी दिशा में कंघी करके विपरीत दिशा में भी कंघी करें। जाड़े में सरसों के तेल से और ग्रीष्म में तिल के तेल से मालिश करें।

योग – शीर्षासन और सर्वांगासन जैसे आसन नियमित करने से सिर के बालों को चमत्कारिक लाभ होता है। इन आसनों से रक्त संचरण की क्रिया में त्वरित गति आती है और बालों तथा सिर के स्नायुओं को पोषण मिलता है। अगर युवावस्था में उपर्युक्त दोनों आसन नियमित रूप से किए जाएं तो बालों को भरपूर पोषण और स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

बालों को मजबूत बनाने के उपाय – बालों को धीमें हाथों से मसलकर व्यायाम दें, इससे आप ऊबेंगे नहीं, बालों को थोड़ा विभाजित करते जाएं। विभाजित बालों को पकड़कर धीरे–धीरे खींचे। धीमें हाथों से सिर के बालों को ठोकिए, थपथपाइए। ऐसा करने से बाल की जड़ों के रोम छिद्र खुल जाते है। रक्त संचरण की गति तेज हो जाने से बालों की जड़ों के, समीपवर्ती सूक्ष्म अवयवों में पर्याप्त रक्त प्रवाह होता है और उनकी रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है।

गेहूं की खीर

सामग्री : 1 कप गेहूं, 1/2 कप गुड़, 1/2 लीटर दूध, 1 चम्मच घी, इलायची पाउडर और ड्राईफ्रूट।

विधि : सब से पहले गेहूं 4 घंटे पानी में भीगने दें। उस के बाद गेहूं पानी से निकाल कर कपड़े पर सुखाएं। (थोड़ा सा गीला ही रहने दें।) गेहूं मिक्सी में दरदरे पीस लें। इस से गेहूं के छिलके निकल जाएंगे। इस के बाद कड़ाही में घी डाल कर गेहूं भून लें। फिर इस में 2 कप गरम पानी डाल तक पका लें। गेहूं के पकने पर इस में गुड़ और दूध डाल कर चलाते रहें। खीर गाढ़ी होने पर आंच से उतारें और उस में ड्राईफ्रूट मिलाएं।

अधिक उम्र पर भी बचें झुर्रियों से

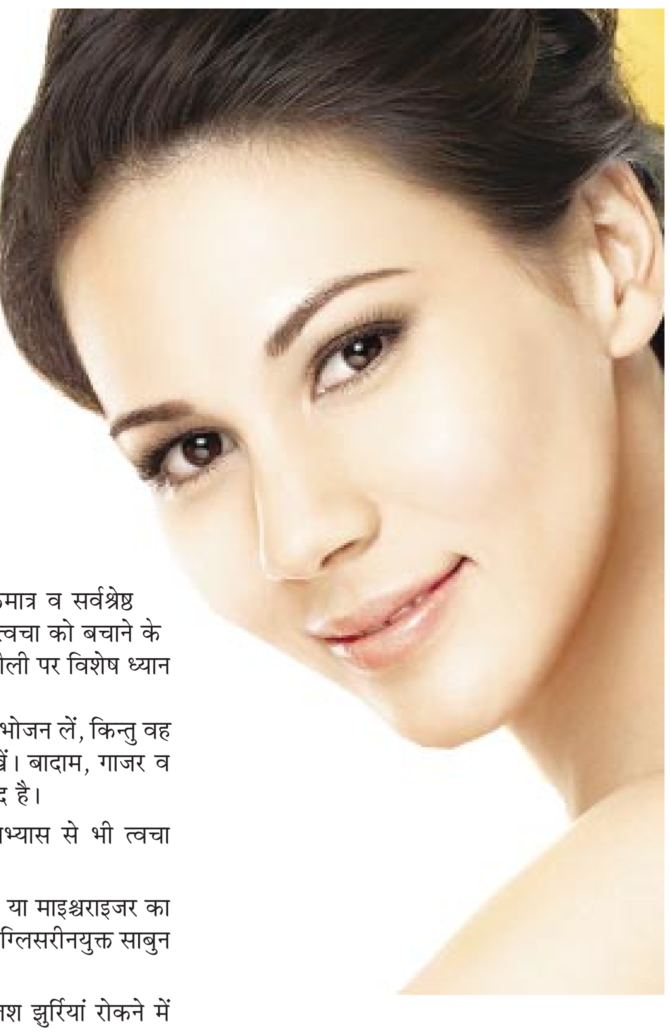

प्रदूषण, धूल–मिट्टी, तनाव, धूप और दौड़भाग न जाने कितनी चीजों का सामना हमारी त्वचा को प्रतिदिन करना पड़ता है। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र के पहले ही चेहरे पर झुर्रियों पड़ जाती हैं। चिरयुवा बने रहने तथा सौंदर्य कायम रखने में सबसे बड़ी बाधा हैं झुर्रियों की समस्या। बढ़ती उम्र के निशान सबसे पहले चहरे पर ही नजर आते हैं। यदि त्वचा की उचित तरीके से देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

नैसर्गिक रूप से महिलायें अपने सौंदर्य के प्रति सचेत रहती हैं, कभी–कभी असमय ही झाईयां–झुरियां होने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। आमतौर पर झुर्रियां बढ़ती उम्र की निशानी मानी जाती है लेकिन जिस तरह से हमारे खानपान व जीवनशैली में बदलाव आया है, उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगी है। झुर्रियां अक्सर शरीर के भागों में होती हैं जो अक्सर खुला, नाजुक और कोमल रहता है।

कैसे पड़ती है झुर्रियां –

झुर्रियों का प्रमुख कारण त्वचा की खुश्की है। त्वचा की प्राकृतिक चिकनाई होने लगती है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास लकीरें होने लगती है। क्रोध, चिंता, शोध, झुंझलाहट, तनाव आदि का असर त्वचा पर पड़ता है। तनावयुक्त रहने पर हमारे माथे पर सलवटें पड़ती है जिससे वहां की त्वचा में ढीलापन आकर त्वचा लटक जाती है और झुर्रियां पड़ने लगती है।

अधिक धूप आंतरिक त्वचा के लिये नुकसानदायक है। तीव्र धूप त्वचा की स्कीन को सोखकर उसे सिकोड़ देती है जो अंखों के नीचे झुर्रियों का कारण होते हैं। ठंड के प्रकोप से भी त्वचा कठोर हो जाती है और झुर्रियां नजर आने लगती है।

साबुन में मौजूद कॉस्टिक सोडा त्वचा के रहे– सहे तेल को भी सोख लेता है। जिससे कम उम्र में ही हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। कॉस्मेटिक का अधिक उपयोग भी त्वचा के लिए हानिकारक है।

कॉस्मेटिक्स त्वचा के भीतर जाकर उसके रोमछिद्रों को अवरूद्ध कर देते है। जिससे त्वचा की सही तरीके से सफाई नहीं हो पाती और धीरे–धीरे हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है।

कहां होती है झुर्रियां –

झुर्रियां अक्सर हमारे चेहरे और गर्दन पर होती है। चूँकि ये शरीर के वे भाग हैं, जो सबसे ज्यादा धूप व बाहरी वायु के सम्पर्क में होते है। आंखों के नीचे से शुरू होकर झुर्रियां गर्दन के आसपास भी होने लगती है।

झुर्रियों से बचाव तथा उपचार–

झुर्रियों से मुक्ति पाने का एकमात्र व सर्वश्रेष्ठ उपाय है, इससे बचाव। झुर्रियों से त्वचा को बचाने के लिए हमें अपने खानपान व जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना होगा।

- प्रोटीन तथा तैलीय तत्वों से युक्त भोजन लें, किन्तु वह गरिष्ठ न हो इसका भी ध्यान रखें। बादाम, गाजर व आंवले का सेवन अत्यंत लाभप्रद है।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।
- त्वचा को रूखा न रहने दें मलाई या माइश्चराइजर का प्रयोग करें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें।
- नियमित रूप से चेहरे की मालिश झुर्रियां रोकने में सहायक है।
- तनाव चिंता से दूर रहें दैनिक व्यवहार में सौम्य व प्रसन्न रहें।
- पानी भरपूर पिएं।

झुर्रियां समाप्त करने के नुस्खे:

- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने तथा फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- टमाटर और नीबू का रस मिलाकर शरीर पर लगाएं। नहाते समय इस लेप को रगड़कर छुड़ा दें। कुछ सप्ताह तक ऐसा करने से त्वचा कोमल हो जाती है।
- शहद में मलाई और नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर चेहरे व आंखों के नीचे लगाएं। इससे आंखों के नीचे का कालापन दूर होकर झुर्रियां समाप्त होती है।
- मूली कसकर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं, एक घण्टे बाद कुनकुने पानी से धो लें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें, रात भर पड़ा रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं । ऐसा करने से त्वचा में कसाव आता है।
- पपीते का गुदा मसलकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा साफ कर लें। कुछ दिन लगातार ऐसा करने से झुर्रियों से मुक्ति मिलती है।
- आधा चम्मच मलाई में नींबू की चार– पांच बूंदे मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर अच्छी तरह मलें। दोनों हाथों से मलाई तब तक मलते रहें जब तक कि मलाई घुलकर त्वचा में एकसार न हो जाए।
- खीरे को कद्दूकस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा कांतिमय होती है।
- त्वचा की झुर्रियां मिटाने के लिए गाजर, टमाटर और चुकंदर का रस नियमित पिएं।
- ई और ओ बोलते हुये एक बार चेहरे को फैलाएं और फिर सिकोड़ें। इससे गालों का अच्छा व्यायाम होता है। जिसमें गालों की पुष्टि होती है और झुर्रियों से बचाव।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक–5–6–9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक–2–6–8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) – यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक–4–7–9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) – लेन–देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक–1–3–5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) – दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक–2–6–8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) – विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला–खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक–3–7–8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) – शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक–3–5–7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) – आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक–5–6–8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) – व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन–देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक–2–6–8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) – समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक–4–6–7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक–3–5–8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) – जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक–2–5–7

काकुरो पहेली - 2017

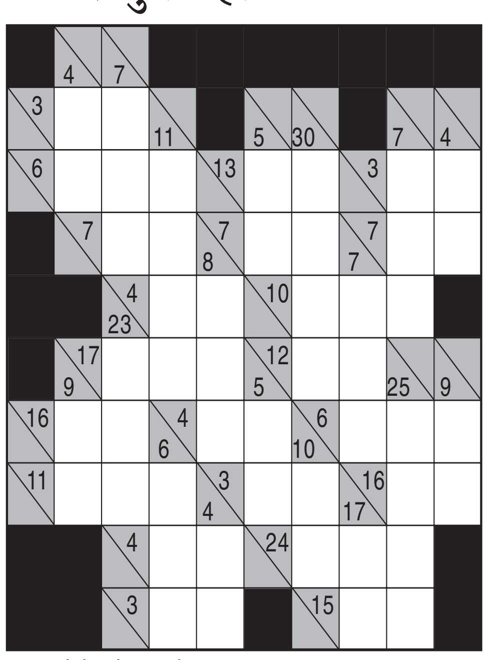

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरण:

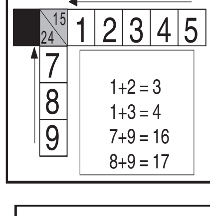

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2016 का हल

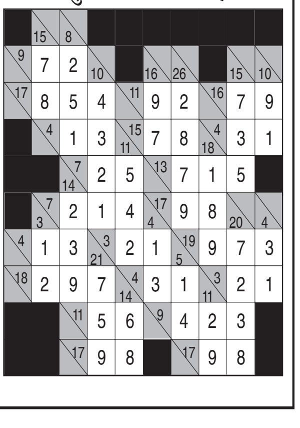

लॉफिंग जोक्स

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला– पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी– अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला– मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा– मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज–रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा– वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

गीता अपनी सहेली सीता से बोली– पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता– अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

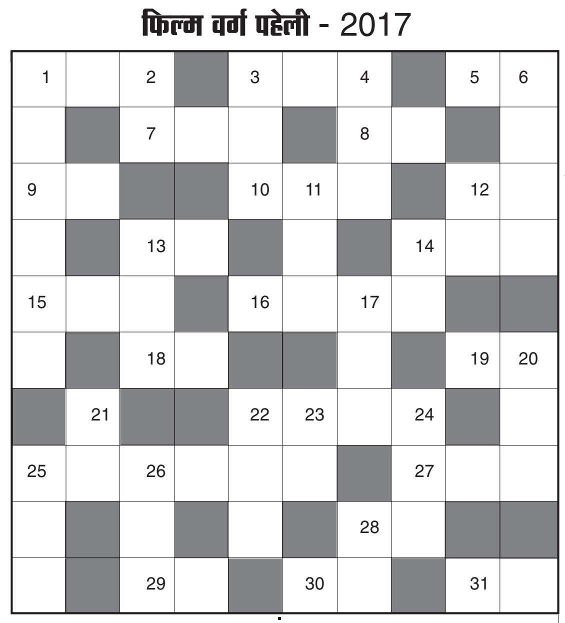

ऊपर से नीचे:–

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म–२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका–२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म–३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म–३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म–४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म–१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म–२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म–३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म–२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म–३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी ?–३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था–२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म–३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म–२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म–३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म–३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म–३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म–२

बायें से दायें:–

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म–३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म–३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म–२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म–३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?–२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म–२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म–३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म–२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म–२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म–३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म–३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म–४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म–२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म–२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म–४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म–३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म–३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म–२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी–२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म–२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 2016

आ	शि	क	■	दी	वा	र	■	प्रे	म
शि	■	न्है	■	वी	■	फू	ल	■	न
की	■	या	रा	ना	■	च	■	रा	का
■	शा	■	जा	■	ट	क	र	■	मी
जा	न	की	बा	जी	■	र	■	अं	त
गृ	■	■	बू	■	ही	■	दा	दा	■
ति	रं	गा	■	को	रा	का	ग	ज	■
■	ग	■	आ	ह	■	श	■	■	सं
दे	■	रा	जा	रा	नी	■	रा	जा	जी
व	क्त	■	द	■	ना	रा	ज	■	व

सूडोकु -2017

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2016 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2017

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता–निर्देशक –2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता–4
7.जीत, फतेह–2
8.आकाश रेखा, छोर–3
9.तल, पैंदा–2
10.थाती, धरोहर–4
11.मोटा आटा–2
13.सलाह, मशवरा–4
14.अन्य, वो, तिन–2
16.घर,गृह–3
18.धावक (अंग्रेजी–3)
19.नाम रखना–2,3
21.परामर्शदाता–5
24.सुनसान, नीरव–3
26.वन, जंगल–3
28.मिट्टी, रेत–2
29.चेतनाहीन–4
30.पराग कण–2
32.भयभीत होना–4
33.छोटी सवारी गाड़ी–2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी–3
36.द्वार,किवाड़–2
37.जनता की राय–4
38.नाटक लिखने वाला–5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह–2
2.करतब–4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो–3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा–3
5.लीन, मग्न–2
6.जलाऊ लकड़ी–4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू–4)
12.बांया–2
15.आनंदित होना–4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म–3
18.योद्धा–4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म–3
22.मुआवजा–4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया–3,2
25.राज वंश–2,3
26.काम, कार्य–4
27.मादा का विलोम–2
29.उपद्रव फैलाने वाला–4
31.दुनिया, जहान–3
34.क्रिकेट में बनते हैं–2
36.पंख, पराया–2

शब्द पहेली -2016 का हल

अ	रा	ज	क	ता	■	■	म	वा	ली	■
स	म	■	ल	■	चा	ला	न	■	ख	त
मा	■	■	प	ना	ह	■	न	■	■	म
न	ज	रा	ना	■	■	म	■	क	या	स
ता	■	व	■	ना	ला	य	क	■	प	■
■	प्रा	ण	■	म	■	खा	■	जा	न	■
■	रु	■	आ	ज	मा	ना	■	हि	■	म
स	प	ना	■	द	■	■	ब	ल	वा	न
र	■	■	स	■	ल	की	र	■	■	भा
ल	व	■	न	सी	ब	■	सा	■	दा	व
■	ध	म	की	■	■	इ	त	मी	ना	न

सीबीआई ने दुर्लभ प्रजाति के 65 कछुओं के साथ दो को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दो दुर्लभ प्रजाति के 65 कछुओं के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए सभी कछुए जीवित थे, इसलिए उन्हें सुरक्षित संरक्षण के लिए दिल्ली चिड़ियाघर को सौंप दिया गया है।सीबीआई के बयान के मुताबिक, वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो के सहयोग से खुफिया सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गयी। इन 65 कछुओं के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन 65 कछुओं में से 50 छतदार और 15 चित्तीदार तालाब कछुए हैं। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 51 और धारा 39, 44, 48ए, 49 और 49बी के तहत मामला दर्ज किया है। सीबीआई अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन कछुओं की तस्करी कहां से हो रही थी और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस व्यापार से जुड़े पैसों का लेन-देन कैसे हो रहा था। उल्लेखनीय है कि भारत में वन्यजीव तस्करी एक गंभीर अपराध है। दुर्लभ प्रजातियों के कछुओं की तस्करी का मकसद आमतौर पर उन्हें विदेशी बाजारों में बेचना होता है। म्यांमार, चीन और थाईलैंड जैसे देशों में इनकी बड़ी मांग है।

सीबीआई ने किया एनएचएआई के जीएम को 15 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार, 1.18 करोड़ बरामद

पटना, लखनऊ। पटना में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई)के ठेके में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को एनएचएआई के पटना क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक (जीएम) को 15 लाख रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। इस मामले में महाप्रबंधक समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही तलाशी के दौरान उनके पास से 1.18 करोड़ रुपये कैश भी बरामद किया गया है। दरअसल सीबीआई ने 22 मार्च को 12 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इनमें छह सरकारी अधिकारी और निजी कंपनी के प्रतिनिधि भी शामिल थे। इन पर आरोप है कि एनएचएआई के अधिकारी और प्राइवेट कंपनी के लोग ठेके के भुगतान पास कराने के लिए रिश्वत ले रहे थे। 15 लाख रुपये की रिश्वत पटना में एनएचएआई के महाप्रबंधक को दी जानी थी। जैसे ही महाप्रबंधक ने रिश्वत की रकम ली तभी सीबीआई ने जाल बिछाकर एनएचएआई के महाप्रबंधक और रिश्वत देने वाले अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के उनके संपर्क रखने वाले लोगों के बारे में पता किया। इसके बाद सीबीआई की टीमों ने पटना स्थित मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के साथ ही मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, पूर्णिया, रांची और वाराणसी में एक साथ छापेमारी की। इस कार्रवाई में जहां 1.18 करोड़ रुपये कैश जब्त किया गया।

अनंतनाग के जंगल में सुरक्षाबलों ने आतंकवादी ठिकाने का किया भंडाफोड़

अनंतनाग। अनंतनाग जिले के एक जंगल में सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इसका इस्तेमाल आतंकवादी रसद अड्डे के रूप में कर रहे थे। यहां से 200 खाली एके कारतूस, दो गैस सिलेंडर, एक चीनी ग्रेनेड, एक नाइट विजन डिवाइस (एनवीडी), बिस्तर, बर्तन और खाने के पैकेट बरामद किये गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस ठिकाने का भंडाफोड़ विशेष अभियान समूह (एसओजी) अनंतनाग, सेना की 19 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने संगलान जंगल के ऊंचे इलाकों में उत्तरसू पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में किया। पुलिस ने कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर सुरक्षाबलों ने घने जंगल क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान चलाया, जिससे इस ठिकाने का पता चला। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि इसका इस्तेमाल आतंकवादी रसद अड्डे के रूप में कर रहे थे। बरामद की गई वस्तुओं में 200 खाली एके कारतूस, दो गैस सिलेंडर, एक चीनी ग्रेनेड, एक नाइट विजन डिवाइस (एनवीडी), बिस्तर, बर्तन और खाने के पैकेट शामिल हैं।

आठ वर्षों में यूपी का परसेप्शन पूरी तरह बदला : सीएम योगी

लखनऊ। प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूरे होने के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में अपनी सरकार के विकास कार्यों का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया। इस दौरान आठ वर्षों में यूपी में सरकार के कामकाज पर एक झलक रिपोर्ट कार्ड डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई और पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा और 25 करोड़ प्रदेशवासियों के समवेत प्रयास से आज यह उत्तर प्रदेश, भारत के 'श्रम शक्ति पुंज से अर्थ शक्ति पुंज' बनने की ओर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश वही है, लेकिन बीते आठ वर्षों में परसेप्शन पूरी तरह से बदल चुका है। सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में जो पहचान बनी है, उसका एहसास उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरा भारत कर रहा है। उन्होंने कहा कि आठ वर्ष पहले बीमारू राज्य की पहचान रखने वाला उत्तर प्रदेश आज देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री ने 25 करोड़ प्रदेशवासियों को आठ वर्ष की इस शानदार यात्रा के लिए बधाई दी।

क्षेत्र का विकास ही मेरा मकसद, भितरवार क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और शिलान्यास : सिंधिया

एजेंसी

ग्वालियर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जिले के भितरवार क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि क्षेत्र का विकास ही मेरा मकसद है। विकास को गति देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया भितरवार में पं. दीनदयाल उपाध्याय स्टेडियम निर्माण का भूमिपूजन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय का लोकार्पण, नगर पंचायत भवन का लोकार्पण, अमृत योजना के अंतर्गत जल प्रदाय योजना एवं पाँच विद्युत सब स्टेशन का भूमिपूजन करने यहां पहुंचे थे। कार्यक्रम में प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भितरवार विधायक मोहन सिंह राठौर, पूर्व मंत्री इमरती देवी, पूर्व जिला अध्यक्ष ग्रामीण कौशल शर्मा एवं वीरेन्द्र जैन सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। सिंधिया ने कहा कि ग्वालियर-

चंबल संभाग में विकास के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। भितरवार क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। क्षेत्र के विकास और प्रगति के लिये हर संभव प्रयास किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के चहुँमुखी विकास के लिये कार्य किए जा रहे हैं। भितरवार क्षेत्र में भी विकास की अनेक परियोजनायें शुरू की गई हैं, जिनके सार्थक परिणाम सामने आयेंगे। उन्होंने कहा कि नागरिकों की मांग पर मोहना में भी शीघ्र ही सीएम राइज स्कूल स्थापित कराने के सार्थक प्रयास किए जायेंगे। क्षेत्र के विकास के लिये अनेक सड़कों का निर्माण भी केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किया गया है, जिससे भितरवार भी अब मुख्य धारा में जुड़ गया है। इस अवसर पर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का कहना था कि केन्द्रीय मंत्री सिंधिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में ग्वालियर-चंबल संभाग में विकास के अनेक कार्य किए जा रहे हैं। आने वाले समय में ग्वालियर व चंबल संभाग की तस्वीर और तकदीर बदली-बदली नजर आयेगी। उन्होंने कहा कि विद्युत के क्षेत्र में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। आम उपभोक्ताओं को नियमित विद्युत आपूर्ति हो, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। डबरा एवं भितरवार क्षेत्र में विद्युत के उप सब स्टेशन निर्माण का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है। विद्युत के क्षेत्र में कोई भी समस्या हो तो उसके निराकरण के लिये हम हर संभव प्रयास करेंगे।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को मनुस्मृति का पूरा ज्ञान था : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को मनुस्मृति का पूरा ज्ञान था। उनकी अनुयायी और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी इसका पूरा ज्ञान है। तभी इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाकर यहां दुःखी और पीड़ितों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बसपा की स्थापना की गई है, यह भी सर्वविदित है। मायावती ने भाजपा, कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने पोस्ट में कहा है कि कांग्रेस, बीजेपी व अन्य किसी भी पार्टी को उनके राजनैतिक स्वार्थ में, ख़ासकर आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे। जरूरत पड़ने पर इसके विरुद्ध बसपा संघर्ष के लिए भी तैयार है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार का आठ वर्षों का शासनकाल, जनता की उम्मीद के

हिसाब से पूरे तौर से खरा नहीं उतरा है। कानून-व्यवस्था के मामले में तो स्थिति काफी ज्यादा ख़राब रही है, जिससे जनता काफी दुःखी है। इस ओर सरकार जरूर ध्यान दे।

छत्रपति शिवाजी महाराज को अपमानित करने वाला आरोपित तेलंगाना में गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज को अपमानित करने वाले और इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देने वाले आरोपित प्रशांत कोरटकर को कोल्हापुर पुलिस ने तेलंगाना में गिरफ्तार किया है। इस मामले में प्रशांत कोरटकर पिछले एक माह से फरार चल रहे थे। कोल्हापुर के पुलिस अधीक्षक महेंद्र पंडित ने पत्रकारों को बताया कि प्रशांत कोरटकर के विरुद्ध छत्रपति शिवाजी महाराज को अपमानित करने और इतिहासकार इंद्रजीत सावंत को धमकी देने का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने कोरटकर को अग्रिम जमानत मिली थी, लेकिन इस अग्रिम जमानत को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने कोरटकर को नागपुर, इंदोर, मुंबई और चंद्रपुर में तलाश की गई थी। पुलिस को देर रात तक कोरटकर को लेकर कोल्हापुर पहुंचेगी और कोरटकर को कोर्ट में पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि कोरटकर का

मोबाइल ट्रेस नहीं हो रहा था। आज उनका मोबाइल तेलांगाना में ट्रेस हुआ, जिससे पुलिस को कोरटकर के लोकेशन का पता चला और पुलिस ने तत्काल कोरटकर को गिरफ्तार कर लिया है। कोरटकर के विरुद्ध पुलिस के पास पर्याप्त सबूत हैं, कल कोरटकर को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इतिहासकार इंद्रजीत सावंत ने कहा कि पुलिस ने एक माह बाद प्रशांत कोरटकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को कोरटकर को कोर्ट में पेश कर कार्रवाई करनी चाहिए, जिससे उसे जल्द जमानत न मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रशांत कोरटकर ने 24 फरवरी को रात 12.08 बजे इंद्रजीत सावंत को फोन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में आपत्तिजनक बयान देकर सावंत को धमकाया था।

जानकारी मिली है कि कोरटकर ने कोल्हापुर पुलिस बल में कार्यरत एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से इंद्रजीत सावंत का नंबर प्राप्त किया था। 25 फरवरी को इंद्रजीत सावंत की शिकायत के आधार पर कोल्हापुर के राजवाड़ा पुलिस स्टेशन में कोरटकर के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था।

मनखे-मनखे एक समान' के सिद्धांत से समरस बनेगा छत्तीसगढ़ : राष्ट्रपति

एजेंसी

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के रजत जयंती समारोह में भाग लेते हुए प्रदेशवासियों को 25 वर्षों की लोकतांत्रिक यात्रा की बधाई दी और विधानसभा की उत्कृष्ट संसदीय परंपराओं की भूरि-भूरि प्रशंसा की। राष्ट्रपति मुर्मु ने छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के असाधारण मार्गदर्शन का परिणाम बताया और उनके प्रति सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकतांत्रिक यात्रा, जन-आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति का एक प्रेरणास्पद उदाहरण है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'मनखे-मनखे एक समान' के सिद्धांत से छत्तीसगढ़ समरस बनेगा।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने विधायक काल की स्मृतियाँ साझा करते हुए कहा कि जन-प्रतिनिधि के रूप में कार्य करना जनसेवा की भावना से प्रेरित व्यक्तियों के लिए एक सौभाग्य होता है। उन्होंने विधानसभा को संस्कृति की संवाहक और नीति निर्धारण की दिशा देने वाला केंद्र

बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा अपनाई गई अनुशासित और मर्यादित परंपराओं की सराहना की। विशेष रूप से उन्होंने 'स्वयमेव निलंबन' जैसे नियमों की सराहना की और इस बात को ऐतिहासिक बताया कि 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ विधानसभा में कभी भी मार्शल का उपयोग नहीं करना पड़ा।

राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ को मातृशक्ति का साक्षात प्रतीक बताते हुए राज्य की सांस्कृतिक गरिमा को नमन किया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की महिला विभूति मिनी माता को याद करते हुए उनके योगदान को नमन किया।

साथ ही उन्होंने इस बात की सराहना की कि आज विधानसभा में 19 महिला विधायक हैं और राज्य में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही है। राष्ट्रपति ने महिला विधायकों से आह्वान किया कि वे राज्य की अन्य महिलाओं को सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएँ। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' की भावना को धरातल पर उतारने की अपील की।

संभल जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष गिरफ़्तार

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और एडवोकेट ज़फ़र अली को कई घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ़्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनकी गिरफ़्तारी की पुष्टि की है, लेकिन अब तक कोई अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। बीबीसी की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि पुलिस ने डिजिटल साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ज़फ़र अली को गिरफ़्तार किया है। रविवार सुबह उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जिसके बाद उन्हें जज के सामने पेश करने के लिए ले जाया गया। संभल में पिछले साल नवंबर में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर भारी तनाव हुआ था। इस दौरान भड़की हिंसा में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई थी, हालांकि पुलिस ने चार मौतों की ही आधिकारिक पुष्टि की थी। मारे गए सभी लोग मुस्लिम समुदाय से थे। इस घटना के बाद पुलिस ने हिंसा के आरोप में कई लोगों को गिरफ़्तार किया है। ज़फ़र अली, जो जामा मस्जिद प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हैं और अदालत में मस्जिद की तरफ़ से पेश होते रहे हैं, उनकी गिरफ़्तारी से क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

ज़फ़र अली की गिरफ़्तारी से जुड़ी परिस्थितियों को लेकर अब तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। स्थानीय समुदाय की प्रतिक्रिया और प्रशासन के अगले कदम पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

उत्तराखंड में मदरसों पर ताला लगाने के विरुद्ध जमीअत उलमा-ए-हिंद ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने पिछले दिनों रष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की सिफारिश को आधार बनाकर मदरसों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। इसके खिलाफ जमीअत उलमा-ए-हिंद सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई हो सकती है। एनसीपीसीआर ने केन्द्र और राज्यों को निर्देश दिया था कि कथित रूप से शिक्षा का अधिकार एक्ट से संबंध न रखने वाले सभी मदरसों को बंद करा दिए जाए। राष्ट्रीय आयोग ने कहा था कि मदरसों में बच्चों को उचित शिक्षा नहीं दी जा रही है और यह बच्चों के अधिकार के खिलाफ है। आगे यह भी कहा गया था कि मदरसों में बच्चों को न केवल उचित शिक्षा बल्कि स्वस्थ

वातावरण और विकास के अच्छे अवसर से भी वंचित रखा जा रहा है। सरकारी अधिकारियों ने उत्तराखंड में बड़े स्तर पर मदरसों के खिलाफ फिर कार्रवाई शुरू कर दी है। जमीअत उलमा-ए-हिंद का कहना है कि अब तक इस कार्रवाई में बिना पूर्व सूचना के बहुत से मदरसों को ज़बरदस्ती बंद करवा दिया गया, हालांकि यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का उल्लंघन है। उल्लेखनीय है कि जब उत्तर प्रदेश में इस प्रकार की पहले कार्रवाई की गई थी तो जमीअत उलमा-ए-हिंद ने इस साजिश को विफल बनाने के लिए मौलाना अरशद मदनी के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दाखिल की थी। इसमें उन सभी दावों को चुनौती दी गई थी जिसके बाद अदालत ने उन सभी नोटिसों पर रोक लगा दी जो विभिन्न राज्यों विशेष रूप से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मदरसों को जारी किए गए थे। उत्तराखंड में मदरसों के खिलाफ इस कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए आज जमीअत ने इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की है। जमीअत का कहना है कि उतराखंड में मकतबों और मदरसों, जो केवल मुस्लिम समुदाय के बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने के माध्यम हैं, के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप और उन्हें लगातार भयभीत किया जा रहा है।

उत्तराखंड सरकार अवैध मदरसों की फंडिंग की करेगी जांच, अब तक 136 मदरसे सील

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की धामी सरकार अवैध रूप से संचालित मदरसों पर कार्रवाई के बाद अब उनकी फंडिंग की गहन जांच करने जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि प्रदेश में अवैध मदरसों, मजार और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध रूप से बड़े पैमाने पर मदरसों का संचालन गंभीर विषय है जिसकी जांच के लिए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसकी रिपोर्ट अधिकारी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय को सौंपेंगे। प्रदेश में अवैध मदरसों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक पूरे प्रदेश में 136 मदरसों को कागजात पूरे न होने पर सील किया जा चुका है, जबकि रिपोर्ट में पूरे प्रदेश में 500 से अधिक अवैध मदरसे संचालित होने की बात कही जा रही है। बताया गया है कि राज्य में करीब 450 पंजीकृत मदरसे हैं, जो शासन को अपने दस्तावेज, बैंक खाते और आय-व्यय का पूरा ब्योरा देते हैं लेकिन दूसरी ओर 500 से अधिक

मदरसे बिना किसी मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इन मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों का सत्यापन और आर्थिक स्रोतों की जांच के लिए शासन ने जिला प्रशासन को सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि इन अवैध मदरसों को किस स्रोत से धन मिल रहा है और उसका उपयोग किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है।

सीमा से सटे क्षेत्रों में खुल रहे अवैध मदरसे

पिछले कुछ समय में उत्तर प्रदेश से सटे कस्बों जैसे जसपुर, बाजपुर, किच्छा, काशीपुर, रुद्रपुर, गदरपुर, पछवादून और हरिद्वार जिले में बिना पंजीकरण के कई मदरसे खुलने की सूचना मिली है। सरकार इन मदरसों के स्रोतों और उद्देश्यों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। अवैध मदरसे का निर्माण रुकवायादेहरादून जिला प्रशासन की टीम ने सहसपुर के एक बड़े मदरसे को अवैध निर्माण मामले में पूर्व में दिए नोटिस के बाद सील कर दिया। उक्त मदरसे ने बिना प्राधिकरण की अनुमति के एक मंजिल का अवैध रूप से निर्माण कर लिया था।

भारतीय सेना का बड़ा कदम : पश्चिम बंगाल में 350 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी, नेपाल के पूर्व सैनिकों को भी मिला लाभ

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय सेना ने पश्चिम बंगाल के बागडोगरा स्थित 158 बेस अस्पताल में नेत्र चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया। 20 से 24 मार्च तक चले इस विशेष शिविर में 1,752 भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की आंखों की जांच हुई, जबकि 350 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी की गई। इस पहल के तहत नेपाल के 17 पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का भी मुफ्त इलाज किया गया। इस शिविर में आर्मी हॉस्पिटल (रिसर्च एंड रेफरल), नई दिल्ली; बेस हॉस्पिटल, दिल्ली कैंट और कमांड हॉस्पिटल, लखनऊ की विशेषज्ञ चिकित्सा टीम ने योगदान दिया। शिविर के दौरान मरीजों को उच्च-गुणवत्ता वाले लेंसों और आधुनिक उपकरणों का उपयोग कर बेहतरीन नेत्र चिकित्सा सुविधा दी गई। साथ ही 500 से अधिक उच्च-

मानक चश्मे भी निःशुल्क वितरित किए गए। इस शिविर का एक महत्वपूर्ण पहलू नेपाल के पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों का इलाज रहा। इनमें से कुछ को निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी भी उपलब्ध कराई गई। सेना ने यह सुनिश्चित किया कि इन पूर्व सैनिकों को बिना लंबी यात्रा किए सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल मिल सके। इस पहल का नेतृत्व आर्मी हॉस्पिटल के नेत्र रोग विभाग प्रमुख और वरिष्ठ नेत्र शल्य चिकित्सक ब्रिगेडियर संजय कुमार मिश्रा ने किया। उन्हें अब तक एक लाख से अधिक मोतियाबिंद, विट्रोरेटिनल, अपवर्तक और ग्लूकोमा सर्जरी करने का श्रेय प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह शिविर पूर्व सैनिकों के लिए विश्व स्तरीय नेत्र चिकित्सा सुविधा उनके दरवाजे तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस शिविर का आयोजन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अनुरोध पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी के निर्देशों के तहत किया गया। इसका उद्देश्य पूर्वी भारत के दिग्गज सैनिकों को सर्वोत्तम नेत्र चिकित्सा सेवा प्रदान करना था।

मप्र के कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकले पांच चीते, बछड़े पर झपटे तो ग्रामीणों ने मारे पत्थर, वन विभाग की टीम ने दी समझाइश

एजेंसी

भोपाल/श्योपुर। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में एक माह पहले बाड़े से निकालकर खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावक जंगल की सीमा से बाहर निकल आए। सोमवार सुबह श्योपुर की विजयपुर तहसील के भैरोपुरा गांव में मादा चीता ने एक बछड़े पर हमला कर दिया। बछड़े पर हमला होते देख उसके मालिक और ग्रामीणों ने चीतों पर पत्थर मारना शुरू कर दिया। हालांकि कूनो की टीम ने मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से ऐसा नहीं करने को कहा। दरअसल, एक महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावक शनिवार शाम को पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे। चीते रविवार को दोपहर बाद फिर कूनो के जंगल की ओर लौट गए थे। लेकिन रविवार रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास देखे गए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर थे। सोमवार सुबह ये पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी में पहुंचे। वे निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान कूनो सायफन से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ चीतों को देखने के लिए जमा हो गई। मादा चीता और शावक एक-एक कर रास्ता पार कर रहे थे, तभी उन्होंने गाय के बछड़े पर हमला कर दिया। मादा चीता और शावकों को भगाने के लिए ग्रामीण लाठी लेकर दौड़े और पत्थर मारना शुरू कर दिए।

कामेडियन कुणाल कामरा ने माफी मांगने से इंकार किया, कहा- किसी से सुपारी नहीं ली

एजेंसी

मुंबई। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यंगात्मक टिप्पणी करने वाले कामेडियन कुणाल कामरा माफी मांगने से साफ इंकार कर दिया है। मुंबई पुलिस से फोन पर बात करते समय कुणाल कामरा ने कहा कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया तो माफी मांगने का सवाल ही पैदा नहीं होता। इसके बाद उन्होंने कहा कि अगर कोर्ट कहेगा तो वे माफी मांग लेंगे। इस बातचीत के बाद मुंबई पुलिस कुणाल कामरा के विरुद्ध कार्रवाई की प्रक्रिया तय कर

रही है। मुंबई पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस टीम उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यंगात्मक टिप्पणी के बाद कुणाल कामरा से बार-बार उनके मोबाइल फोन पर संपर्क कर रही थी। दोपहर के समय मुंबई पुलिस की कामरा से उनके मोबाइल पर बातचीत हुई। कामरा ने कहा कि वे तमिलनाडु में हैं और उन्होंने कुछ गलत नहीं कहा है। इसलिए माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता है। कामरा ने कहा कि उन्होंने किसी से सुपारी नहीं ली है। पुलिस को चाहिए तो उनका बैंक खाता तलाश सकती है। कामरा ने कहा कि उन्हें कोर्ट पर भरोसा है, इसलिए कोर्ट के कहने पर माफी मांग लेंगे। इस बातचीत के बाद मुंबई पुलिस कामरा के विरुद्ध किस तरह की कार्रवाई की जाए, इस पर विचार कर रही है। कामेडियन कुणाल कामरा ने खार स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर व्यंगात्मक टिप्पणी की थी। इसके बाद नाराज शिवसैनिकों ने खार स्थित उस होटल में तोड़फोड़ की थी। साथ ही कुणाल कामरा के विरुद्ध मामला भी दर्ज करवाया गया था। इसके बाद विधानमंडल के दोनों सभागृहों में कुणाल कामरा पर कार्रवाई को लेकर मांग की गई थी। इसका जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि कुणाल कामरा ने किसी से सुपारी लेकर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपमानित करने के लिए इस तरह की व्यंगात्मक टिप्पणी की होगी। इसलिए कुणाल कामरा को तत्काल माफी मांग लेना चाहिए। साथ ही गृहराज्य मंत्री ने कुणाल कामरा का सीडीआर की जांच करने, उन पर तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया था।

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवी में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवी के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवी तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यू से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है – ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे –

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नही होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि:सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय: किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमित अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्सः सीमा रानी और झंडू कुमार ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़े, मोना अग्रवाल ने जीता स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के पांचवें दिन पावरलिफ्टिंग में दो नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने, जबकि पैरालंपियन निशानेबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पंजाब की सीमा रानी और बिहार के झंडू कुमार ने पावरलिफ्टिंग में रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सीमा रानी ने महिलाओं के इलीट 61 किलोग्राम वर्ग में 97 किग्रा भार उठाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि झंडू कुमार ने पुरुषों के इलीट 72 किलोग्राम वर्ग में 206 किग्रा भार उठाकर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह झंडू का खेलो इंडिया पैरा गेम्स में दूसरा पदक था, जिन्होंने पहले 2023 में रजत जीता था। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पेरिस 2024 पैरालंपिक कांस्य पदक विजेता मोना अग्रवाल ने मिक्स्ड 50 मीटर प्रोन एसएच1 इवेंट में 243.3 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले वह महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 और मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच2 में रजत जीत चुकी थीं। राजस्थान के निहाल सिंह, जिन्होंने पेरिस पैरालंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया है, ने मिश्रित 25 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक बरकरार रखा।

राष्ट्रीय महिला हॉकी लीगः फाइनल फेज के पांचवें दिन ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र और झारखंड की शानदार जीत

रांची। मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम (रांची) में खेले जा रहे नेशनल विमेंस हॉकी लीग 2024-25 के फाइनल फेज के पांचवें दिन हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, हॉकी मिजोरम, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी झारखंड ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अंकतालिका में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। पहला मुकाबलाः हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पूल-ए के मुकाबले में हॉकी हरियाणा को 2-0 से हराया। ओडिशा की ओर से प्रतिभा किंडो (9फीसदी) और शिबानी लुगुन (59फीसदी) ने गोल दागकर टीम को शानदार जीत दिलाई। इस जीत के साथ ओडिशा की टीम अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई, जबकि हॉकी हरियाणा अभी भी शीर्ष पर बनी हुई है। दूसरा मुकाबलाःहॉकी मिज़ोरम ने रोमांचक मुकाबले में हॉकी मध्य प्रदेश को 2-1 से हराकर तीसरे स्थान पर कब्जा जमाया। मिज़ोरम की ओर से लालतलछुंगी (42फीसदी) और मंगलावमसंग (58फीसदी) ने गोल किए, जबकि मध्य प्रदेश के लिए सुनीता कुमारी (54फीसदी) ने एकमात्र गोल किया। इस हार के साथ हॉकी मध्य प्रदेश पांचवें स्थान पर खिसक गई।

रोचक रहा है ओवरवेट सॉफ्टवेयर इंजीनियर से लेकर पावरलिफ्टिंग में रिकॉर्ड तोड़ने तक का जसप्रीत कौर का सफर

नई दिल्ली। पंजाब की पावरलिफ्टर जसप्रीत कौर का खेल के शीर्ष पर पहुंचने का सफर किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उन्होंने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पावरलिफ्टिंग में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जिसके बाद जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के वेटलिफ्टिंग ऑडिटोरियम में जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया गया। 45 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए 30 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को अविश्वसनीय 101 किग्रा वजन उठाया, जो कि 16 मार्च को राष्ट्रीय स्तर पर एक सप्ताह पहले दर्ज किए गए 100 किग्रा के अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पार कर गया।एनआईटी कोझीकोड से स्नातक करने वाली इस ओवरवेट सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने अपनी मानसिक दृढ़ता के कारण खेल के मैदान में कदम रखते ही 40 किग्रा वजन कम कर लिया। जसप्रीत ने साई मीडिया से कहा कि डॉक्टरों ने मुझे बताया कि मेरी रीढ़ की हड्डी के निचले हिस्से पर दबाव पड़ रहा है और मुझे अपना वजन कम करने की जरूरत है। यह मेरे लिए एक चेतावनी थी। 2020 के दौरान उस समय मेरा वजन 80 किलोग्राम था और एक इंजीनियर के रूप में मेरी नौकरी के लिए मुझे कई घंटों तक बैठना पड़ता था। मुझे डर था कि कहीं ऐसा न हो कि मैं व्हीलचेयर पर आ जाऊं।

ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र और झारखंड ने राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग में जीत दर्ज की

रांची। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024-2025 के अंतिम चरण के पांचवें दिन हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा, मिजोरम, महाराष्ट्र और झारखंड ने अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की। आज यहां मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये पहले मैच में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पूल ए में हरियाणा को 2-0 से हराया। ओडिशा के लिए प्रतिभा किंडो ने (नौवें) और शिबानी लुगुन ने (59वें) मिनट में अपनी टीम के लिए गोल करके अंक तालिका में हरियाणा से शीर्ष स्थान छीन लिया। दूसरे मैच में मिजोरम ने मध्य प्रदेश को पूल ए में 2-1 से हराया। हॉकी मिजोरम के लिए लालतलाचुंगी नें (42वें) और मंगलावमसंग ने (58वें) मिनट में गोल किए, जबकि दूसरी ओर मध्य प्रदेश के लिए सुनीता कुमारी ने (54वें) मिनट में सांत्वना गोल किया। इस जीत के साथ मिजोरम अब पूल स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर है, जबकि मध्य प्रदेश पांचवें स्थान पर खिसक गया है। तीसरे मैच में महाराष्ट्र ने पूल ए में बंगाल को 4-2 से हराकर टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल की। महाराष्ट्र के लिए सानिका चंद्रकांत माने ने (18वें), तनुश्री दिनेश कडू ने (29वें), निक्कू गुर्जर ने (54वें) और खुशी ने (56वें) मिनट में खेल के दूसरे और चौथे क्वार्टर में गोल किए।

अजीत पाल सिंह अवॉर्ड मिलने पर हार्दिक सिंह बोले- यह पूरी टीम की मेहनत का परिणाम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह को हाल ही में आयोजित हॉकी इंडिया 7वें वार्षिक पुरस्कार समारोह में 'अजीत पाल सिंह अवॉर्ड फॉर मिडफील्डर ऑफ द ईयर 2024' से सम्मानित किया गया। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के साथ उन्हें 5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी प्रदान की गई। हार्दिक की गिनती भारतीय हॉकी के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों में होती है। उनकी रचनात्मकता, खेल को नियंत्रित करने की क्षमता और डिफेंस से अटैक तक तेज़ी से खेल को बदलने की उनकी कला ने उन्हें भारतीय टीम का अहम हिस्सा बना दिया है। पुरस्कार मिलने के बाद हार्दिक ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है, लेकिन मैं इसे पूरी टीम की मेहनत और एकजुटता का परिणाम मानता हूं। हॉकी ऐसा खेल है जिसमें व्यक्तिगत प्रदर्शन तभी चमकता है जब पूरी टीम तालमेल के साथ खेलती है। इस सम्मान के लिए मैं अपने साथियों, कोच और सहयोगी स्टाफ का शुक्रगुजार हूं। यह मुझे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। 2018 में अंतरराष्ट्रीय हॉकी में डेब्यू करने के बाद से हार्दिक सिंह दुनिया

के सबसे प्रभावशाली मिडफील्डरों में शामिल हो चुके हैं। उनकी तुलना हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह से की जाती है। हार्दिक की शांत सोच, ऊर्जा और खेल की समझदारी ने भारत को कई ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। हार्दिक ने भारत को 2024 पेरिस ओलंपिक्स और 2020 टोक्यो ओलंपिक्स में कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके अलावा, वह 2023 एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (चेन्नई) और 2022 हांगझो एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। वहीं, 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को रजत पदक दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही। अपने भविष्य के लक्ष्यों पर बात करते हुए हार्दिक ने कहा, हमारा सबसे बड़ा सपना 2026 हॉकी विश्व कप जीतना है। भारत ने अब तक सिर्फ एक बार, 1975 में विश्व कप जीता था। अब समय आ गया है कि हम इसे फिर से अपने देश में लाएं। उन्होंने आगे कहा, लगातार दो ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतने के बाद अब हमारी नजर 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स में स्वर्ण पदक पर है। हमें पता है कि मुकाबला कठिन होगा, लेकिन सही मानसिकता और तैयारी के साथ हम इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

हार्दिक का शानदार करियर और सम्मान

पंजाब के जालंधर से आने वाले हार्दिक सिंह भारतीय हॉकी टीम के मिडफील्ड में एक मजबूत उपस्थिति बना चुके हैं। उन्होंने 149 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 11 गोल दागे हैं। उनके शानदार करियर के लिए उन्हें कई सम्मान भी मिल चुके हैं, जिनमें शामिल हैं।

2021 में अर्जुन अवॉर्ड

2022 और 2023 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर

2023 में एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

हार्दिक सिंह का यह अवॉर्ड न केवल उनके शानदार खेल का प्रमाण है बल्कि भारतीय हॉकी के भविष्य की एक झलक भी दिखाता है। उनकी मेहनत, जोश और समर्पण ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, और अब उनकी नजरें भारत को विश्व चैंपियन बनाने पर टिकी हैं।

केएल राहुल और अथिया शेट्टी के घर आई नन्ही परी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल और उनकी अभिनेत्री पत्नी अथिया शेट्टी के घर खुशियों ने दस्तक दी। इस स्टार कपल को एक बेटी का आशीर्वाद मिला है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी साझा की।

राहुल और अथिया ने पिछले साल 8 नवंबर को सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उनकी पोस्ट में लिखा था, हमारा खूबसूरत आशीर्वाद जल्द आ रहा है। 2025। राहुल, जो इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं, अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए विशेष अनुमति लेकर घर लौट आए थे।

इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपना पहला मैच नहीं खेल सके। आईपीएल 2025 की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने राहुल को 14 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस खुशखबरी के सामने आते ही प्रशंसकों और शुभचिंतकों ने सोशल मीडिया पर बधाइयों की झड़ी लगा दी। बता दें कि अथिया शेट्टी बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सुनील शेट्टी की बेटी हैं। अथिया और राहुल ने 23 जनवरी 2023 को शादी की थी।

हम चाहते हैं कि खिलाड़ी बहादुरी से क्रिकेट खेलेंः पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन

एजेंसी

अहमदाबाद। पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। टीम 25 मार्च शाम को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। मुख्य कोच रिकी पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में पंजाब किंग्स इस सीजन में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार है। पहले मैच से पहले सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में टीम की तैयारियों को लेकर अहम जानकारियां साझा कीं।उन्होंने कहा, हमारा मुख्य ध्यान इस बात पर है कि खिलाड़ी पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरें। हमने धर्मशाला में एक शानदार ट्रेनिंग कैंप किया, जहां हमें भारतीय खिलाड़ियों को और बेहतर तरीके से जानने का मौका मिला। हमारे पास बेहतरीन प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, जो तेज-तर्रार और साहसी क्रिकेट खेलेंगे। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज के सामने पंजाब किंग्स की ओपनिंग

जोड़ी कैसी होगी, इस सवाल पर हैडिन ने स्पष्ट जवाब देने से बचते हुए कहा, हमें अभी तय करना है कि ओपनिंग कौन करेगा। हमारे पास मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस जैसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पहले भी यह भूमिका बखूबी निभाई है। हमें सही संयोजन बनाने पर ध्यान देना होगा। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के संतुलन वाली पंजाब किंग्स टीम इस सीजन में आक्रामक क्रिकेट खेलने के इरादे से उतरेगी। हैडिन ने कहा, हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी बहादुरी से क्रिकेट खेलें और परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन करें। यह एक नया समूह है, जिसमें हर जरूरत के हिसाब से खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम में हर जगह अनुभव मौजूद है। सहायक कोच ने टीम के मजबूत आपसी संबंधों की भी तारीफ की और कहा कि यह कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुवाई में और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा, हमारी टीम का माहौल हमारे लीडर्स के नेतृत्व में तैयार हुआ है। हमारे पास एक प्रेरित कप्तान श्रेयस अय्यर हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में काफी सफलता हासिल की है। उन्होंने पूरी टीम को एकजुट किया है। कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ी एक ही दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं।

महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिपः मीनाक्षी ने नीतू घनघस को हराया, पूजा रानी और सोनिया लाठर सेमीफाइनल में

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। आठवीं इलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन मीनाक्षी ने हाईवोल्टेज क्वार्टर फाइनल मुकाबले में राष्ट्रमंडल और विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नीतू घनघस को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अखिल भारतीय पुलिस (एआईपी) का प्रतिनिधित्व कर रहीं एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता मीनाक्षी ने अपने खिताब की रक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। पूर्व एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता पूजा रानी ने भी अपने मिडिलवेट (70-75 किग्रा) वर्ग के क्वार्टर फाइनल में कोमल को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इससे पहले, 7वीं महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पूजा ने स्वर्ण और कोमल ने कांस्य पदक जीता था। वहीं, विश्व और एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता सोनिया लाठर ने चंडीगढ़ की मोनिका को कड़े मुकाबले में 4-3 के स्प्लिट डिसीजन से हराकर अंतिम-4 में

प्रवेश किया। सेमीफाइनल में उनके साथ ऑल इंडिया पुलिस की संजू और उत्तर प्रदेश की अपराजिता मणि भी पहुंच गईं। इसके अलावा, युवा विश्व और राष्ट्रीय चैंपियन सनमाचा चानू ने कर्नाटक की एए सांची बोलम्मा को पहले दौर की आरएससी (रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट) जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। मौजूदा चैंपियन ललिता (राजस्थान) ने भी पंजाब की कोमलप्रीत कौर को 4-1 के स्प्लिट डिसीजन से हराकर अंतिम-4 में जगह बनाई। सेवाओं की प्रतिनिधि साक्षी, जो पिछले संस्करण में रजत पदक विजेता थीं, ने लद्दाख की कुलसुम को पहले दौर की आरएससी से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से बीएफआई द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप 20 से 27 मार्च 2025 तक ग्रेटर नोएडा में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जारी है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 24 राज्य इकाइयों के 180 मुक्केबाज 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

सचिवालय ए और हरिकेन ने दर्ज की जीत, कल से शुरू होंगे क्वार्टरफाइनल मुकाबले

एजेंसी

देहरादून। सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में यहां महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में लीग स्टेज के आखिरी 02 मैच खेले गए। पहला मैच सचिवालय वॉरियर और सचिवालय ए के बीच खेला गया, जिसमें सचिवालय ए ने जीत दर्ज की। दूसरे मैच में सचिवालय हरिकेन ने सचिवालय बुल्स को हरा दिया। अब कल यानी मंगलवार से क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में खेले

गए पहले मैच में सचिवालय ए ने बल्लेबाजी करते हुए सागर कुमार के 53 रनों के बदौलत 05 विकेट के नुकसान पर कुल 177 रन बनाए। इसके जवाब में सचिवालय वॉरियर्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 08 विकेट खोकर 156 रन ही बना सकी। सचिवालय ए के तुलसी प्रसाद पचौली 03 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच रहे। फाइटर ऑफ द मैच वॉरियर के राजीव तड़ियाल को दिया गया। दूसरे मैच में सचिवालय हरिकेन ने बुल्स को 05 विकेट से हरा दिया। बुल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सुधांशु राणा के 67 रनों की मदद से कुल 120 रन बनाए। अनुज चमोली और ओमीश ने 04-04 विकेट लिए। जवाब में हरिकेन ने 05 विकेट के नुकसान पर 14वें ओवर में लक्ष्य प्राप्त कर लिया। कपिल गंगवार ने शानदार 56 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच ओमीश कुमार को और फाइटर ऑफ द मैच सुधांशु राणा को दिया गया।

चीन की झेंग किनवेन सेमीफाइनल में, शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका से होगी भिड़ंत

एजेंसी

मियामी। चीन की झेंग किनवेन ने मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। नौवीं वरीयता प्राप्त झेंग ने खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में अमेरिका की एशलिन क्रूगर को 6-2, 7-6(3) से हराया। झेंग ने मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच एस लगाए और अपनी पहली सर्व पर 81त्न अंक अर्जित किए।

उन्होंने यह मैच 1 घंटे 29 मिनट में अपने नाम किया। दूसरी ओर, क्रूगर अपनी सर्व पर लय हासिल नहीं कर सकीं। उन्होंने चार डबल फॉल्ट किए और रिटर्न पर केवल 27त्न अंक ही जीत पाईं। अब सेमीफाइनल में झेंग का सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका ने अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में गत चैंपियन डेनियल कॉलिन्स को 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। गौरतलब है कि ओलंपिक महिला एकल चैंपियन झेंग अपने करियर के छठे खिताब की तलाश में हैं।

आईपीएल 2025: रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को एक विकेट से हराया

एजेंसी

विशाखापट्टनम। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के चौथे मैच में दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच रोचक मुकाबला देखने को मिला। हालांकि आखिरी बाजी दिल्ली के नाम रही और उसने एक विकेट से मैच अपने नाम किया। दिल्ली के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आशुतोष शर्मा ने शानदार 66 रन की नाबाद पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से मिले 210 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत काफी खराब रही। टीम ने तेजी से रन तो बनाए लेकिन विकेट भी जल्द गंवाएं। एक समय 6.4 ओवर में 65 रन पर दिल्ली की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। जैक फ्रेजर मैकगर्क 01 रन, फॉफ डुप्लेसिस 29 रन, अभिषेक पोरेल शून्य, समीर रिज्वी 04 रन और कप्तान अक्षर पटेल 22 रन बनाकर

आउट हुए।इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स (34 रन) ने आशुतोष शर्मा के साथ पारी को आगे बढ़ाया। हालांकि दोनों के बीच 38 रन की साझेदारी हुई ही थी कि स्टब्स को स्पिनर सिद्धार्थ ने बोल्ड कर दिया। एक बार फिर दिल्ली की पारी पटरी पर आते-आते डिरेल हो गई। इसके बाद विपराज निगम ने जोरदार हाथ दिखाते हुए हुए 15 गेंदों में 39 रन की पारी खेली। जिससे दिल्ली एक बार फिर ड्राइविंग सीट पर आ गई। फिर आशुतोष ने कमान संभाली और तीन गेंद शेष रहते हुए टीम को जीत दिला दी। आशुतोष 66 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए शार्दुल ठाकुर, एम. सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी और रवि बिश्नोई को दो-दो सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स ने निर्धरित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 209 रन बनाए। लखनऊ के लिए मिशेल मार्श ने 72 रन, निकोलस पूरन ने 75 रन, एडन मार्करम ने 15 रन और डेविड मिलर ने 27 रन बनाए। इनके अलावा, कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। दिल्ली कैपिटल्स के लिए मिशेल स्टार्क को सबसे ज्यादा तीन सफलता मिली। जबकि कुलदीप यादव दो और विपराज निगम व मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट चटकाए।

सीआईएसएफ ने खिताब, और गढ़वाल ने जीता दिल

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग थ्री का खिताब एक मैच शेष रहते अपने नाम कर चुकी सी आई एस एफ प्रोन्टैक्टर्स को अंतिम खानापूर्ति मुकाबले गढ़वाल हीरोज एफसी ने 1- 0 से पीट कर ना सिर्फ दूसरा स्थान अर्जित किया बल्कि एक दिन पहले खोई प्रतिष्ठा को फिर से अर्जित भी किया। गढ़वाल के लिए विजयी गोल मनभाकुपार मालगियांग ने किया। पुलिस खेलों की विजेता सी आईएस एफ का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम में सैकड़ों पुलिस के जवान मौजूद थे लेकिन सी आई एस एफ अपने प्रशसकों की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई। शुरुआत धीमी रही लेकिन धीरे धीरे गढ़वाल ने मैच पर पकड़ बना ली। आक्रामक प्रदर्शन कर गढ़वाल ने प्रतिद्वन्दवी को हैरान परेशान किया लेकिन उसका गोल पर सही निशाना नहीं लगा पाए।

दूसरी राष्ट्रीय डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप में मप्र के शूटिंग खिलाड़ी कुशाग्र ने जीते दो पदक

एजेंसी

भोपाल। गुजरात के अहमदाबाद में 20 से 24 मार्च तक आयोजित दूसरी राष्ट्रीय डेफ शूटिंग, टेबल टेनिस और टेनिस चैम्पियनशिप 2025 का समापन हुआ। अहमदाबाद में आयोजित इस प्रतियोगिता में अंतिम दिन मप्र राज्य शूटिंग अकादमी भोपाल के खिलाड़ी कुशाग्र सिंह राजावत ने शानदार खेल प्रदर्शन कर एक स्वर्ण सहित दो पदक अर्जित किये। राष्ट्रीय डेफ शूटिंग चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ी ने कुशाग्र ने शूटिंग (रायफल) ने 50मी. रायफल 3पोजीशन स्पर्धा में उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करते हुये स्वर्ण एवं 50मी. रायफल प्रोन में 01 रजत पदक अपने नाम किया।

उल्लेखनीय है कि शूटिंग खिलाड़ी कुशाग्र सिंह राजावत शूटिंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक जोयदीप कर्माकर और सहा. प्रशिक्षक वैभव

शर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत हैं। इसी चैम्पियनशिप में खेल अकादमी की बैडमिंटन खिलाड़ी गौरांशी शर्मा ने बैडमिंटन के सिंगल इवेन्ट में कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के बैडमिंटन खेल का स्वर्ण तमिलनाडु और रजत उत्तर प्रदेश के नाम रहा। प्रतियोगिता का दूसरा कांस्य पदक पंजाब ने अर्जित किया। दूसरी राष्ट्रीय डेफ शूटिंग और बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2025 के दोनों पदक विजेता खिलाड़ियों कुशाग्र सिंह राजावत और गौरांशी शर्मा के खेल प्रदर्शन की सराहना करते हुये मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने बधाई दी है।

केआईपीजी 2025: खेल और प्यार की अनोखी कहानी, पैरालंपिक्स में चमकने को तैयार स्वरूप और रोमी

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल और प्रेम जब एक साथ चलते हैं, तो नतीजे ऐतिहासिक हो सकते हैं। पेरिस ओलंपिक्स 2024 में टारा डेविस ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीता और जब उनके पति हंटर वुडहॉल ने पैरालंपिक्स में टी62 400 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता, तो यह उनकी आपसी प्रेरणा का ही परिणाम था। इसी तरह स्वरूप और रोमी उन्हालकर की कहानी खेल और प्यार के अनूठे संगम को दर्शाती है। पहले ही दो बार पैरालंपिक्स में भाग ले चुके स्वरूप ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। उनकी पत्नी रोमी उन्हालकर ने महिला आर2 - एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भाग लिया, जहां उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया और फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं।

खेल से शादी तक का सफर

दोनों की मुलाकात 2021-22 के आसपास पुणे में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई। शुरुआत में यह एक प्रोफेशनल रिश्ता था, लेकिन धीरे-धीरे यह दोस्ती गहरे संबंध में बदल गई। शादी के बाद रोमी ने भी शूटिंग को अपनाया, और पिछले तीन वर्षों से यह दंपति साथ में प्रतियोगिताओं में भाग ले रहा है, देश के लिए पदक जीत रहा है। स्वरूप का बचपन संघर्षों से भरा रहा। बचपन में ही उन्हें

पोलियो हो गया था और उनके लिए शूटिंग रेंज तक पहुंचना आसान नहीं था। परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे अपनी खुद की राइफल और किट खरीद सकें। लेकिन उनके कोच ने 2012 में एक 10 साल पुरानी राइफल दी, जिससे उन्होंने प्रतियोगिताओं में भाग लेना शुरू किया और जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

महाराष्ट्र के पहले पैरा शूटर बने स्वरूप

स्वरूप महाराष्ट्र के पहले ऐसे पैरा शूटर बने, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफाई किया। उनकी मेहनत को तब पहचान मिली जब उन्हें महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित छत्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जो राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार है। स्वरूप बताते हैं, इसके बाद सबका नजरिया बदल गया। अब परिवार और समाज में लोग कहते हैं, 'हमें कुछ नहीं चाहिए, बस तुम खेलते रहो। जब उन्होंने 2008 में अपने सफर की शुरुआत की, तब भारत में पैरा खिलाड़ियों को खेल के रूप में ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन उन्होंने इस मानसिकता को बदलने में अपनी भूमिका निभाई।

रोमी की भी है पैरालंपिक में खेलने की इच्छा

रोमी भी अपने पति के प्रति गर्व से भर जाती हैं। वे कहती हैं, स्वरूप बहुत धैर्यवान हैं और हर परिस्थिति में शांत रहते हैं। यह मुझे बहुत प्रेरित करता है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका साथ मिला है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स में स्वरूप ने मिक्स्ड 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच2 में भी भाग लिया, जहां वे आठवें स्थान पर रहे। इसके अलावा आर6 -50 मीटर राइफल प्रोन मिक्स्ड एसएच1 में उन्होंने पांचवां स्थान हासिल किया। अब यह जोड़ी अगले बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। 2025 में दक्षिण कोरिया में

प्रियंका चोपड़ा

की बहन मन्नारा के साथ क्या हुआ? एयरलाइन कंपनी पर भड़क उठीं

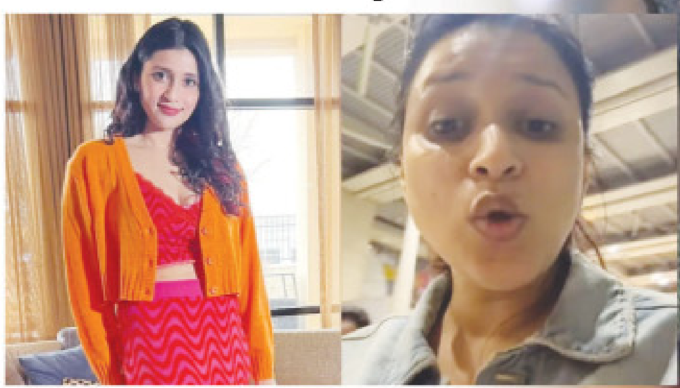

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की कजन सिस्टर मन्नारा चोपड़ा यूं तो हमेशा हंसते हुए नजर आती हैं. जब भी उनका कोई वीडियो सामने आता है या फिर कभी पैपराजी उन्हें स्पॉट करते हैं तो वो हमेशा काफी खुश दिखती हैं. हालांकि, अब वो बेहद ही गुस्से नजर आई हैं. उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.वीडियो में मन्नारा एयरपोर्ट पर नजर आ रही हैं और काफी परेशान दिख रही हैं. वो बताती नजर आ रही हैं कि वो तय समय से पहले ही एयरपोर्ट पर पहुंच गई थीं, लेकिन फिर भी फ्लाइट उन्हें बोर्ड किए बिना ही रवाना हो गई. उनका कहना है कि उनकी फ्लाइट 5 बजे की थी, लेकिन 4:45 बजे ही फ्लाइट ने उड़ान भर ली. वो एयरपोर्ट पर ही बैठी थीं, लेकिन कोई अनाउंसमेंट नहीं हुई.

मन्नारा चोपड़ा को किया गया नजरअंदाज

मन्नारा चोपड़ा ने आरोप लगाया है कि स्टाफ का रवैया भी सही नहीं था. उन्हें नजरअंदाज किया गया. इससे वो काफी ज्यादा परेशान हो गई. उन्होंने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जो अब पर वायरल है. उनका ये भी कहना है कि ये कोई पहली बार नहीं है. इससे पहले भी उनके साथ ऐसा हो चुका है.

मन्नारा की प्रोफेशनल लाइफ पर नजर डालें तो हाल ही में उनका एक म्यूजिक वीडियो आया है, जिसका टाइटल है 'अजीब दास्तां'. इस गाने में वो लंदन की सड़कों पर नजर आ रही हैं. उन्होंने इस म्यूजिक वीडियो को अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया. यूट्यूब पर मी-मन्नारा के नाम से उनका चैनल है, जिसपर 1 लाख 13 हजार सब्सक्राइबर्स हैं.

'बिग बॉस' के अलावा इस शो में दिखीं मन्नारा

यूं तो मन्नारा अक्सर ही लाइमलाइट में बनी रहती हैं, लेकिन सलमान खान के टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 17' से उन्हें काफी पॉपुलैरिटी हासिल हुई. वो इस शो का खिताब जीत नहीं पाई थीं, लेकिन लोगों की नजरों में आ गई. मन्नारा पिछले कुछ समय से 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' में नजर आ रही हैं. उन्हें इस शो में काफी पसंद किया जा रहा है.

खतरों से खेलेंगी टीवी की बहुएं, रोहित शेट्टी के शो में इस बार कंपटीशन होगा और भी तगड़ा

भारतीय टेलीविजन के कुछ चुनिंदा मशहूर रियलिटी शोज की जब भी बात होती है, तब रोहित शेट्टी के 'खतरों के खिलाड़ी' का नाम जरूर लिया जाता है. इस स्टंट बेस्ड शो ने एक दशक से भी ज्यादा समय से दुनियाभर में सैकड़ों फैंस बनाये हैं. शो को पसंद करने वाले फैंस हर साल शो के नए सीजन और उसके कंटेस्टेंट्स के नाम जानने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं. इस साल भी 'खतरों के खिलाड़ी 15' के नए सीजन के कंटेस्टेंट का नाम जानने के लिए सोशल मीडिया यूजर्स बहुत बेताब हैं. सुनने में आया है कि इस साल कलर्स टीवी के इस नए शो में टीवी की बहुएं भी नजर आएंगी, जो पिछले कुछ सीजन से मिसिंग थीं.सुपरहिट डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो के सीजन 15 में इस साल टीवी की 3 सुपरहिट बहुएं यानी रागिनी खन्ना, एरिका फर्नांडिस और सुरभि ज्योति नजर आ सकती हैं. यह तीनों इंडियन टेलीविजन की मशहूर एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने कई सालों की मेहनत से अपना-अपना लॉयल फैनबेस बनाया है. अभी तक तो वे घर की बहुएं बनकर लोगों का दिल जीतती दिखाई दी हैं, लेकिन अगर ये शो में बतौर कंटेस्टेंट जुड़ीं तो दर्शकों का जज्बा वाकई में सातवें आसमान को छू जाएगा.

एल्विश यादव भी हो सकते हैं शो का हिस्सा

रागिनी खन्ना, एरिका और सुरभि के अलावा कई और सेलेब्स का नाम सीजन 15 के कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में शामिल होने की गुंजाइश बताई जा रही है. इस लिस्ट में 21 साल के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रियाज शेख, गौतम गुलाटी, एल्विश यादव, मल्लिका शेरावत, चुम दरांग और अविनाश मिश्रा का नाम शामिल है. इन कंटेस्टेंट के साथ-साथ बिग बॉस 18 में नजर आए सबसे प्रतिभावान कंटेस्टेंट में से एक दिग्विजय राठी की भी खिलाड़ी बनने की अटकलें लगाई जा रहीं हैं. इसके साथ ही यह भी चर्चा है कि ईशा सिंह और मोहसिन खान से भी शो में भाग लेने के लिए अप्रोच किया गया था. लेकिन फिलहाल ईशा ने शो में जाने से इनकार कर दिया है. मोहसिन खान ने भी इस शो में शामिल होने के लिए खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है.

कितने करोड़ कमाएगी 'सिकंदर'? सलमान खान ने खुद कर दी अपनी फिल्म पर बड़ी भविष्यवाणी

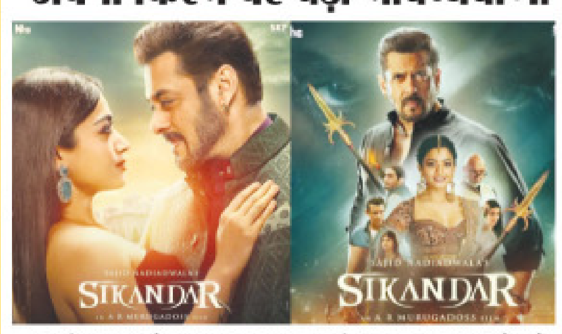

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अपनी फिल्म 'सिकंदर' से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं. ये फिल्म चंद दिनों के बाद सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. फिलहाल इसका ट्रेलर दर्शकों का दिल जीत रहा है. रविवार, 23 मार्च को रिलीज किए गए सिकंदर के ट्रेलर को दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है.

सिकंदर का ट्रेलर देखने के बाद फैंस फिल्म के कलेक्शन को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं. कोई कह रहा है कि फिल्म 500 करोड़ कमाएगी तो कोई कह रहा है कि सिकंदर 1000 करोड़ का आंकड़ा पार करेगी. फिल्म के कलेक्शन को लेकर सलमान ने भी बड़ी भविष्यवाणी कर दी है और उन्होंने कहा है कि उनकी फिल्म 200 करोड़ का आंकड़ा तो जरूर पार करेगी.

सलमान बोले- 200 करोड़ जरूर कमाएगी सिकंदर

सलमान खान ने सिकंदर के कलेक्शन को लेकर ये बड़ी भविष्यवाणी फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान की. उनसे फिल्म की सफलता को लेकर सवाल किया गया था तो एक्टर ने कहा, ईद, दिवाली, नया साल, फेस्टिव, नॉन फेस्टिव ये सब लोगों का प्यार है. फिल्म अच्छी हो या बुरी हो, वो 100 करोड़ रुपये तो पार करा ही देते हैं. इसके आगे सलमान ने नंबर्स में इजाफा किया और कहा, 100 करोड़ रुपये तो पहले की बात है, अब 200 करोड़ रुपये.

400 करोड़ रुपये है सिकंदर का बजट

सिकंदर के 3 मिनट और 39 सेकंड के ट्रेलर ने फिल्म के लिए माहौल तैयार कर दिया है. सिकंदर में सलमान के अपोजिट रश्मिका मंदाना अहम रोल में हैं. इसके अलावा काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर और अंजिनी धवन भी फिल्म का हिस्सा हैं. इसका डायरेक्शन एआर मुरुगादॉस ने किया है और इसके प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला हैं. 400 करोड़ रुपये के भारी भरकम बजट में बनी फिल्म ईद के मौके पर 30 मार्च को दुनियाभर में रिलीज होगी.

रश्मिका के साथ 31 साल के एज गैप पर भी बोले सलमान

सिकंदर के जरिए सलमान और रश्मिका पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर कर रहे हैं. हालांकि दोनों की उम्र में चलते सलमान को ट्रोल भी किया गया. लेकिन सलमान ने अपने जवाब से ट्रोलर्स की बोलती बंद कर दी. रश्मिका के साथ 31 साल के एज गैप पर एक्टर ने कहा, लोग बोलते हैं मुझमें और एक्ट्रेस में 31 साल का अंतर है. अरे जब हीरोइन को दिक्कत नहीं है, हीरोइन के पापा को दिक्कत नहीं है, तुमको क्यों दिक्कत है भाई ? एक्टर ने ये भी कहा कि वो तो रश्मिका मंदाना की बच्ची के साथ भी फिल्म करेंगे.

जो हिना खान और

शिवांगी जोशी

नहीं कर पाईं, वो समृद्धि शुक्ला ने कर दिखाया

स्टार प्लस का मशहूर टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' पिछले 16 सालों से दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है. आज भी राजन शाही के इस शो की कहानी दर्शकों को टीवी से बांधे रखती है. मेकर्स की तरफ से पूरी कोशिश की जाती है कि हर दिन 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के एपिसोड में एक ऐसा ट्विस्ट आए, जिसे देख लोगों के दिल में अगले दिन का एपिसोड देखने की उत्सुकता बढ़ जाए. हिना खान से इस शो की शुरुआत हुई थी. हिना खान के बाद शिवांगी जोशी के कंधों पर इस शो की जिम्मेदारी सौंपी गई. लेकिन इन दोनों के मुकाबले समृद्धि शुक्ला के लिए ये सफर बहुत मुश्किल था. लेकिन उन्होंने अब तक इस शो में वो कर दिखाया है, जो हिना खान और शिवांगी जोशी कभी कर नहीं पाईं.हिना खान के समय उन्हें करण मेहरा का हमेशा साथ मिला और शिवांगी जोशी को भी उनके को-स्टार मोहसिन खान ने हर कदम पर सपोर्ट किया. लेकिन समृद्धि शुक्ला के साथ ऐसा नहीं था. शुरुआत में शहजादा धामी उनके को-स्टार थे. सूत्रों की मानें तो शहजादा के अनप्रोफेशनल रवैये के चलते समृद्धि शुक्ला के साथ उनके कई को-स्टार को शूटिंग के समय दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. बढ़ती बदतमीजी के चलते जब शहजादा को शो से टर्मिनेट किया गया, तब रोहित पुरोहित ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में एंट्री की.

दोनों एक्टर्स के साथ दिखाई केमिस्ट्री

रोहित के साथ फिर से केमिस्ट्री बनाना समृद्धि के लिए आसान नहीं था. अगर उनकी जोड़ी लोगों को पसंद नहीं आती, तो स्टार प्लस का ये आइकोनिक शो ऑफ एयर हो जाता. लेकिन फिर भी उन्होंने इस चैलेंज का सामना करते हुए, वो कर दिखाया जो हिना खान या शिवांगी जोशी नहीं कर पाई. लोगों ने इस शो के साथ उनकी दूसरी जोड़ी को भी एक्सेप्ट किया.

लगातार टॉप 5 में शामिल है ये शो

जब हिना खान और शिवांगी जोशी ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में एंट्री की थी, तब शुरुआती दिनों में उन्हें टीआरपी चार्ट पर अपनी जगह बनाने के लिए स्ट्रगल करना पड़ा था. लेकिन समृद्धि शुक्ला जब से इस शो से जुड़ी हैं, स्टार प्लस का ये शो टीआरपी चार्ट पर 'टॉप 5' शो में अपनी जगह बनाए हुए हैं.

कौन हैं समृद्धि शुक्ला ?

सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलता है' में अभिरा का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला एक डबिंग आर्टिस्ट भी हैं. उन्होंने अमेरिकी ड्रामा 'किसिंग बूथ' के हिंदी वर्जन में प्रमुख महिला किरदार.